डालटनगंज
(मेदिनीनगर)
शनिवार
03.12.2022
मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 10
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह
इस दुनिया में नामुमकिन कुछ भी नहीं, हम वो सब कर सकते हैं जो हम सोच सकते हैं और हम वो सब सोच सकते हैं जो हमने कभी नहीं सोचा।

www.rastriyanaveenmail.com | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-29 अंक-49 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

न्यूज गैलरी

उच्चतम न्यायालय में शिक्षक नियुक्ति मामले की हुई सुनवाई

रांची। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड में हाई स्कूल के शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित मामले में अवमानना वाद की सुनवाई की। कोर्ट के आदेश पर झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि जिनकी नियुक्ति हो चुकी है, उनकी अलग मेरिट लिस्ट तैयार करें और उन्हें यह विकल्प दिया जाये कि वे किस जिले में कार्य करना चाहते हैं। इनके अलावा इस नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में जिन अभ्यर्थियों ने रिट याचिका दाखिल की थी, उनकी अलग लिस्ट तैयार कर उनकी नियुक्ति की जाये। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मुख्य सचिव को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार की वर्ष 2016 में बनी नियोजन नीति को असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया था, लेकिन इस नीति से अनुसूचित जिलों में हाई स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति को बरकरार रखा था। अदालत ने बाकी अभ्यर्थियों के लिए राज्यस्तर पर मेरिट लिस्ट तैयार कर उनकी नियुक्ति करने का निर्देश दिया था। इस आदेश का पालन न होने पर सोनी कुमारी एवं अन्य अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की याचिका दाखिल की थी। बीते 28 नवम्बर को इसपर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने झारखंड के मुख्य सचिव को सशरीर उपस्थित होने को कहा था।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में मिट्टी की खदान धंसी, छह महिला समेत सात की मौत

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़िले में पीली मिट्टी की खदान धंस जाने से उसमें दबकर महिला समेत सात लोगों की मौत हो गई है। बस्तर ज़िले के पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि ज़िले के मालगांव में स्थित छुई खदान (पीली मिट्टी खदान) के धंस जाने से उसमें दबकर छह महिलाओं समेत सात लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण आज पीली मिट्टी की खदान से मिट्टी निकाल रहे थे तभी ऊपर का हिस्सा उनके ऊपर गिर गया और सभी उसके नीचे दब गए। पीली मिट्टी एक प्रकार का चूना पत्थर होता है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद अन्य ग्रामीणों ने उन्हें बचाने की कोशिश की और इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया और बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि अभी तक इस घटना में सात लोगों की मौत हुई है। उनके अनुसार बचाव कार्य के दौरान पुलिस ने पांच शव बरामद किये जबकि दो लोगों की मौत इलाज के दौरान अस्पताल में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है। उनके अनुसार घटनास्थल में बचाव कार्य जारी है।

लकड़ी काटते चार व्यक्ति गिरफ्तार

मेदिनीनगर। पलामू वन विभाग के एसीएफ रामसूरत प्रसाद के आदेश पर फॉरेस्टर राकेश कुमार पांडे के नेतृत्व में तरहसी थाना क्षेत्र के ग्राम पाठक पगार के चार लोगों को जंगल से लकड़ी काटने के जुर्म में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में फॉरेस्टर राकेश कुमार पांडे ने बताया कि तरहसी के ग्रामीणों द्वारा गुप्त सूचना मिला था कि तरहसी के बजलपुर जंगल से माफियाओं द्वारा कुछ महीनों से लगातार लकड़ी काटकर उसे बाजार में कीमती दामों पर बेचने का काम किया जा रहा है। ग्रामीणों के सूचना के आधार पर फॉरेस्टर राकेश कुमार पांडे के द्वारा जंगल में छापामारी अभियान चलाया गया। छापामारी अभियान के दौरान जंगल से चार लोग रंगे हाथ कीमती लकड़ी काटते पकड़े गये। पकड़े गये लकड़ी तस्करों में उपेन्द्र यादव, मिथलेश यादव, विनोद यादव, संतु यादव का नाम शामिल है। सभी तरहसी थाना क्षेत्र के ग्राम पाठक पगार के रहने वाले हैं। इन चारों व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत के तहत शुक्रवार को जेल भेज दिया गया है।

फसल बीमा योजना कार्यान्वयन को लेकर बैठक

किसानों के लंबे दावे का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाये : बादल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार अपने हिस्से का राज्यांश देने को तैयार है, बशर्ते बीमा कंपनियां अपनी तरफ से शपथ पत्र दें। उक्त बातें शुक्रवार को राज्य के कृषि मंत्री बादल ने भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सीईओ रितेश चौहान और इंश्योरेंस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में कही। मंत्री श्री बादल ने कहा कि राज्य सरकार बीमा कंपनियों को लगातार 2015-16 से राशि तो दे रही है, पर किसानों को उस मात्रा में इंश्योरेंस का लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में बीमा कंपनियों के द्वारा जैसे ही शपथ-पत्र दिया जायेगा राज्य सरकार अपने हिस्से की राशि तुरंत रिलीज कर देगी, इसे लेकर केंद्र सरकार से आयी टीम ने स्पष्ट तौर से बीमा कंपनियों को शपथ-पत्र देने के निर्देश दे दिये हैं।

श्री बादल ने इसके बाद विभागीय सचिव अबूबकर सिद्दीक से कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा से जुड़ी इंश्योरेंस कंपनियों को राज्यांश की राशि देने की पहल करे, राज्यांश और केंद्रांश की राशि मिलते ही प्रभावित किसानों को क्लेम की राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी जायेगी। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों से कहा कि राज्य में किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए बीमा कंपनियों के द्वारा किसानों के लंबे दावे का भुगतान जल्द से जल्द कराया जाये। श्री बादल ने कहा कि झारखंड के किसानों के लिए यह खुशी की बात होगी कि उन्हें जल्द ही बीमा की राशि मिल जायेगी। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियां हमारे किसानों को 811 करोड़ रुपये रिलीज करने को तैयार हो गयी है। राज्य सरकार भी 352 करोड़ राज्यांश देने को तैयार है, अन्य प्रदेशों की तरह तकनीक का सहारा लिया जायेगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सीईओ रितेश चौहान ने कहा कि भारत सरकार पूरे देश के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। झारखंड के किसान जो पीएम फसल बीमा योजना के तहत रजिस्टर्ड हैं तथा जिनका 2017-18 से 2020 तक का क्लेम सेटलमेंट नहीं हुआ है, उन किसानों को जल्द ही क्लैम का भुगतान सुनिश्चित किया जायेगा। राज्य सरकार के द्वारा जैसे ही राशि रिलीज की जायेगी इंश्योरेंस कंपनियां किसानों के लंबित दावे 811 करोड़ की राशि का भुगतान सात दिनों के अंदर करेगी। उन्होंने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र

वन संरक्षण नियम-2022 में बदलाव लाने का किया आग्रह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार द्वारा लाये गये उस कानून पर आपत्ति जतायी है, जिसमें कहा गया है कि आदिवासियों और वनों पर निर्भर रहनेवालों की सहमति सुनिश्चित किये बिना निजी डेवलपर्स वनों को काट सकेंगे। मुख्यमंत्री ने आग्रहपूर्वक इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने हेतु प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से कहा है कि झारखंड में 32 प्रकार के आदिवासी रहते हैं, जो प्रकृति के साथ समरसतापूर्वक जीवन जीते हैं। ये पेड़ों की पूजा और रक्षा करते हैं। जो लोग इन पेड़ों को अपने पूर्वजों के रूप में देखते हैं, उनकी सहमति के बिना पेड़ों को काटना उनकी भावना पर कुठाराघात करना जैसा होगा। वन अधिकार अधिनियम, 2006 को परिवर्तित कर वन संरक्षण नियम-2022 ने गैर वानिकी उद्देश्यों ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अधिकारों का होगा हनन

मुख्यमंत्री ने कहा है कि वन अधिकार अधिनियम 2006 वनों में रहनेवाली अनुसूचित जनजातियों और वनों पर निर्भर अन्य पारंपरिक लोगों को वन अधिकार प्रदान करने के लिए लाया गया था। देश में करीब 20 करोड़ लोगों की प्राथमिक आजीविका वनों पर निर्भर है और लगभग 10 करोड़ लोग वनों के रूप में वर्गीकृत भूमि पर रहते हैं। ये नये नियम उन लोगों के अधिकारों को खत्म कर देंगे, जिन्होंने पीढ़ियों से जंगल को अपना घर माना है। जबकि, उन्हें उनका अधिकार अब तक नहीं दिया जा सका है।

तिरंगा से पटा शहीद ले. अनुराग शुक्ला चौक, आज मनेगा जन्मोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू का सिंगरा खुर्द स्थित शहीद लेफ्टीनेंट अनुराग शुक्ला चौक तिरंगा से पट गया है। सिंगरा समेत पलामू के धरती माता के सपूत शहीद अनुराग शुक्ला के जन्मोत्सव पर देशभक्ति के रंग में सराबोर है। तीन दिसंबर को हर वर्ष की भांति लेफ्टीनेंट अनुराग शुक्ला का भव्य जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जहां 28 वें जन्मदिवस पर संध्या 4 बजे 28 पौंड का केक शहीद की मां उषा शुक्ला के द्वारा काटा जाएगा। वहीं भोजपुरी सम्राट गोलू राजा अपने टीम के साथ सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक सोहर एवं देशभक्ति गीतों से शहादत को नमन करेंगे। मौके पर पलामू सांसद समेत प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। शहीद अनुराग के पिता जीतेंद्र शुक्ला ने बताया कि उनके पुत्र ने देश सेवा में अपना जान न्योछावर कर किर्तिमान गढ़ा है। उसकी किर्ति गाथा को पलामू देश भर तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। शहीद ले. अनुराग शुक्ला युद्ध प्रशिक्षण के दौरान अपने तीन साथियों की जान बचाने में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। ये उनकी मानवता का परिचय पलामू के रग रग में देशभक्ति का बयार बनकर बहेगा। कार्यक्रम को भव्य बनाने में शिशिर शुक्ला, संतोष शुक्ला, आशीष भारद्वाज, राकेश तिवारी, ए पी लकी की भूमिका अहम है।

साइबर अपराध पर नियंत्रण की दिशा में बैंक व पुलिस प्रशासन का दायित्व महत्वपूर्ण : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि बैंक में आये व्यक्ति से अच्छा व्यवहार करें। हमारे देश में ग्राहक को भगवान समझा जाता है, बैंक में आये व्यक्ति भी आपके ग्राहक हैं। उन्होंने कहा कि आज बैंकिंग सेवा में बदलाव आ गया है, पहले ऋण लेने के लिए लोगों को बैंक जाकर आग्रह करना पड़ता था, लेकिन अब बैंक प्रतिनिधि ग्राहक के द्वार पहुंचने लगे हैं। राज्यपाल शुक्रवार को राजभवन में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के अधकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि लोगों की जब उनकी जीवन भर की जमा पूंजी साइबर ठगी का शिकार हो जाती है, तो उनके दुखों की कल्पना नहीं की जा सकती है। सुनने में आता है कि जामताड़ा साइबर क्राइम की जननी है और विदेशों से भी लोग यहां प्रशिक्षण लेने आते हैं। साइबर अपराध पर नियंत्रण की दिशा में बैंक एवं पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने कहा कि बैंक पीड़ित व्यक्ति की सहायता करने के लिए तत्पर रहें, उनके साथ टाल-मटोल का रवैया न अपनायें। उन्होंने कहा कि आज अधिक-से-अधिक ग्राहक डिजिटल लेन-देन भी कर रहे हैं। अधिकांश वित्तीय सेवांए ऑनलाइन उपलब्ध हैं? इसलिए इस स्वयं-सेवा मॉडल के युग में, ग्राहक को सुरक्षित वित्तीय लेन-देन करने के लिए भी आरबीआई को पूरी तरह से सक्षम और तैयार होने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि उपभोक्ताओं को यह भी समझाने की आवश्यकता है कि इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग सही और सुरक्षित तरीके से कैसे करना है। लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि वे अपने व्यक्तिगत पहचान-पत्र, आधार-कार्ड, पैन कार्ड अनावश्यक किसी से साझा न करें। ग्राहक अधिक-से-अधिक अपने उपभोक्ता अधिकारों के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

महंगे वकीलों पर सरकारी फंड से अरबों का हो रहा दुरूपयोग : बाबूलाल मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में एक और बड़ा स्कैम कुछ दिनों बाद सामने आयेगा। राज्य की सम्पदा लूटने के निजी पाप से बचने व राजनैतिक विरोधियों को मुकदमे में फंसाकर परेशान करने के लिए रांची से दिल्ली तक कानूनी लड़ाई में महंगे वकीलों पर सरकारी फंड से अरबों का भुगतान किया गया। निजी केस में भी बड़े वकीलों को लगाकर सरकारी फंड से भुगतान किया गया। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस मामले में जांच होनी चाहिए।

नेपाल जाकर रिश्वत का पैसा लिया : बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि संताल परगना के कुछ अफसर, गैंग्स ऑफ साहिबगंज के गुंडे, मवालियों, चोर, लूटरों के साथ दार्जिलिंग और नेपाल में जाकर मिलते थे, लूट का प्लान बनाते थे, रिश्वत के पैसे लेते थे। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ईडी इस मामले की गहराई से जांच करें तो पता चलेगा कि ऐसे अफसरों, सत्ताधारियों ने विदेशों में कहां कहां निवेश किया है। बाबूलाल मरांडी ने साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव की कार्यशैली पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली के तर्ज पर साहिबगंज के डीसी ने हृदय परिवर्तन कर लिया है। रोज पहाड़ों की सैर पर जाते ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

सेंट्रल जेल के मुख्य द्वार पर तैनात संतरी पर अपराधियों ने की फायरिंग, बाल-बाल बचा

दुमका। दुमका केंद्रीय कारा के मुख्य गेट पर तैनात संतरी को निशाना बनाकर बाइक सवार अपराधियों ने शुक्रवार की देर शाम फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। हालांकि, संतरी की जान बाल-बाल बच गयी। इधर, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीपीओ और थाना प्रभारी पहुंचे और मामले की जांच में जुट गये। दरअसल, केंद्रीय कारा के गेट पर तैनात संतरी को निशाना बनाकर बाइक सवार तीन अपराधियों ने दो गोली चलायी, लेकिन संतरी के झुक जाने की वजह से गोली उसे नहीं लगी। घटनास्थल से पुलिस ने दो खोखा बरामद किया है। जानकारी पाकर दुमका एसडीपीओ नुर मुस्तफा नगर थाना प्रभारी नवल किशोर सिंह के साथ मौके पर पहुंचे और आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरे से घटना की जांच-पड़ताल में जुट गये।

हेमंत सोरेन राज्य भर में निकालेंगे

जोहार-आशीर्वाद यात्रा

रांची। राज्य में पैदा हुई तमाम राजनीतिक चुनौतियों के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पक्ष में लगातर जनसमर्थन जुटाने की कोशिशों में जुटे हैं। इसी कड़ी में सोरेन और सत्तारूढ़ गठबंधन के शीर्ष नेता अब पूरे राज्य में जोहार आशीर्वाद यात्रा पर निकलेंगे। यात्रा की शुरुआत अगले सप्ताह होगी। इस दौरान राज्य के सभी 24 जिलों में सत्ताधारी गठबंधन रैलियां आयोजित करेगा। जोहार यात्रा की रणनीति तय करने के लिए मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं, विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठक की है। बैठक में तय हुआ कि यात्रा के दौरान प्रतिदिन दो-दो जिले कवर किये जायेंगे। हर जिले में बड़ी रैली होगी, जिसमें यह बताया जायेगा कि राज्य की सरकार को पूर्ण बहुमत हासिल होने के बावजूद अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। यह भी संदेश दिया जायेगा कि सरकार गिराने की साजिशों को जनता के समर्थन से विफल कर दिया जायेगा। हालांकि, अभी यात्रा के कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार एक-दो दिनों में कार्यक्रम की घोषणा कर दी जायेगी। यात्रा तीन चरणों में आयोजित की जा सकती है। पहले चरण में गढ़वा, पलामू, गुमला, लोहरदगा, गोड्डा और देवघर जिले में रैलियां होंगी। यात्रा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा कैबिनेट में शामिल सभी मंत्री, विधायक और नेता शामिल होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रोज अलग-अलग जिले में रात्रि विश्राम करेंगे और इस दौरान महागठबंधन के नेताओं-कार्यकर्ताओं से मुखातिब होंगे।

गायों की सेहत, प्रजनन, दूध उत्पादन ट्रैक करनेवाली घड़ी

परिष्कृत करके इंसानों के लिए कारगर बनाने की तैयारी

– आरएनएम

नयी दिल्ली। चीन की साउथ वेस्ट जियाओतोंग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने गाय की सेहत, प्रजनन व लोकेशन ट्रैक करने के लिए एक स्मार्ट घड़ी बनायी है। जिसके मार्फत बीमारी से लगायत दूध उत्पादन व प्रजनन चक्र व मोवमेंट तक ट्रैक किया जायेगा। इसके शोध में शामिल वैज्ञानिकों का कहना है कि स्मार्ट वॉच को गाय के गले और पैरों में पहनाया जा सकेगा। इससे उनकी कोई भी गतिविधि आसानी से ट्रैक की जा सकेगी। इस स्मार्ट वॉच में लिथियम बैटरी का इस्तेमाल होगा। इससे गाय के मूवमेंट से जो ऊर्जा निकलेगी, वह बैटरी में एकत्रित होकर डिवाइस को चलाती रहेगी। इस तरह पारंपरिक घड़ी की तरह इसे बार-बार चार्ज करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस शोध के लेखक जुताओ झांग का कहना है कि इस स्मार्ट वॉच के मार्फत गायों की प्रतिदिन की गतिविधि, प्रजनन चक्र, उन्हें होने वाली बीमारियां, दूध का उत्पादन आदि मॉनिटर किया जा सकेगा। इससे गायों की सेहत सुधारने और प्रजनन कराने ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

साहिबगंज मंडल कारा में ईडी की टीम ने विजय हांसदा का दर्ज किया बयान

पुलिस पर केस को रफा-दफा करने का दबाव डालने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ईडी ने एक हजार करोड़ के अवैध खनन के मामले में गवाह विजय हांसदा का बयान दर्ज किया। शुक्रवार को ईडी के असिस्टेंड डायरेक्टर स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में ईडी की टीम साहिबगंज मंडल कारा पहुंची थी। ईडी ने निंबू पहाड़ी पर अवैध खनन के मामले में दायर कोर्ट परिवाद को लेकर विजय हांसदा का बयान लिया। विजय हांसदा ने बताया कि पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद भी कोर्ट परिवाद दर्ज नहीं किया। वहीं, इस मामले में दबाव डाला जाने लगा था। विजय हांसदा ने बताया है कि पत्थर कारोबारी विष्णु यादव ने केस को रफा-दफा करने के लिए एक सादे कागज पर हस्ताक्षर करवा लिया था। इसके बाद 11 नवम्बर को जब पुलिस ने उसे जेल भेज दिया, तब उसी कागज का इस्तेमाल केस को बंद करने के लिए किया गया। इसी सादे कागज पर स्वयं लिखकर साहिबगंज एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा के यहां केस नहीं लड़ने संबंधी आवेदन दे दिया गया। विजय हांसदा ने बताया है कि वह अवैध पत्थर खनन से जुड़ा केस लड़ना चाहता है। हांसदा ने बताया है कि उस पर केस वापस लेने का दबाव डाला जा रहा था, इससे जुड़ा वीडियो भी उसने मोबाइल में शूट किया था। गौरतलब है कि विजय हांसदा ईडी का गवाह रहा है। साहिबगंज व आसपास के इलाके में एक हजार करोड़ के अवैध खनन व परिवहन को लेकर ईडी ने जो जांच की है, उसमें पूर्व में भी विजय हांसदा का बयान दर्ज किया था। साहिबगंज पुलिस ने 11 नवम्बर को विजय हांसदा व उसके बेटे मनोज हांसदा को आर्म्स एक्ट के केस में जेल भेज दिया था। तब से वह जेल में बंद है।

प्रकाश यादव को सारे केस में जमानत, सीसीए के कारण नहीं आ पायेंगे बाहर

साहिबगंज के कारोबारी व ईडी के एक अन्य गवाह प्रकाश यादव उर्फ मुंगेरी यादव को सारे कांडों में जमानत मिल गयी है, लेकिन साहिबगंज जिला प्रशासन के द्वारा सीसीए लगवाए जाने के कारण प्रकाश यादव जेल से बाहर नहीं आ पायेंगे। साहिबगंज में पंकज मिश्रा के प्रतिद्वंदी रहे प्रकाश यादव को रांची एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। प्रकाश यादव के बेटे अंकुश यादव को भी ईडी ने अपने केस में गवाह बनाया है।

साहिबगंज में चोरी-छिपे शुरू हो गया था अवैध खनन, जंगल में छिपाये अरबों के सामान

साहिबगंज में हाल के दिनों में दाहू यादव की गिरफ्तारी नहीं होने व जमीन पर ईडी की दबिश कम होता देख अवैध खनन फिर से चालू हो गया था। गुरुवार को ईडी की टीम जब दुबारा साहिबगंज पहुंची तो एजेंसी के भय से अवैध खनन के लिए लगाये गये वाहन, लोडर, समेत अरबों के सामान जंगल व सीआरटी कैंप में छिपाये जाने की सूचना मिली है।

न्यूज गैलरी

पंचायत प्रतिनिधियों ने बीपीओ व कनीयअभियंता के साथ किया बैठक

हुसैनाबाद। प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को पंचायत प्रतिनिधियों ने मनरेगा कर्मी एवं कनीयअभियंता के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रखंड मनेरगा पदाधिकारी बिष्णु कुमार मिश्रा ने बताया कि मनेरगा के तहत विभिन्न योजना एवं प्रधानमंत्री आवास पर चर्चा किया गया, जिसमें सभी कर्मियों से योजनाओ को ससमय पूरा करने पर बल दिया गया। बीपीओ सभी लोगो से कार्य में तेजी लाने को कहा एवं मनेरगा कार्य को गुणवत्तापूर्ण कराने कार्य कराने की बात कही। मौके मुखिया प्रेमा देवी आत्मेश कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह अमरेन्द्र कुमार ठाकुर विनोद कुमार सिंह संजु देवी बविता देवी विजय कुमार राम सुदामा यादव आंचला देवी अनीता देवी एवं पंचायत सचिव सूर्यनाथ राम प्रखंड कार्यालय सहायक मोहम्मद समिर अख्तर मनेरगा लेखा सहायक सजिव कुमार विनोद कुमार अजय कुमार यादव दिलिप कुमार धर्मेन्द्र कुमार सफीर आलम निरज कुमार गुप्ता अभिषेक कुमार पासवान विश्वनाथ कुमार राजीव कुमार उमेश कुमार चौधरी नशीम कौशल अशोक कुमार मौजूद थे।

मुखिया को पितृ शोक

हुसैनाबाद। प्रखण्ड क्षेत्र के बेनिकला पंचायत के मुखिया श्रवण राम के पिता कईल राम 72 वर्ष का गुरुवार को देर सांध्य लगभग 6 बजे अचानक हृदय गति रुकने से मौत हो गयी। बताते चले कि श्रवण राम हुसैनाबाद मुखिया संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष भी हैं इस खबर को सुनकर कर हुसैनाबाद क्षेत्र के सैकड़ो गणमान्य जनप्रतिनिधियों उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार का कार्यक्रम क्ररबार नदी पर किया गया जहाँ मुखिया ने मुखाग्नि दी। मौके पर हुसैनाबाद के पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव,राजद के सचिव राज अली मुखिया संघ के प्रखण्ड सचिव अमरेंद्र ठाकुर,मुखिया सुदामा यादव,नरेश पासवान,लखन यादव,मुखिया पति,बिमलेश पासवान,रामजी राम,आदि सैकड़ों लोग शामिल हुए।

पूर्व मंत्री के पोते ने किया राजनीति में इण्ट्री

विश्रामपुर। पूर्व मंत्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे के पोते ज्ञानेंद्र दुबे का सक्रिय राजनीत में औपचारिक पदार्पण हो चुका है। जिसमे ज्ञानेंद्र दुबे अपने समर्थकों और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ विश्रामपुर प्रखंड के कई गांवों का भ्रमण कर आम लोगों से मिले और उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही लोगो को समाधान हेतु सार्थक प्रयास करने का भरोसा भी दिलाया। इससे युवा नेता ज्ञानेंद्र दुबे का बी मोड़ पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रामचंद्र दीक्षित व कांग्रेस नगर अध्यक्ष ऋषि पांडेय के नेतृत्व में समर्थकों ने भव्य स्वागत किया। श्री दुबे ने कहा कि राजनीत मुझे विरासत में मिली है। मेरे दादा ददई दुबे ने विश्रामपुर विधान सभा का चार बार नेतृत्व किया है। यहां के लोगों के सुख दुख में शामिल रहे है। विश्रामपुर की आवाज को बिहार व झारखंड में बुलंद करने का काम किया है। उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए मैं भी लोगों का सुख दुख सांझा करने आया हूं। उन्होंने कहा कि राजनीत में सेवा भाव के साथ आया हूं, लोगों के आशीर्वाद से अपने दादा ददई दुबे के अधूरे सपने को पूरा करूंगा। ज्ञानेंद्र दुबे कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा के तहत आयोजित पदयात्रा में भी शामिल हुए। इसके अलावा वे केतात गांव भी गये। वहां अधिवक्ता सुधीर चौबे के घर जाकर शोक संवेदना प्रकट किया। गौरतलब है कि सुधीर चौबे के भाई मिथलेश चौबे की मौत पिछले दिनों हृदय गति रुक जाने से हो गई थी। मौके पर पांडू बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील पांडेय, उंटारी बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक सिंह,अरविंद चौबे,राम मनोहर चौबे,मणिभूषण पांडेय,ललित चौबे डब्लू,संजय पांडेय,दुर्गा प्रसाद गुप्ता,जमील खान,गोल्डन चौबे, सत्य प्रकाश चौबे,इमरान अंसारी, रविन्द्र शुक्ला उर्फ गुड्डू, सहित कई लोग मौजूद थे।

जेएमएम नेता को चाची शोक

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद सिटी के वार्ड नंबर दो के मेंहदी नगर निवासी व झामुमो के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ सिंह उर्फ बबलू सिंह के चाची एवं स्व. रघुनाथ सिंह की पत्नी मालती कुवंर (75) वर्ष की बुधवार की देर शाम हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। उनके निधन से रघुनाथ पेट्रोलियम सहित परिवार में शोक की लहर हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को वाराणसी में श्मशान घाट पर किया गया। इनके निधन पर विधायक कमलेश कुमार सिंह, ओमप्रकाश सिंह, प्रो.संजय सिंह, रामेश्वर राम, विक्रमा सिंह,केदार सिंह, चंदन सिंह, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, नेहाल असगर, डॉ. एजाज आलम, अशोक सिंह, पवन कुमार, नगर पंचायत अध्यक्ष शशि कुमार, उपाध्यक्ष ग्यासुद्दीन सिद्दीकी, गुड्डू सिंह समेत कई लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

बीडीसी ने कई अधिकारियों के साथ की बैठक

नवीन मेल सवांददाता

सतबरवा। प्रखंड सभागार में बीडीसी की बैठक शुक्रवार को प्रखंड प्रमुख रीमा देवी की अध्यक्षता में की गई, जबकि संचालन बीडीओ राजकिशोर प्रसाद ने किया। प्रमुख रीमा देवी ने आरोप लगाया कि बहुत सारे विद्यालय के बच्चे को कुकिंग कॉस्ट का पैसा अभी तक नहीं दिया गया है। बैठक में प्रमुख रीमा देवी, उप प्रमुख कामाख्या यादव, विधायक प्रतिनिधिराणा प्रताप कुशवाहा ,सांसद प्रतिनिधि मनीष कुमार व सोनू सिकंदर ने एक स्वर में बीपीओ मनोज कुमार पर सवाल उठाते हुए कहा कि 11 वर्ष से एक जगह रहना महा भ्रष्टाचार है। सांसद प्रतिनिधि मनीष कुमार ने कहा कि सतबरवा श्मशान घाट का रास्ता एवं मेला टांड बाजार समिति का सरकारी भूमि का अतिक्रमण किये जाने को लेकर 18 दिसंबर 2021 को

अतिक्रमण मुक्त करने का आवेदन बीडीओ सह सीओ को दिया गया था। जिस पर अब तक कार्रवाई नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अगर इस पर कार्रवाई नहीं हुआ तो हम आंदोलन करने को बाध्य होंगे। सांसद प्रतिनिधि सोनू सिकंदर व मनीष कुमार ने बुधवार को लगने वाला मीना बाजार के बारे में कहा कि जितने भी दुर्घटनाएं हो रही है वह मीना बाजार की देन है। मीना बाजार में सैकड़ों की संख्या में लोग शराब की दुकान लगाते हैं। सप्ताहिक बाजार होंने के कारण भीड़ यहां पर उमड़ पडती है। इसे तुरंत हटाया जाए। बाजार के दिन मेला टांड़ में जाम लग जाता है रोड के किनारे लगने वाले दुकान को दूसरी जगह व्यवस्थित किया जाए। साथ ही दो पुलिस गार्ड की व्यवस्था की जाए । बैठक में कई विभाग के पदाधिकारियों के उपस्थित नहीं होंने पर उप प्रमुख कामाख्या यादव ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जब पदाधिकारी बैठक में पहुंचेंगे ही नहीं तो इस बैठक का क्या औचित्य है। पोंची पंचायत के मुखिया गिरवर प्रसाद राम ने सोलर प्लेट चोरी होंने की बात कही। इस पर बीडीओ ने कहा पहले एफआईआर कीजिये उसके बाद ही कार्रवाई की जायेगी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्याम नारायण ने कहा कि हर पंचायत में 25 क्विंटल के हिसाब से गेहूं का बीज दिया गया है। पशुपालन से संबंधित 1200 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि राणा प्रताप कुशवाहा, पंचायत समिति सदस्य मधु सिंह ,लक्ष्मी देवी ,अशोक राम, रुबी देवी ,जगदीश सिंह,बारी मुखिया निरोतमा कुमारी, जीपीएस सुरेश ठाकुर, बीटीएम प्रियंका कुमारी ,सुधीर मिश्रा, रौशन पाठक समेत कई लोग मौजूद थे।

फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

फाइनल मुकाबला में जमुआ बना विजेता

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के महुंराव खेल मैदान में शुक्रवार को मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी, बीडीओ रतन कुमार, देवरी कला की वार्ड सदस्य निर्मला देवी व कई पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। फाइनल मैच जमुआ बनाम कोशी पंचायत के बीच खेला गया। जिसमें जमुआ ने कोशी को दो गोल से हराकर विजेता बना। इस मौके पर पर प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने का काम किया जा रहा है। खिलाड़ी अच्छे से खेल को खेल की भावना से खेलें। मौके पर बीडीओ रतन कुमार ने कहा कि ग्रामीण व सुदूरवर्ती क्षेत्र के खिलाड़ी प्रतिभा के काफी धनी है। इस तरह के आयोजन से उन्हें खेल में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य रूप से मुखिया सुदामा यादव,अमरेंद्र ठाकुर, डब्लू सिंह, पूर्व मुखिया, अमरेंद्र कुमार, बिगन प्रजापति, रमेश पासवान समेत काफी संख्या में खेल प्रेमी दर्शक मौजूद थे।

एसडीएम ने क्षेत्र में अवैध उत्खन्न को रोकने को लेकर की बैठक

सभी अंचल अधिकारी पुलिस से समन्वय बनाकर करें कार्रवाई :एसडीएम

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र में अवैध बालू और पत्थर माइनिंग को रोकने को लेकर अनुमण्डल प्रशासन ने शिकंजा कस दिया हैं। जिससे शुक्रवार को अनुमण्डल मुख्य सभागार में अनुमण्डल पदाधिकारी कमलेश्वर नारायन ने एसडीपीओ पूज्यप्रकाश एवं हुसैनाबाद एवं मोहम्मदगंज ,हैदरनगर के आंचल पदाधिकारी और सभी थाना के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक किया। बैठक में सभी पदाधिकारियों से बारी-बारी अद्यतन जानकारी लिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हुसैनाबाद में पुलिस की मिली भगत से अवैध बालू का कारोबार चरम सीमा पर था। क्षेत्र में इसको लेकर आम लोगो मे चर्चा होती रही हैं, जिसके बाद अनुमण्डल पदाधिकारी ने शिकंजा कसने को लेकर बैठक किया । उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए अंचल अधिकारियों से कोडिनेशन बनाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार सीओ जब अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ पकड़ने निकलते हैं और थाना को फोर्स व्यवस्था की मांग करते है उससे पहले बालू धंधेबाज को सूचना मिल जाती हैं। इससे यह स्पष्ट हैं कारोबारियों का मनोबल कितना बढ़ा हुआ हैं। उन्होंने कहा कि स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया गया है पुलिस और राजस्व कर्मी की जिम्मवारी दी गयी हैं। अवैध कारोबारी सरकारी राजस्व का चूना लगा रहे है जिसे कभी बर्दाश्त नही किया जाएगा। बैठक में हुसैनाबाद अंचल अधिकारी नन्द कुमार राम,राजीव नीरज एवं यशवंत नायक,अंचल सीआई ,राजस्व कर्मचारी मुकेश कुमार,आरक्षी निरीक्षक दीपक कुमार, हुसैनाबाद थाना से जिम्मी हांसदा,देवरी ओपी प्रभारी इंद्रदेव राम,दंगवार ओपी प्रभारी चन्दन शर्मा,हैदरनगर और मोहम्मगंज के प्रभारी शामिल थे।

प्रखंड प्रमुख ने किया विद्यालय का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड प्रमुख अर्चना देवी ने शुक्रवार को कादल-कुर्मी पंचायत अंतर्गत विद्यालय का निरीक्षण की। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय कादल स्कूल मे व्यापक अनियमितता पाई जिसमे मिडडे मिल लकड़ी का चूल्हा पर बनाया जाता है और भोजन मेन्यू के हिसाब से नहीं दिया जाता है। प्रत्येक माह विद्यालय समिति का बैठक नहीं होता है, कोरोना काल मिडडे का राशि का वितरण अभी तक नहीं किया गया है। साथ ही किचेन शेड का स्थिति भी जर्जर है। वहीं कादल के परहीया टोला के स्कूल का निरीक्षण किया। जिसमें प्रधानाध्यापक अनुपस्थित पाये गये, उसके बावजूद उपस्थिति पंजी में उपस्थित बनाया हुआ पाया गया। मिडडे का भोजन मेन्यू के हिसाब से नहीं दिया जाता है और का भोजन लकड़ी का चूल्हा पर बनाया जाता है। उपस्थिती रजिस्टर में बच्चों का उपस्थिति 57 दर्ज किया गया है जबकि विधालय में कुल बच्चों की संख्या 38 पाई गयी। बच्चों को खुला छत पर बैठा कर पढ़ाया जा रहा है।

विधवा व वृद्धा पेंशन का नहीं मिल रहा है लाभ

नवीन मेल सवांददाता

सतबरवा। रेवारातू पंचायत के दर्जनों लोगों को विधवा, वृद्धा पेंशन का नहीं मिल रहा है लाभ। उक्त जानकारी शुक्रवार को सतबरवा प्रखंड कार्यालय कंबल लेने पहुंचे पेंशन से वंचित लोगों ने बताया। घंटों प्रखंड परिसर में इंतजार के बाद भी लोगों को कंबल नहीं मिला। मौके पर गणेश उरांव ,बाला उरांव, बच्चन उरांव , बुब्लू उरांव, विमल उरांव, सुमंती देवी काड़ादोहर, पांडे सिंह, धनु सिंह,, केश्वर सिंह, मनती देवी, लक्ष्मी देवी, जग मनियां देवी ,सुरेश उरांव, कबूतरी देवी विधवा ,बस मतिया देवी तथा फुदनी कुवंर जिनकी उम्र करीब 60 वर्ष से लेकर 75 वर्ष तक के लोग थे। इंहोंने कहा कि एक बार नहीं कई बार वृद्धा ,विधवा पेंशन के लिए आवेदन दिये पर आज तक पेंशन नसीब नहीं हुआ। लोगों ने बताया कि सरकार द्वारा रेवारातू में आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें हम लोगों ने आवेदन जमा करवाये थे,पर पेंशन नहीं मिला। बीडीओ ने सभी पेंशन से वंचित लोंगो को पेंशन का फार्म दिया और कहा कि इसे भरकर जमा कर दीजिए। सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रखंड में बिचौलिया हावी हैं, फल स्वरूप गरीबों का काम सिधे तौर पर नहीं हो पाता है। झारखंड सरकार द्वारा आयोजित आपकी योजना ,आपकी सरकार ,आपके द्वार कार्यक्रम सिर्फ गरीबों के साथ एक मजाक है।

कार्यालय नगर परिषद, लोहरदगा

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन के मापदंडो के अधीन नगर परिषद, लोहरदगा क्षेत्र को ODF+ घोषित किया गया है।

अतएव नगर परिषद, लोहरदगा क्षेत्र में कोई व्यक्ति खुले में शौच या लघुशंका (मूत्र विसर्जन) करते हुए पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के प्रावधानों के अनुरूप दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद, लोहरदगा

PR 284113 (Lohardaga) 22-23 (D)

आज़ादी का अमृत महोत्सव | स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

कार्यालय नगर परिषद्, चतरा
पुराना कचहरी के समीप, चतरा (झारखण्ड)– 825401

आम सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि स्वच्छ भारत मिशन के मापदंडों के अधीन नगर परिषद्, चतरा क्षेत्र को ODF+ घोषित किया गया है।

अतएव नगर परिषद्, चतरा में कोई भी व्यक्ति खुले में शौच या लघुशंका करते हुए पाये जाते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 के प्रावधानों के अनुरूप दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यपालक पदाधिकारी,
नगर परिषद्, चतरा

PR 284065 Urban Development(22-23)#D

कर्नल कप में देवरी कला व हीरा सिकनी की फुटबॉल टीम ने जीत दर्ज की

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के कपूर्री मैदान में खेले जा रहे हैं कर्नल कप फुटबॉल प्रतियोगिता में आज भी दो मैच खेला गया। पहला मैच कचरा बनाम देवरी कला खेला गया। जिसमें दोनों टीम के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। खेल के आखिरी क्षणों में देवरी कलां के तरफ से विशाल ने गोलकर टीम को जीत दिलाया। वहीं दूसरे मुकाबले टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही हीरा सिकनी बनाम भगड़ा के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिला। दोनों तरफ खिलाड़ियों को गोल करने का कई मौका मिला। लेकिन उस को गोल में तब्दील नहीं कर पाये। अंत में हीरा सिकनी की टीम के रंजन के गोल की बदौलत 1-0 से जीत दर्ज किया। मैच से पूर्व आज के मुख्य अतिथि सेवानिवृत शिक्षक गोवर्धन सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और उनका हौसला बढ़ाया। क्लब के संरक्षक कर्नल (डॉ.) संजय कुमार सिंह ने टूर्नामेंट में पहली बार खेल रहे खिलाड़ियों को सुझाव दिया कि जिन्दगी का खेल काफी कुछ फुटबॉल की तरह है। आपको अपनी प्रॉब्लम्स टैकल करनी होती हैं, अपने डर को ब्लॉक करना पड़ता है, और जब मौका मिले तब अपना पॉइंट स्कोर करना होता है। शुक्रवार को इस मैच में शहीद भगत सिंह कॉलेज के प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, नागेंद्र सिंह, राज अली, गणेश प्रजापति, प्रह्लाद ठाकुर, महेंद्र चौधरी, दुर्गा चौधरी, नेहाल मिर्जा, सगीर अहमद, जयकुश सिंह, सुभाष कुमार, विशाल कुमार के आलावा काफी संख्या में दर्शक उपस्थित थे। अगला मैच कल 4 दिसंबर को अमही बनाम बेनी कलां तथा सरहु बनाम जपला के बीच खेला जायेगा।

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा
(Phone: 06541.222288, E.mail: districtboardchatra@gmail.com)

–बंदोबस्ती हेतु आम सूचना–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद क्षेत्रान्तर्गत कार्यालय परिसर में डाकबंगला एवं सभाकक्ष 30 कमरा एवं उपस्कर सहित Builtup Area- 5254.50 sft) का आवंटन खुला डाक के माध्यम से तीन वर्षों के लिए किया जाना है। बन्दोवस्ती डाकवक्ता के द्वारा बोली गई अधिकतम डाक की राशि पर आवंटित किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति दिनांक **03.12.22** से **17.12.22** तक "चतरा जिला परिषद कार्यालय" के एक खिड़की से फार्म 10,000/– (दस हजार रू0) की डिमाण्ड ड्राफ्ट जो "उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद चतरा" के नाम से भुगतेय हो जमा कर फार्म प्राप्त कर सकता है। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि **17.12.22** को (कार्यालय कार्य अवधि) है। इसके पश्चात् आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह राशि किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जायेगा। डाकबोली हेतु समर्पित आवेदन के समीक्षोपरान्त दिनांक **20.12.22** को 02.00 बजे अपराह्न डाकबोली "जिला परिषद सभाकक्ष" में प्रारम्भ की जायेगी।

भवन का नाम एवं विशिष्टियां	न्यूनतम डाक की राशि (तीन वर्षों के लिए)	जमानत की राशि
कार्यालय परिसर में डाकबंगला एवं सभाकक्ष 30 कमरा एवं उपस्कर सहित कुल कमरो की संख्या –16 (Attach with Bathroom) हॉल की संख्या –01 किचन की संख्या –01 स्टोर रूम की संख्या – 01 (उक्त डाकबंगला पूर्ण रूपेण सुसज्जीकृत है।)	2400000.0	240000.00

नियम शर्ते –
1. बन्दोबस्ती प्रक्रिया खूली डाक के माध्यम से अपनाई जायेगी।
2. डाक बोली में उसी डाकवक्ता को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी, जो वांछित कागजात (Technical Bid) की अहर्ता रखता हो। वांछित कागजात में सफल डाकवक्ता की सूची कार्यालय नोटिश बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।
3. आधुनिक डाकबंगला की बन्दोबस्ती की न्यूनतम डाक की राशि मो0 800000.00 (आठ लाख रू0) प्रति वर्ष (तीन वर्ष के लिए–2400000.00) के लिए निर्धारित की गयी है। उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
4. सुरक्षित/जमानत की राशि मो0 240000/– (दो लाख चालीस हजार रू0) बैंक ड्राफ्ट द्वारा **"उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा"** के पदनाम से जिला परिषद, चतरा कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्त्ताओं की जमानत की राशि डाक समाप्ति के तुरंत बाद वापस कर दी जायेगी।
5. डाकवक्ता को जिला के स्थायी निवासी होने पर वरीयता प्रदान की जायेगी।
6. जिला परिषद में किसी भी प्रकार का बकाया रखने वाले व्यक्ति/फर्म बन्दोबस्ती हेतु डाक में भाग नहीं लेगें।
7. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
8. अन्य डाक की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट एवं www.chatra.nic.in पर देखा जा सकता है, जो इस सूचना का एक अभिन्न अंग होगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद,चतरा

PR284024 (District)22-23*D

कार्यालय : जिला परिषद, चतरा।
(Phone: 06541.222288, E.mail: districtboardchatra@gmail.com)
–बंदोबस्ती हेतु आम सूचना–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चतरा जिला परिषद क्षेत्रान्तर्गत ईटखोरी प्रखण्ड में अधूनिक डाकबंगला (Builtup Area- 9548 sft) का आवंटन खुला डाक के माध्यम से तीन वर्षों के लिए किया जाना है। बन्दोवस्ती डाकवक्ता के द्वारा बोली गई अधिकतम डाक की राशि पर आवंटित किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 03.12.22 से 17.12.22 तक "चतरा जिला परिषद कार्यालय" के एक खिड़की से फार्म 10,000/– (दस हजार रू0) की डिमाण्ड ड्राफ्ट जो "उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद चतरा" के नाम से भुगतेय हो जमा कर फार्म प्राप्त कर सकता है। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 17.12.22 को (कार्यालय कार्य अवधि) है। इसके पश्चात् आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। यह राशि किसी भी परिस्थिति में लौटाया नहीं जायेगा। डाकबोली हेतु समर्पित आवेदन के समीक्षोपरान्त दिनांक 20.12.22 को 04.00 बजे अपराह्न डाकबोली "जिला परिषद सभाकक्ष" में प्रारम्भ की जायेगी।

भवन का नाम एवं विशिष्टियां	न्यूनतम डाक की राशि (तीन वर्षों के लिए)	जमानत की राशि
ईटखोरी प्रखण्ड में अधूनिक डाकबंगला (Builtup Area- 9548 sft) कुल कमरो की संख्या –26+ 02 (suite)- (Attach with Bathroom) डायनिंग हॉल की संख्या –01 किचन की संख्या –01 स्टोर रूम की संख्या– 01 (उक्त डाकबंगला पूर्ण रूपेण सुसज्जीकृत है।)	1950000.00	195000.00

नियम शर्ते –
1. बन्दोबस्ती प्रक्रिया खूली डाक के माध्यम से अपनाई जायेगी।
2. डाक बोली में उसी डाकवक्ता को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी, जो वांछित कागजात (Technical Bid) की अहर्ता रखता हो। वांछित कागजात में सफल डाकवक्ता की सूची कार्यालय नोटिश बोर्ड पर प्रदर्शित किया जायेगा।
3. आधुनिक डाकबंगला की बन्दोबस्ती की न्यूनतम डाक की राशि मो0 650000/-(छः लाख पच्चास हजार रू0) प्रति वर्ष (तीन वर्ष के लिए–19,50,000.00) के लिए निर्धारित की गयी है। उच्चतम बोली द्वारा निर्धारित राशि पर बंदोबस्तीधारी को सरकार द्वारा निर्धारित GST अतिरिक्त भुगतान करना होगा।
4. सुरक्षित/जमानत की राशि मो0 1,95,000/– (एक लाख पंचान्वेहजार रू0) बैंक ड्राफ्ट द्वारा "उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, चतरा" के पदनाम से जिला परिषद, चतरा कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। असफल जमाकर्त्ताओं की जमानत की राशि डाक समाप्ति के तुरंत बाद वापस कर दी जायेगी।
5. डाकवक्ता को जिला के स्थायी निवासी होने पर वरीयता प्रदान की जायेगी।
6. जिला परिषद में किसी भी प्रकार का बकाया रखने वाले व्यक्ति/फर्म बन्दोबस्ती हेतु डाक में भाग नहीं लेगें।
7. अद्योहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये डाक को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।
8. अन्य डाक की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला परिषद कार्यालय के सूचना पट्ट एवं www.chatra.nic.in पर देखा जा सकता है, जो इस सूचना का एक अभिन्न अंग होगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला
परिषद,चतरा।

PR 284026 District(22-23)D

न्यूज गैलरी

आयुक्त ने किया भागवत कथा का शुभारंभ

मेदिनीनगर। पलामू आयुक्त जटा शंकर चौधरी सपत्नीक स्थानीय राधाकृष्ण मंदिर ठाकुरबाड़ी रेडमा में पहुंच कर गुरुवार की शाम श्रीमद्भागवत सप्ताह कथा यज्ञ का शुभारंभ किया। उन्होंने मंदिर में पूजा की। श्रीमद्भागवत की आरती उतारी और दीप प्रज्वलित कर श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया। साथ में अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता देवी हेमलता शास्त्री एवं अन्य लोग थे। ज्ञात हो कि कथा प्रवक्ता देवी हेमलता शास्त्री के द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा। यह कथा 7 दिसंबर तक चलेगा। ये कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 3 बजे से 7 बजे तक कथा होगा। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष दिलीप तिवारी (मिंटु) सहित कमेटी के अजय तिवारी, सतीश तिवारी, प्रवीण तिवारी, अभिषेक तिवारी, कमल किशोर तिवारी मनीष पांडेय के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुवृंद उपस्थित थे।

ट्रक ने खड़े ट्रेलर को पीछे से टक्कर मारी, वाहन क्षतिग्रस्त

मेदिनीनगर। नावा बाजार थाना की बहुचर्चित कंडा घाटी में देर रात पलामू लाइन होटल के चरका पुल के पास ट्रक और ट्रेलर आपस में टकरा गए थे। जहां छतरपुर की ओर से जा रही ट्रक हाई स्पीड होने के कारण रात्रि में लगा टेलर से जा टकराया जिसमें वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर नावा बाजार थाना प्रभारी दीपक कुमार दास, नंदकिशोर दास व सशस्त्र पुलिस जवान घटनास्थल पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

नगर निगम चुनाव की तिथि थमने के बाद प्रत्याशियों का चहल कदमी थमा : रुचिर

मेदिनीनगर। भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह राष्ट्रीय परिषद सदस्य रुचिर कुमार तिवारी ने ब्यान प्रसारित कर कहा कि निगम चुनाव में संभावना दूर होने के बाद निगम के प्रत्याशियों की चहल कदमी कम हो गई है। वहीं नये क्षेत्रों में निगम को शामिल करने के बाद उक्त एरिया में कोई काम नहीं हुआ। होल्डिंग टैक्स के नाम पर पैसा उगाही का काम किया गया है। वही झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने चौधराना बाजार का रेट निगम चुनाव के बाद कम करने की बात तो किया। लेकिन नये क्षेत्रों के बारे में वह भी कुछ नहीं बोले की आखिर एक ही जमीन का दो-दो टैक्स एक अंचलाधिकारी के द्वारा और एक निगम के द्वारा कैसे काटा जा रहा है। निगम के नये क्षेत्रों में चारों तरफ अंधेरा फैला हुआ है। इक्का-दुक्का बल्ब भी लगा। वही फ्यूज हो गया, लेकिन मेयर और निगम के पदाधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। वही निगम क्षेत्र में शामिल किया गया। ग्राम सिंगरा जिसका निगम से कोई लेना-देना नहीं है। वहां खेती होती है खेती योग्य जमीन है। खेती ही पेसा है वहां की आम जनता अपने आप को नगर निगम से मुक्त करना चाहती है। लेकिन इस बारे में किसी भी पार्टी के नेताओं ने अभी तक कुछ नहीं बोला। वहां के खेतिहर जनता को टैक्स के बोझ में बांधे रखना चाहते हैं। खास महल जमीन को फ्रीहोल्ड जल्द से जल्द यह सरकार करें। बाकी खास महल धारियों को उनका मालिकाना हक मिल सके। झारखंड सरकार निगम में शामिल किए गये नये क्षेत्रों को बिना सुविधा मुहैया करायें। किसी भी प्रकार का नगर टैक्स का वसूली बंद करें एवं ग्राम सिंगरा खुर्द एवं सिंगरा कला को निगम क्षेत्र से बाहर करें।

कांग्रेस का भारत जोड़ो यात्रा घासीदाह पहुंचा

मेदिनीनगर। पलामू जिला में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो पदयात्रा लगातार किया जा रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस कमेटी के द्वारा भारत जोड़ो यात्रा में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पांडु प्रखंड अध्यक्ष सच्चिदानंद शुक्ला ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत कजरू पंचायत से होते पिपरा, मुरूमतु, घासीदाह पंचायत तक किया गया। भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नफरत छोड़ो देश जोड़ो सहित कई नारे लगाये। लोगों को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि देश में नफरत का माहौल पैदा किया जा रहा है। जिससे आए दिन हम अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से देखने और सुनने को मिलता है। महंगाई आज सभी के घरों और सभी के रोजगार में घुस गई है। उन्होंन कहा कि केंद्र की वर्तमान सरकार सभी को आपस में लड़ा कर सत्ता में बने रहना चाहती है। जो देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है। देश में महंगाई बेरोजगारी के कारण लोग परेशान हैं। जिसके कारण समाज टूट रहा है। यात्रा में हसन जैदी, पांडू इंदु भगत, संतोष चौबे, चिंतामणि तिवारी, देवांद शुक्ला, शैलेश मेहता, सुनील कुमार शुक्ला, श्याम दुलार शुक्ला, डबलू शुक्ला, सुनील पांडे, डा एजुल अंसारी, मुख्तार अंसारी, कमुर्दीन अंसारी,आनंद पांडेय, प्रिंस दुबे, मनोज चंद्रवंशी, मुकेश शर्मा, आशीष राम, मिथलेश मिश्रा , कपोलदेव राम , सिंटू पासवान मौजूद रहे।

पिकअप टैंकर ने युवक को मारी टक्कर, घटनास्थल पर मौत

हुसैनाबाद। पलामू थाना क्षेत्र अंतर्गत जपला-छतरपुर मुख्य मार्ग वार्ड नम्बर चार नागबाबा गम्हरिया के समीप गुरुवार की रात्रि करीब 8 बजे पेट्रोलियम पिकअप टैंकर ने एक टीवीएस छोटा बाइक में आमने सामने टक्कर हो गया, जिसमें लूना गाड़ी पर सवार युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्राप्त सूत्रों के अनुसार पेट्रोलियम छोटा टैंकर छतरपुर से जपला आ रही थी और लूना सवार व्यक्ति जपला से कामगारपुर अपने गांव जा रहा था, तभी नाग बाबा गम्हरिया के समीप दोनो में आमने सामने टक्कर हो गया। टक्कर जोरदार था जिससे घटना स्थल पर ही युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान नरेंद्र सिंह 32 वर्ष पिता स्वर्गीय बल्लू सिंह कमगापुर निवासी बताया गया है। घटना के बाद ग्रामीणों ने सड़क को जाम करने लगे लेकिन मौके पर हुसैनाबाद थाना सहस्त्र बल के साथ पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल भेज दिया और पिकअप टैंकर को हुसैनाबाद थाना लाया हैं।

कंप्यूटर ऑपरेटरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है : आयुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। 11वीं कृषि गणना 2021-22 के तहत आज समाहरणालय सभागार में अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षकों व कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमंडलीय आयुक्त जटा शंकर चौधरी, उपायुक्त भोर सिंह यादव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुक्त ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हैं। 2021-22 की कृषि जनगणना कृषि के संरचनात्मक पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने का कार्य करेगी। यह जनगणना चरणबद्ध तरीके से पूरी की जानी है और इसमें तीन चरण शामिल हैं। योजना का पहला चरण पूर्ण गणना अध्ययन पर आधारित है। जबकि अन्य दो चरण सर्वेक्षण अध्ययन पर आधारित हैं। प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारियों को ध्यान पूर्वक सुनने एवं अपनी सभी प्रकार की दुविधाओं को दूर कर लेने की बात कही गई। आगे उन्होंने कहा कि डेटा संग्रह में नवीनतम तकनीक का उपयोग है। उन्होंने कहा कि डेटा संग्रह प्रक्रिया सटीक और कुशल होनी चाहिए। क्योंकि यह सभी गांवों (100% कवरेज) में पूर्ण गणना के आधार पर कृषि जनगणना करने में भी सक्षम होगी। उन्होंने समय पर जनगणना पूरी करने के महत्व पर भी जोर दिया। मौके पर उपायुक्त ने उपस्थित सभी अंचल अधिकारियों एवं राजस्व निरीक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही है। जानकारियों को ध्यान पूर्वक सुनने की बात कही एवं कृषि गणना के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सभी अपने-अपने क्षेत्र में कृषि गणना का कार्य पूरी जिम्मेवारी व ईमानदारी के साथ करना सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर यथा जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण में कृषि गणना की विस्तृत जानकारियां दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सभी को कृषि गणना 2021-22 के तहत भारत सरकार के आधिकारिक कृषि वेबसाइट एवं वेब एप्लीकेशन के माध्यम से किए जाने वाले कार्य को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर सभी को यूजर आईडी क्रिएशन, अंचल अधिकारी, सुपरवाइजर व राजस्व उप निरीक्षकों द्वारा उनके क्षेत्र के प्रत्येक गांव में कृषि गणना हेतु संबंधित वेबसाइट अथवा एंड्राइड एप्लीकेशन पर अंकित किए जाने वाले जानकारियों की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी। इस दौरान उप विकास आयुक्त सुरेन्द्र कुमार वर्मा, अपर समाहर्ता आलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी शेखर कुमार, जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी बंधन लांग, अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षकों, राजस्व उपनिरीक्षकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों सहित अन्य उपस्थित थे।

माता-पिता से मिले संस्कार को जीवन में उतारें : हेमलता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संसार में मनुष्य को छोड़ कर जितने भी जीव हैं वे अपनी जिंदगी आनंद से गुजार रहे हैं। लेकिन मनुष्य अपनी जिंदगी से बेहद दुःखी है। जब देखो अपने दुखों की दुहाई देता दिखता है। ऐसा न हो कि ईश्वर अपने सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य को दुखी देख मनुष्य का निर्माण करना ही छोड़ दे। उक्त बातें रेड़मा ठाकुरबाड़ी. में आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा यज्ञ के प्रथम दिन अपने प्रवचन में मातृ शक्ति सेवा संस्थान मथुरा के विदुषी हेमलता शास्त्री ने कही। वहीं विदुषी शास्त्री ने कहा कि ईश्वर ने अपने सर्वश्रेष्ठ रचना के रूप में मनुष्य का निर्माण किया था। लेकिन मनुष्य सिर्फ अपनी कर्मों की वजह से जानवर से भी बदतर हो गया। कर्म अच्छे करने होंगे, हरहाल में खुश रहना होगा, तभी हम इंसान कहलाएंगे। हमें अपने जीवन में अपने माता-पिता से मिले संस्कार को अपने जीवन में ढालना होगा। संस्कार कहीं मिलता नहीं है खरीदा नहीं जाता, संस्कार तो अपनों से ही मिलता है। भागवत व कृष्ण में आपकी श्रद्धा कितनी है। सुनने तो आते हैं पर सुन नहीं पाते इसी कारण आप भटक रहे हैं। भक्त की लाईन लगी है, पर भक्त नहीं हैं। क्योंकि ज्ञान नहीं है गीत तो हम सभी जगह गाते हैं, पर गीत में इतने डूब कर गाओ कि भगवान मिल जाएंगे। ज्ञान और वैराग्य मिल जाएंगे। कथा का बोध कराते हुए कहा कि जिसको सुनने से खुशी मिले उससे कथा कहते हैं। वहीं विदुषी हेमलता शास्त्री को कमेटी के द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व पलामू आयुक्त जटाशंकर चौधरी ने सपत्नीक दीप प्रज्वलित कर भागवत कथा का उद्घाटन किया। आयोजन में समिति के अध्यक्ष दिलीप तिवारी, प्रवीण तिवारी, अभिषेक तिवारी, कमल किशोर तिवारी, मनीष पांडेय, अपपू तिवारी, अजीत तिवारी, मुकेश त्रिपाठी, राकेश तिवारी सहित कई सदस्य सक्रिय थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने किया वर्कशॉप का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संविधान सप्ताह के अवसर पर व्यवहार न्यायालय परिसर में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता है। भारतीय संविधान में हमें मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने संविधान की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मौलिक अधिकार और मौलिक कर्तव्य पर भी प्रकाश डाला। इस मौके अधिवक्ता संघ के महासचिव सुबोध कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत एक संप्रभुता संपन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्र का राज्य है। यह सीधे लोगों द्वारा चुने गए एक सरकार द्वारा शासित है। यही सरकार कानून बनाकर लोगों पर शासन करती है। इस मौके पर शैलेंद्र नाथ चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय संविधान लिखने में बी एन राव की अहम भूमिका रही है। अधिवक्ता सतीश कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान 22 भागों में विभाजित है तथा इसमें 395 अनुच्छेद एवं 12 अनुसूचियां हैं। भारत का संविधान भारत का सर्वोच्च विधान है। जो संविधान द्वारा 26 नवंबर में 1949 को पारित हुआ था। 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ । इस मौके पर पीएलबी अनुरेखा देवी ने कहा कि संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 वर्ष 11 माह 18 दिन समय लगा था। भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य के साथ था मूल अधिकार भी प्रदान किया गया है। इस मौके पर मेडिएटर हुसैन वारिस, दिनेश चंद पांडेय, कुमार शिवाजी सिंह, शशि भूषण, बीना मिश्रा, हरिनंदन सिंह, रिटेनर अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय, अशोक कुमार मिश्रा, पीएलभीभागीरथी दुबे, सुचिता एका, मुनेश्वर राम, प्रणय कुमार वरेण्यम समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

आयुक्त के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित लिपिक निलंबित

डीईओ ने केजी स्कूल के लिपिक को किया निलंबित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राजकीय बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर (केजी स्कूल) के लिपिक प्रीतम कुमार को निलंबित कर दिया गया है। आयुक्त जटा शंकर चौधरी के औचक निरीक्षण के समय बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए लिपिक प्रीतम कुमार को जिला शिक्षा पदाधिकारी ने निलंबित किया है। इससे संबंधित पत्र भी उन्होंने जारी किया है। आयुक्त के निरीक्षण के समय क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक शिव नारायण साह, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक मनोज कुमार भी थे। निरीक्षण के समय लिपिक बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए थे। अनुपस्थित लिपिक के अनुपस्थिति के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पायी थी। उनके छुट्टी से संबंधित कोई आवेदन भी प्राप्त नहीं हुए थे। इसपर आयुक्त ने अनुपस्थित लिपिक के विरूद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया था। इस संबंध में क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक के निदेश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा लिपिक से स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। प्राप्त स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं रहने के फलस्वरूप उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सदर, मेदिनीनगर के कार्यालय में निर्धारित किया गया है। जानकारी हो की स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के लिए चयनित केजी स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता जांचने के लिए आयुक्त जटा शंकर चौधरी औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। औचक निरीक्षण के समय लिपिक अनुपस्थित पाए गए थे।

भाजपा नेता ने किया यामहा शो रूम का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जपला-छतरपुर मुख्य पथ के नागबाबा के समीप माँ वैष्णो आटोमोबाइल यामहा शो रूम सह सर्विस सेंटर खोला गया। जिसका उद्घाटन शुक्रवार को भाजपा के वरिष्ट नेता बिनोद कुमार सिंह, तक्की हुसैन रिजवी, समाजसेवी सह व्यवसायी सतीश साहू, पूर्व नपं अध्यक्ष उषा देवी,राजद नेता राज अली, समाजसेवी मनोज शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर भाजपा नेता विनोद सिंह ने कहा कि इस प्रकार के संस्थान के खोले जाने से क्षेत्र के ग्राहकों को काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यामहा शोरूम खुलने से दुपहिया वाहन की खरीदगी व सर्विसिंग के लिए हुसैनाबाद वासियों को मेदिनीनगर समेत अन्य स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। पूर्व नपं अध्यक्ष उषा देवी ने कहा कि क्षेत्र में यह प्रतिष्ठान व्यापक रूप से दुपहिया वाहन उपभोक्ताओं के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। शोरूम के प्रोपराइटर नागेंद्र प्रसाद ने कहा कि हम अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा का वचन देते हैं। जिसमें नई बाइक सेल्स के अलावा हमारे प्रतिष्ठान मे अत्याधुनिक तकनीकों से लैस सर्विसिंग सेंटर व आटो पार्ट्स से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध होगी। साथ ही उद्घाटन के मौके पर विशेष ऑफर के तहत सभी प्रकार के यामहा बाइक पर 31 सौ रुपए की छूट दी जा रही है।मौके पर अनुराग तिवारी, जितेंद्र प्रसाद,सत्यम विश्वकर्मा समेत कई लोग मौजूद थे।

नौडीहा में माओवादियों ने पेड़ पर चिपकाया पोस्टर, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर पंचायत के इलाके में नक्सलियों द्वारा पोस्टर चिपकाया गया है। इस इलाके में कई पेड़ो पर संगठन की ओर से पोस्टरबाजी की गयी है। बिहार- झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र स्थित छकरबांध इस इलाके से जुड़ा है। जहां सुरक्षाबलों की सक्रियता बनी रहती है। हालांकि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस पोस्टर उखाड़कर उसे जब्त कर लिया। पोस्टर में नक्सलियों के समर्थन में कई नारे और अपनी नीति- सिद्धांतों के बारे में लिखा है। हालांकि पुलिस पीएलजीए सप्ताह मनाये जाने को लेकर अलर्ट है। नक्सलियों के खिलाफ इलाके में अभियान चलाया जा रहा है। नक्सली संगठन पीएलजीए के 22वीं सालगिरह दो दिसंबर से मनाया जा रहा है। माओवादी संगठन देश में व्याप्त बेरोजगारी का हवाला देते हुए युवाओं को भावनात्मक रूप से गुमराह करके पीएलजीए से जोड़ने की तैयारी में है। पीएलजीए को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी कहा जाता है इसमें नक्सली संगठन के लड़ाकों को शामिल किया जाता है। ये लड़ाकू जवानों के साथ आमने-सामने की मुठभेड़ में शामिल होते हैं। अत्याधुनिक हथियारों से लैस पीएलजीए सदस्य गुरिल्ला आर्मी वॉर में माहिर होते हैं। हर साल 2 दिसंबर से 8 दिसंबर तक अपने इन पीएलजीए के सदस्यों के मारे जाने की याद में नक्सली इस सप्ताह को मनाते हैं। इसके साथ ही अपने पूरे साल का लेखा-जोखा जारी करते हैं। आने वाले साल में संगठन कैसे चलेगा, इसकी प्लानिंग भी बड़े नक्सली लीडरों के द्वारा की जाती है। इस दौरान सुरक्षाबलों पर हमले की रणनीति भी बनाई जाती है।

भाजपा नेताओं ने मिलकर दी बधाई

हरिहरगंज। महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग झारखंड के संयुक्त सचिव बनने पर राजेश प्रजापति से मिलकर भाजपा ओबीसी पलामू जिला मंत्री चंदन प्रजापति तथा हरिहरगंज के ओबीसी मंडल अध्यक्ष विक्की सिंह ने मिलकर बधाई दी है। रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में जाकर बधाई देते हुए चंदन प्रजापति ने कहा कि पूर्व में राजेश प्रजापति के छतरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी रह चुके हैं। वही चंदन प्रजापति ने हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के बाल विकास परियोजना को और भी सुधार करने की मांग की है। वही संयुक्त सचिव ने इस दिशा में सकारात्मक आश्वासन दिया।

एनएसयूआई ने कुलपति को ज्ञापन सौंपा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शुक्रवार को एनएसयूआई का एक प्रतिनिधिमंडल जिला सचिव आशीष ठाकुर के नेतृत्व में एनपीयू के कुलपति डॉ राम लखन सिंह से मिलकर बीएड विभाग में व्याप्त शैक्षिक समस्याओं के निदान हेतु ज्ञापन सौंपा। आशीष ठाकुर ने कहा कि जीएलए कॉलेज बीएड विभाग में शिक्षकों की कमी के साथ लाइब्रेरी में पुस्तक भी उपलब्ध नहीं है। जीएलए कॉलेज प्राचार्य को लिखित ज्ञापन देने के बाद भी अभी तक पुस्तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। छात्र लाखों रुपया फीस के रूप में देते हैं लेकिन कॉलेज प्रशासन बीएड विभाग में मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं करा पा रही है। जिसमें छात्रों में आक्रोश व्याप्त है। यदि एक सप्ताह के अंदर मूलभूत सुविधा उपलब्ध नहीं होता है तो छात्र आंदोलन करने पर विवश होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन अभी तक सत्र 2021- 2023 की प्रथम वर्ष की परीक्षा नहीं ले पाई है। जीएलए कॉलेज बीएड विभाग में चारदीवारी का निर्माण अविलंब होना चाहिए। मौके पर विकास कुमार, रविशंकर प्रसाद, ओमप्रकाश, राहुल रंजन, अंकिता कुमारी इत्यादि छात्र मौजूद थे।

सदर अस्पताल में नहीं है कंबल की व्यवस्था, ठंड में मरीजों को हो रही है परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर अस्पताल के कर्मियों की घोर लापरवाही के कारण अस्पताल में एक मंद बुद्धि व्यक्ति इस ठंड में बिना कंबल के सदर अस्पताल में विशुद्ध पड़ा हुआ था। जानकारी के अनुशार गुरुवार कि शाम शहर के साहित्य समाज चौक के पास एक व्यक्ति खुला बदन घूम रहा था। जिसका बाया हाथ ट्रेन की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर टाइगर मोबाइल के जवान संदेश पाल साहित्य समाज चौक पहुंचकर व्यक्ति को इलाज के लिए मेदनीनगर सदर अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। व्यक्ति के घायल होने की सूचना पाकर गुरुवार की रात एक पत्रकार सदर अस्पताल उसकी घायल स्थिति को देखने पहुंचा। वहां पर पत्रकार ने पाया की घायल व्यक्ति खाली बदन बेड पर अपना हाथ का बैंडेज खोल कर बैठा हुआ है, ठंड से कांप रहा है। दर्द से कराह रहा था। पत्रकार ने तुरन्त इसकी जानकारी अस्पताल कर्मियों दी। और दोबारा से घायल व्यक्ति का बैंडेज कराया और दर्द का इंजेक्शन दिलाया। पत्रकार ने अस्पताल कर्मियों से उसे जल्द से कंबल देने को कहा ताकि वह ठंड से बच सके। लेकिन अस्पताल में कंबल नहीं था। इसके बाद पत्रकार ने अस्पताल में कम्बल नहीं रहने की जानकारी डीपीएम दीपक कुमार को दी। जानकारी मिलते ही डीपीएम दीपक कुमार सदर अस्पताल के कर्मियों को डांट फटकार कर घायल व्यक्ति को कंबल देने को कहा। डीपीएम के कहने पर अस्पताल के स्टाफ ने किसी तरह दूसरे मरीज का कंबल जुगाड़ कर घायल व्यक्ति को दिलाया। वहीं उसके बाद अन्य लोगों ने भी घायल व्यक्ति को कंबल दिया। जिससे उसका रात आराम से कटा। जानकारी के अनुसार अस्पताल में कंबल नहीं होने के कारण कई मरीज बिना कंबल के ही रात गुजारते हैं। या फिर उन्हें अपने घर से कंबल लाकर शरीर को ढकना पड़ता है। अस्पताल में ऐसे भी व्यक्ति आते हैं जिनके पास कंबल और चादर नहीं होती है। वह इलाज कराने के दौरान किसी तरह इस ठंड में रात बिता रहे हैं। वहीं घायल व्यक्ति की सूचना मिलने पर वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव शर्मिला वर्मा शुक्रवार को मेदिनीनगर सदर अस्पताल पहुंचकर घायल व्यक्ति से मिले और उसके तन को ढकने के लिए एक कंबल और कपड़े दिए। इसी तरह अन्य समाजसेवियों ने भी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सूचना पाकर घायल व्यक्ति का सहयोग किया। अंत में पता चला कि घायल व्यक्ति बिहार राज्य के डेहरी का निवासी है। जिसका नाम सतीश पाल है। ट्रेन से हाथ कटने के बाद यह बिल्कुल घबरा गया है और इसका दिमागी हालत ठीक नहीं है।

समाजसेवी ने निर्वस्त्र मरीज को कपड़ा देकर किया पुण्य का काम

वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव शर्मिला वर्मा ने शुक्रवार की सुबह अस्पताल में भर्ती निर्वस्त्र मरीज को दो जोड़ी कपड़ा और एक कंबल देकर उसके तन को ढकने का काम किया है। बताते चलें कि किसी व्यक्ति द्वारा वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव शर्मिला वर्मा को सूचना मिली थी की अस्पताल में एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल है। जिसके तन पर कपड़ा तक नहीं है। इसकी सूचना पाकर वे तुरन्त सदर अस्पताल पहुंची और घायल निर्वस्त्र मरीज को दो जोड़ी कपड़ा और एक कंबल का सहयोग प्रदान किया। इनके पहले ना तो कोई समाजसेवी इस मरीज को ना तो देखने पहुंचे और ना ही उसकी हालत को जानने की कोशिश की। मौके पर उपस्थित शर्मिला वर्मा ने कहा कि अगर हर व्यक्ति अपने सामाजिक दायित्वों को यूं ही समझे तो बहुत से लोगों को राहत मिलेगी और एक स्वच्छ, सुंदर समाज का निर्माण होगा।

न्यूज गैलरी

निष्कासित छात्र के अभिभावकों ने स्कूल से नाम नहीं काटने की गुहार लगाई

गढ़वा । गोविंद हाई स्कूल छात्रों के वायरल वीडियो मामले में छात्रों के अभिभावक ने स्कूल के प्राचार्य को आवेदन देकर स्कूल से नाम नहीं काटने की गुहार लगाई है। अभिभावक द्वारा दिए गए आवेदन में कहा गया है। कि छात्रों द्वारा अमाननीय व्यवहार किया गया है। जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। सिर्फ स्कूल की ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए खराब बात है। लेकिन स्कूल प्रबंधन को बच्चों के भविष्य पर भी ध्यान देना चाहिए। अभिभावकों ने कहा कि बच्चों का नाम विद्यालय से काट दिया गया। उनके उनके भविष्य खराब हो जाएगा। ऐसे में स्कूल प्रबंधन को एक बार बच्चों के भविष्य पर भी ध्यान देते हुए उन्हें पहला व अंतिम वार्निंग देते हुए नाम नहीं काटने की गुहार लगाई है। उक्त मामले में स्कूल के प्राचार्य डीके झा ने बताया कि जिन छात्रों को स्कूल से निष्कासित किया गया है। उनके अभिभावकों की ओर से एक आवेदन प्राप्त हुआ है। जिसमें अभिभावकों ने आग्रह किया है। कि बच्चों का भविष्य को देखते हुए उन्हें विद्यालय से निष्कासित नहीं किया जाए। उनके आवेदन को विभाग को भेजा जाएगा। विभाग की ओर से जैसा अनुमति मिलेगा उसके अनुसार कार्य किया जाएगा।

परसवार पंचायत में कंबल का वितरण

बड़गड़। राज्य सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत परसवार पंचायत सचिवालय में शिविर का आयोजन कर कंबल वितरण किया गया। शुक्रवार को आयोजित शिविर में मुख्य रूप से उपस्थित बीस सूत्री अध्यक्ष विश्राम बाखला एवं मुखिया जंगलपती लकड़ा के द्वारा पंचायत के कुल चौदहों वार्ड के 279 वृद्ध, विधवा, दिव्यांग, गरीब एवं असहाय लोगों को कंबल प्रदान किया गया। इस मौके पर उपरोक्त के अलावा पंचायत सचिव रामेश्वर राम, वार्ड सदस्य इश्वरी सिंह, अलमा कच्छप, संजीत बाखला, अर्चना टोप्पो, तेतरी देवी आदी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थें।

नये थाना प्रभारी ने लिया पदभार

रमना। 15 वां थाना प्रभारी के रुप मे कृष्ण कुमार कुशवाहा ने रमना थाना में पदभार ग्रहण कर लिया। कृष्णा कुमार कुशवाहा ने कहा कि महिला सुरक्षा,शांति और विधि व्यवस्था प्राथमिकता सूची मे शामिल है। रमना थाना पहुंचने वाले कोई भी फरियादि व्यक्ति सीधे हमसे संपर्क करें।समस्या के सामाधान का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र मे किसी भी प्रकार के प्रतिबंद्धित गतिविधियों को अंजाम नही होने दिया जाएगा। रमना थाना पुलिस प्रखंड वासियों के सहयोग के लिए तत्पर है। किसी भी प्रकार की सूचना सीधे लोग दे कार्रवाई होगी।

मनोज कुमार को मिला मनरेगा बीपीओ का प्रभार

केतार। प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने बलिगढ़ पंचायत के रोजगार सेवक मनोज कुमार को मनरेगा योजना के कार्यहित एवं प्रशासनिक दृष्टि से केतार प्रखंड के प्रभारी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी का प्रभार दिया है। वहीं तत्कालीन प्रभारी बीपीओ दीपक जयसवाल को दो दिन के भीतर सम्पूर्ण प्रभार मनोज कुमार देने का निर्देश दिया है ताकि मनरेगा योजना योजना का कार्य प्रखंड में नियमानुसार कराया जा सकें। गौरतलब है की प्रमुख चंद्रावती देवी ने ग्रामीणों की शिकायत के आलोक में उपायुक्त गढ़वा से शिकायत कर तत्कालीन प्रभारी बीपीओ दीपक जयसवाल पर योजनाओं में मनमानी करने का आरोप लगाकर हटाने की मांग कि थी।।

बाइक सवार दो व्यक्ति हुए घायल

भंडरिया। गढ़वा- भंडरिया मेदनीनगर मुख्य मार्ग स्थित पिपरा गांव के समीप मोटरसाइकिल व ट्रेक्टर के आमने सामने टक्कर में मोटरसाइकिल सवार पलामू जिला के मेदनीनगर निवासी धर्मेन्द्र तीवारी पिता बिजय तिवारी उम्र 37 वर्ष,सागर कुमार गुप्ता पिता बीरेन्द्र गुप्ता उम्र 25 वर्ष गीर कर घायल हो गए दोनों घायलों को राहगीरों के मदद से भंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां प्राथमिक उपचार करते हुए डॉ विजय किशोर रजक के द्वारा बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया । जानकारी के अनुसार दोनों घायल युवक अपने घर मेदनीनगर से मोटरसाइकिल से छत्तीसगढ़ राज्य के रामानुजगंज अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे की पिपरा मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर के चपेट में आ गए राहगीरों के द्वारा दूरभाष पर घायलों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

सिलिदाग में धान दबाते समय किसान की मौत, सदमे में परिजन

रमना। सिलिदाग पंचायत निवासी 75वर्षीय बिगु भुईयां का मृत्यु गुरुवार को दोपहर करीब 3बजे हो गया, अचानक हुए मृत्यु से परिजन सदमे में है। जानकारी अनुसार बिगु भुईयां दूसरे के खेत में बटाईदार के किसानी से अपने और परिवार का पालन-पोषण करते थे,मृत्यु से पूर्व वह अपने धान फसल का थ्रेसर मशीन से दवा रहे थे और इसी क्रम में अचानक गिर गये और तुरंत ही उनका मृत्यु हो गया। इस घटना कि खबर पाकर ग्रामीणों कि भीड़ जमा हो गयी।मृतक के घर पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि नें परिजनों को संत्वना बढ़ाते हुए आर्थिक सहयोग प्रदान किये और हर संभव आर्थिक मदद का भरोसा दिया।मृतक का अंतिम संस्कार विलुप्त होते गड़गडवा नदी किनारे स्थित श्मशान घाट पर शुक्रवार को किया गया।

बीईईओ ने राजबांस उत्क्रमित मध्य विद्यालय का किया निरीक्षण, बोले-

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएं

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत बिलैती खैर पंचायत के राजबांस गांव में अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण शुक्रवार को चिनिया प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सच्चिदानंद सिंह के द्वारा किया गया । जहां जांच के क्रम में कई गड़बड़ियां पाई गई वही आठवीं क्लास के छात्र-छात्राएं से भी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने पूछताछ की जहां क्लास के बच्चे देश के प्रधानमंत्री तथा अपने मुख्यमंत्री का नाम तक नहीं बता सके। इस पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी आग बबूला हो उठे तथा मौके पर ही प्रधानाध्यापक को कड़ी फटकार लगाया। इसके साथ ही किचन रूम मिड डे मील क्लासरूम पुस्तकालय स्कूल भवन इत्यादि का भी निरीक्षण शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के द्वारा किया गया,जहां जांच के क्रम में कई गड़बड़ियां पाई गई । वहीं

विद्यालय के प्रधानाध्यापक शिव पूजन सिंह को फटकार लगाते हुए अपनी कार्यशैली में सुधार लाने को कहा। मौके पर प्रधानाध्यापक ने अपने कार्यशैली व विद्यालय में पाई गई गड़बड़ियों को 1 सप्ताह के अंदर सुधार लाने का लिखित आवेदन शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को दिए। जिसमें विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों को शत-प्रतिशत उपस्थिति, विद्यालय में नामांकित सभी बच्चों को शत-प्रतिशत उपस्थिति, विकास मद की राशि से अविलंब विद्यालय भवन का रंग रोगन,विद्यालय के खाते में उपलब्ध राशि जमा कराकर उपलब्ध कराना, सभी बच्चों को खाता खोलने हेतु प्रेरित करना, विद्यालय के छात्र-छात्राओं का वैश्विक स्तर सुधारने का यथाशीघ्र प्रयास, उपस्थिति के अनुसार एमडी एम का रिपोर्ट करेंगे। इत्यादि का नाम अंकित था। मौके पर पंचायत के मुखिया गोपाल कुमार यादव उप मुखिया पति रवि प्रसाद विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सूर्यदेव सिंह विमलेश कुमार सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे ।

चिनियां के 14 वे थाना प्रभारी बने राजबल्लभ कुमार

चिनियां। थाना प्रभारी के रूप में नए थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने शुक्रवार को चौदहवें थाना प्रभारी के रूप में अपना योगदान दिया है। योगदान के मौके पर थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में हमारी पहली प्राथमिकता अपराध पर अंकुश लगाना होगा व थाना क्षेत्र को भयमुक्त बनाना है। साथ ही आम लोगों का सीधी संपर्क पुलिस के साथ हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, तथा पूर्व के लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन करना हमारी प्राथमिकता में से एक होगी, क्षेत्र में असामाजिक तत्व के लोगों व अपराधियों पर कड़ी नजर रहेगी, जिससे हमारा चिनीया थाना क्षेत्र पूरी तरीके से भयमुक्त रहेगा । आपको बताते चलें कि इससे पूर्व चिनिया थाना मे बिरेंद्र हंसदा थाना प्रभारी थे उन्हें ट्रेनिंग पीरियड में जाने के बाद, धुरकी थाना प्रभारी राजबल्लभ कुमार ने चिनिया के नए थाना प्रभारी के रूप में अपना योगदान दिया है ।

नगर उंटारी थाना प्रभारी बने नीतीश कुमार सिंह, गिनायी प्राथमिकताएं

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर थाने में नए थाना प्रभारी के रूप में नीतीश कुमार सिंह ने शुक्रवार को प्रभार ग्रहण किया। नीतीश कुमार सिंह 2018 बैच के दरोगा है। इसके पूर्व उन्होंने इसी थाने में पुलिस अवर निरीक्षक के रूप में पदस्थापित थे। शुक्रवार को प्रभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी नीतीश कुमार सिंह ने कहा कि थाना क्षेत्र के सभी नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करना प्राथमिकता सूची में शामिल है, अपराध पर अंकुश लगाना और विधि व्यवस्था बनाएं रखना हमारी पहली प्राथमिकता हैं। उन्होंने थाना क्षेत्र के नागरिकों के सहयोग से अपराध व अपराध कर्मियों पर अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मनचलों, जुआरियों असामाजिक तत्वों पर पुलिस नकेल कसने के लिए पैनी नजर बनाई है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति कभी भी अपनी समस्या को लेकर सीधे मुझसे मिल सकता है या दूरभाष 8825272690 पर संपर्क कर सकता है। उसकी समस्याओं का त्वरित निदान किया जायेगा।नए थाना प्रभारी ने नीतीश कुमार सिंह ने क्षेत्रवासियों से पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की अपील की है। इधर थाना प्रभारी के प्रभार ग्रहण करने के बाद पुलिस प्रशासन लोगों ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। मौके पर पुअनि कुमार विक्रम सिंह, जितेंद्र भगत, विक्की कुमार,सदर तौहिद खान, पूर्व सदर तस्लीम खान, सदर कुशदण्ड शमीम अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार राम आदि मौजूद थे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान से जुड़ना गर्व की बात : सुमन कच्छप

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों को गोद लेकर अपने खर्च से उन्हें अतिरिक्त पोषक आहार देने के लिए स्वास्थ्य विभाग के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिल रही है। शुक्रवार को रंका के पीएमडब्ल्यू तरुण विश्वास व एसटीएस सुमन कच्छप ने एक-एक टीबी मरीज को गोद लेकर उसे पोषक आहार का फूड बास्केट प्रदान किया। दोनों स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि प्रधानमंत्री के अभियान से जुड़कर यक्ष्मा मरीजों की सहायता करना गर्व की बात है। मरीज का इलाज चलने तक प्रतिमाह पोषक आहार देते रहेंगे।

जबकि सरकारी अधिवक्ता परेश कुमार तिवारी एवं सदर अस्पताल के सर्जन डा.अमित कुमार भी निःक्षय मित्र बने तथा जिला यक्ष्मा केंद्र में पहुंचकर टीबी मरीजों की सहायता देने को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री का संदेश पत्र प्राप्त किया।उमौके पर यक्ष्मा प्रभाग के डीपीसी डा.पुरुषेश्वर मिश्र, लेखापाल निशांत कुमार सिन्हा, लिपिक रौशन कुमार, पीपीएम नुरुल्लाह अंसारी, एलटी अनुज कुमार, विश्वास कुमार शर्मा, जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

अधौरा में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अधौरा स्थित टीडीएम कॉलेज के मैदान में शुक्रवार को पर्यटन,कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट (बालक बालिका)प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष शैलेश चौबे व झामुमो नेत्री किरण देवी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फीता काटकर किया।

पहला मैच गरबांध बनाम हनुमंता के बीच खेला गया जिसमें गरबांध ने हनुमंता को 1-0 से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया वही खबर लिखे जाने तक दूसरा मैच कुसदण्ड बनाम पीपरडीह के बीच खेला जा रहा हैं। इस अवसर पर बिससूत्री अध्यक्ष शैलेश चौबे ने कहा कि झामुमो तथा कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में खेल को बढ़ावा दिया जा रहा है जिसमे पंचायत स्तरीय से लेकर प्रखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर अच्छे खिलाड़ियों का चयन कर विशेष प्रशिक्षण हेतु बाहर भेजा जा रहा है ताकि भविष्य में झारखंड का नाम रौशन कर सकें। झामुमो नेत्री किरण देवी ने बताया की जल्द ही झामुमो प्रखंड स्तरीय कमेटी माननीय मुख्यमंत्री से मिल कर श्री बंशीधर नगर में स्टेडियम निर्माण को लेकर चर्चा की जायेगी। मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार,कुसदंड बीडीसी सईद अंसारी, उप मुखिया सागिर आलम,मनी यादव,ओम प्रकाश चौबे सहित अन्य मौजूद थे।

नेपाल खोह में ऑटो दुर्घटनाग्रस्त चार व्यक्ति गंभीर रूप से हुए घायल

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर (गढ़वा)। श्री बंशीधर नगर मुख्य पथ के नेपाल खोह में ऑटो व पालतू जानवर के टकराव में पशु की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि ऑटो पर सवार चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए जिन्हें घायलावस्था में श्री बंशीधर नगर पेट्रोलिंग पुलिस के द्वारा 108 एम्बुलेंस से भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थकेन्द्र में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया। जहां आयुष चिकित्सक इन्द्रकिशोर विश्कर्मा के द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद दो लोंगो को सदर अस्पताल गढ़वा रेफर किया गया। जिसमें धीरेंद्र कुमार रजक पिता बबिन्दर बैठा गांव मकरी धांगर डीहा व चिंता देवी पति दिनेस पाल अरसली दक्षिणी बाघमनवा को रेफर किया गया जबकि घायलों में अर्चना देवी पति धनंजय सिंह छतरपुर व गुपुत चेरो पिता स्व राम खेलावन चेरो गांव अर्सली दक्षिणी हेसल दाग के नाम शामिल है। घटना के बारे में घायलों ने बताया कि रांची चोपन ट्रेन से सभी लोग उतर कर श्री बंशीधर नगर से ऑटो से भवनाथपुर आ रहे थे। ऑटो में लाईट नही होने के कारण चालक नेपाल खोह के पास एक गाय को टक्कर मारने से अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे सभी लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।

प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, दिये कई निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विद्यासागर मेहता ने शुक्रवार को जोन्हीखाड मध्य विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में बन रहे मध्यान भोजन, छात्रों की उपस्थिति और विद्यालय के रंग रोगन का निरीक्षण किया । निरीक्षण के बाद विद्यालय के कार्य को संतोष न बताया। उन्होंने विद्यालय के प्रधानाध्यापक फरदीनंद टोप्पो को कहा कि विद्यालय एमडीएम किसी भी हाल में बंद ना हो और समय पर विद्यालय खुले और समय पर ही बंद हो । बगैर सूचना के विद्यालय आवर में कोई भी शिक्षक बीआरसी में नहीं आएं। निर्देश का उलंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विद्यासागर मेहता ने कहा कि जोन्हीखाड मध्य विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के मात्र एक शिक्षक हैं ,एक शिक्षिका प्रतिमा कुजुर की प्रतिनियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला से बात कर वहां और शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति कर दी जाएगी। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया की कोई भी बच्चा बगैर ड्रेस के स्कूल ना आएं, बच्चों के स्कूल बैग और कीट की राशि भेजी गई है । शीघ्र ही बच्चे ड्रेस और किट की खरीदी कर लें। ड्रेस और जूता में पहन कर ही स्कूल पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय शिक्षा विभाग की टीम भंडरिया पहुंचकर निरीक्षण करने वाली है। ऐसे में सभी विद्यालय सभी रिपोर्ट और रजिस्टर आदतन रखेंगे। विद्यालय विकास की राशि सभी विद्यालयों को भेज दी गई है । इस मौके पर सीआरपी सत्यनारायण यादव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक फरदीनंद टोप्पो, प्रतिमा कुजूर सहित अन्य लोग शामिल थे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का दर्ज कराया मामला

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया थाना क्षेत्र के एक गांव की है प्रेमिका

गढ़वा। भंडरिया थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती को शादी का झांसा देकर एक युवक तीन वर्षों तक उससे दुष्कर्म करते रहा। लेकिन कथित प्रेमी ने अब शादी से इंकार कर दिया। जबकि प्रेमी के परिवार वालों ने भी युवती की हत्या कर देने की धमकी दे दी। तब युवती ने गढ़वा महिला थाना में पहुंचकर मामला दर्ज करा दिया। इस संबंध में पीड़िता द्वारा थाना में दिए आवेदन के अनुसार तीन वर्ष पूर्व वह गढ़वा शहर के सहिजना में किराए के मकान में रहकर नामधारी कालेज में पढ़ती थी। तब रंका थाना क्षेत्र के हुरदाग गांव निवासी धनंजय पासवान पिता वृहस्पति पासवान से रंका में उसकी मुलाकात हुई थी। इसके बाद धनंजय ने सहिजना स्थित किराए के मकान में आकर ठहरा और वहीं उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह गढ़वा आकर युवती के पास ठहरने लगा। बताया गया कि एक बार धनंजय पासवान ने युवती को लेकर छतीसगढ़ के रामानुजगंज में अपनी बहन के घर भी ले गया। लेकिन जब बात शादी की होने लगी तो धनंजय पासवान ने इंकार कर दिया। जबकि धनंजय के पिता वृहस्पति पासवान ने पीड़िता को हत्या कर देने की भी धमकी दे डाली। इसके बाद पीड़िता ने गढ़वा महिला थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया। इधर, पुलिस ने युवती का सदर अस्पताल में मेडिकल कराने के साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई है।

मृतक के परिजनों से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष

बड़गड़। पिछले दिनों प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी स्व ।ललन प्रसाद के हुए आकस्मिक निधन की सूचना पर भाजपा के गढ़वा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश केसरी ने उनके बड़गड़ स्थित आवास पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की एवं इस दुख की घड़ी में उनके परिजनों के साथ खड़े रहकर भाजपा परिवार की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री केसरी ने बड़गड़ बीडीओ विपिन कुमार भारती को फोन कर तत्काल मृतक के पत्नी एवं उनके दो बच्चों को सरकारी प्रावधान के तहत आवश्यक सहयोग पहुंचाने का आग्रह किया। इस मौके पर उपरोक्त के अलावा मृतक ललन प्रसाद के पिता गणेश प्रसाद, भाई अरूण भगत, पुत्र अभिषेक कुमार सहि भाजपा मंडल अध्यक्ष बजरंग प्रसाद, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रंजीत जयसवाल, विधायक प्रतिनिधि ओम प्रकाश, जिला कार्यसमिति सदस्य सुरेश केसरी आदि उपस्थित थें।

बुका गांव में अधूरा डोभा निर्माण कर निकाल ली गयी पूरी राशि

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखण्ड क्षेत्र के बुका गांव के बसकटिया अहरा के ओट में आधा अधूरा डोभा के निर्माण कर पूरा पैसा निकालने के मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक बता दें कि भवनाथपुर पंचायत के बुका गांव में बसकटिया अहरा के ओट में मनरेगा कर्मियों के मिली भगत से सरकारी पैसा के दुरपयोग किया गया है उक्त योजना 2018 में जनक राउत के खेत मे डोभा निर्माण 1 लाख 28 हजार रुपए के लागत से सुकृत किया गया था जिसके बाद लाभुक के द्वारा 1 लाख 12 हजार 464 रुपये की निकासी करते हुए आधे अधूरे काम करा कर रोजगार सेवक धर्मराज सिंह एवं जेइ प्रेमचंद गुप्ता के मिलीभगत से योजना को बंद कर दिया गया। मजे की बात तो ये है कि जिस जगह पर इतने बड़े अहरा हो वहाँ पर छोटा डोभा निर्माण करना सिर्फ सरकारी पैसा का बंदर बांट करने के अलावा और कुछ नही हो सकता है। वहीं जब जेई प्रेमचंद गुप्ता से पूछा जाने पर कहा कि योजना स्थल ठीक है काम 50 प्रतिशत हुआ है। बीपीओ दयानद प्रजापति से पूछे जाने पर कहा कि योजना कि जांच किया जाएगा जो भी दोषी होंगे उनपर कार्रवाई कि जाएगी।

मुख्यमंत्री आमंत्रण कप फुटबॉल प्रतियोगिता में केवल खानापूर्ति, अव्यवस्था में संपन्न हुई मैच

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड के लोहिया समता उच्च विद्यालय के मैदान आयोजित प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण कप फुटबॉल प्रतियोगिता में भारी अव्यवस्था बरती गई। जिसके कारण किसी तरह जैसे- तैसे उक्त मैच को सम्पन्न कराया गया। सरकार का उद्देश्य था की गांव, कस्बा के हुनरमंद खिलाड़ियों को राज्य स्तर तक पहुंचाया जाये।परंतु इस खेल में जिम्मेवार लोगों के द्वारा रूचि नहीं लेने के कारण पंचायत स्तर तक ना ही प्रचार-प्रसार किया गया ना ही किसी पंचायत में प्रतियोगिता कराकर खिलाड़ियों का चयन किया गया। इसका नतिजा यह रहा की सात पंचायतों वाली केतार प्रखंड में महज चार पंचायत की टीम ही भाग ले सकी। इसके बावजूद उक्त खिलाड़ियों के लिए प्रखंड स्तर पर व्यापक इंतजाम नहीं होने के कारण आनन फानन में मैंच बगैर बुट, ड्रेस, मैदान की साफ सफाई ,लाइन मैन और गोल जज के अभाव के कारण एक तरफ खिलाड़ियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं उक्त मैच मे बार- बार विवाद भी होता रहा। प्रतियोगिता में भाग ले रही बलिगढ़ टीम के खिलाड़ी छोटन रजक, अंगद विश्वकर्मा, लगन पासवान, अशोक कुमार, अकाश कुमार, रविन्द्र विश्वकर्मा, चंदन कुमार ने बताया की पंचायत स्तर पर कोई भी मैच नहीं खेलाया गया,ना ही खिलाड़ियों को पुर्व से मैच खेलने की जानकारी दी गई थी। हमलोग अपने अपने काम में व्यस्त थे की अचानक जनप्रतिनिधियों द्वारा अचानक मैच खेलने के लिए बुलाया गया। खिलाड़ियों ने कहा की यहां पर मैच खेलाने के लिए व्यवस्था नहीं किया गया, खेल मैदान में पत्थर रहने की वजह से कई खिलाड़ी चोटिल भी हो गये। उक्त प्रतियोगिता में पहली पारी में बलीगढ़ और लोहरगाडा.के बीच मैच खेला गया। जिसमें लोहरगाडा. ने बलीगढ़ को 5-0 से हराया जबकि दुसरे पाली में पाचाडुमर और केतार के टीम के बीच हुई मैच में जिसमें केतार ने 2-1 से मैच जीत लिया। इसके बाद फाइनल मुकाबला केतार और लोहरगाडा.के बीच खेला गया जो टाई रहा। मौके पर मुखिया प्रमोद कुमार, श्याम सुंदर बैठा, मुखिया प्रतिनिधि सिताराम शर्मा, मनोरंजन गुप्ता, उदय प्रसाद, मैच रेफरी निरज प्रसाद, कुंज बिहारी प्रसाद, कमेंटरेटर रामाकांत भारती, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

विधि-विधान व वैदिक मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अनुमंडल मुख्यालय में स्थित प्रसिद्ध राजा पहाड़ी शिव मंदिर प्रांगण में मां पार्वती जी का भव्य मंदिर निर्माण को लेकर शुक्रवार को समाजसेवी सह प्रतिष्ठित व्यवसाई सत्यम ट्रांसपोर्ट के प्रोपराइटर वीरेंद्र प्रसाद अग्रहरि पत्नी सारिका देवी एवं उनके पुत्र सत्यम कुमार ने संयुक्त रूप से भूमि पूजन कर किया। इस दौरान विद्वान पंडितों द्वारा पूरे विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोचार के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इसके बाद राजा पहाड़ी शिव मंदिर में सपरिवार माथा टेका और भूमि पूजन के दौरान नींव खोदकर निर्माण कार्य का बीड़ा उठाया। इस अवसर पर वीरेंद्र प्रसाद अग्रहरि ने कहा कि प्रसिद्ध राजा पहाड़ी शिव मंदिर सदियों से ऐतिहासिक रहा है। यहां विभिन्न राज्यों के श्रद्धालु भगवान का दर्शन करने आते हैं। मंदिर निर्माण को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह है। उन्होंने कहा कि झारखंड वासियों के लिए खुशी की बात है कि बाबा की नगरी बैजनाथ धाम के बाद श्री बंशीधर नगर में भगवान भोलेनाथ का भव्य मंदिर निर्माण हुआ है, वही अब मां पार्वती का भी भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। नगर वासियों का भगवान शिव पर बड़ी आस्था है। भगवान शिव की कृपा से ही लोग खुशहाल जीवन जी रहे हैं। भगवान शिव की इसी आस्था से प्रेरित होकर मां पार्वती का भव्य मंदिर निर्माण कराने का पीड़ा को पूरा करने का निर्णय लिया है इस मौके पर राजा पहाड़ी शिव मंदिर निर्माण समिति के सचिव नंदलाल प्रसाद, रामचंद्र विश्वकर्मा, मंदिर पुजारी गोपाल पाठक, आचार्य शशिकांत शुक्ला, गोविंद पाठक, अश्विनी कुमार, बुच्छू प्रसाद, रविंद्र प्रसाद, मुकेश कुमार, शिवम पाठक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

मंगरा निवासी घरेलू विवाद में युवक ने जहर खाकर की आत्महत्या की कोशिश

लातेहार। बरवाडीह थाना क्षेत्र के मंगरा गांव निवासी बिजेंद्र सिंह पिता प्रभु सिंह उम्र 19 वर्ष ने गुरुवार की रात जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। युवक का इलाज सदर अस्पताल लातेहार में चिकित्सक डा. सुनील कुमार भगत के देखरेख में चल रहा है। बताया जा रहा है कि युवक अपने ससुराल में मोटर लगाने को लेकर घरेलू विवाद में तू तू मैं मैं कर अपने घर में जाकर जहर खा लिया। जिससे युवक अचेत हो गया। घायल युवक के स्वजनों के द्वारा अनान फनान में सदर अस्पताल लातेहार लाया गया। जहां चिकित्सकों के द्वारा इलाज के बाद युवक को खतरे से बाहर बताया है।

बालूमाथ पुलिस ने कोयला तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

बालूमाथ। थाना पुलिस ने कोयला तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार कर लातेहार कारा भेजने में सफलता पाई है। जिसके बारे में जानकारी देते हुए बालूमाथ थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि बालूमाथ थाना कांड संख्या 204/22 के आरोपी कामेश्वर महतो पिता नागेश्वर महतो ग्राम महाटिकरा थाना बड़कागांव जिला हजारीबाग को सअनी संजय चौधरी के नेतृत्व में सशस्त्र बल के साथ उक्त आरोपी को छापामारी कर गिरफ्तार किया गया है। उक्त अभियुक्त कोयला तस्करी का आरोपी है जो विभिन्न कॉल माइन्स एक्ट के सुसंगत धाराओं के साथ एमएमडीआर एक्ट के तहत न्यायिक हिरासत लातेहार करा दिया गया।

अलाव की नहीं हुई अलाव की व्यवस्था

महुआडांड़। प्रखंड में इन दिनों पड़ रही ठंड से लोग बेहाल होने लगे हैं। सुबह शाम बह रही सर्द हवाओं में लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। इससे खासकर समाज के गरीब तबके के लोग और विभिन्न मार्गो पर सफर करने वाले राहगीर यात्री विशेष रूप से प्रभावित है। लोग इस बात को लेकर काफी चिंतित है बेरहम ठंड पडने के बावजूद अबतक किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि व समाजसेवी ने सार्वजनिक जगहों तथा बस स्टैंड में अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में सर्थक पहल नहीं की है हर वर्ष प्रशासन ठंड के मौसम में राहत दिलाने के लिए सार्वजनिक जगहों पर अलाव की व्यवस्था करती आई है।

संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर बीडीओ ने की बैठक

बरवाडीह। प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय की अध्यक्षता में संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर प्रखंड के सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम 18 वर्ष पूर्ण करने वाले नए मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए बूथ वार समीक्षा की गए। समीक्षा बैठक में सभी बीएलओ को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले नए मतदाताओं को फार्म 6 भरकर ऑनलाइन करने का निर्देश दिया गया था लेकिन बैठक में 18 बीएलओ ऐसे पाए गए जिन्होंने 5 से भी कम नए मतदाताओं का फार्म 6 भरकर ऑनलाइन किया है। ऐसे 18 बीएलओ को चिन्हित कर उनकी वेतन स्थगित करने के लिए स्पष्टीकरण की मांग की गई। साथ ही ऐसे बीएलओ को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में 8 दिसंबर तक जो विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण मतदाता सूची अभियान चलेगा उसमें निश्चित रूप से 20 नए मतदाताओं को जोड़ने हेतु फॉर्म 6 भरकर की एंट्री की जा।

टेंपू सवार युवक की हुई दर्दनाक मौत

टंडवा(चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र के हेचाबलिया (सराढू) के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने टेंपो को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उसमें सवार 45 वर्षीय कारू भुईयां की दर्दनाक मौत बीते देर रात हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो द्वारा चकमा दिए जाने से टेंपो चालक असंतुलित हो कर वाहन को पलट दिया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक अपने रिश्तेदारों के साथ वैवाहिक कार्यक्रम में सोंपराम गांव गया था और वापस अपने घर केरेडारी थाना क्षेत्र के चट्टीपेटो लौट रहा था की घटना घटी। सूचना पाकर आक्रोशित परिजनों ने समुचित मुआवजे की मांग को लेकर टंडवा-सराढू पथ पर आवागमन बाधित किए जाने पर स्थानीय प्रशासन द्वारा सभी को समझा-बुझाकर जाम हटा दिया गया।

50 एकड़ में लगे पोस्ता खेती को पुलिस ने किया नष्ट

कुन्दा (चतरा)। कुन्दा थाना क्षेत्र अंतर्गत सुदूरवर्ती व जंगली क्षेत्रों में करीब 50 एकड़ में लगाये गये अफीम की खेती को पुलिस टीम ने अफीम उन्मूलन अभियान चलाकर किया है। शुक्रवार को थाना प्रभारी परमानंद मेहरा के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के डूमरवार एवं गुरपुरी के घीयाही व अन्नगड्डा जंगल में लगभग 7 एकड़ में लगे अफीम फसल को ट्रैक्टर की सहायता से नष्ट किया। वहीं पुलिस द्वारा अब तक विनिस्टीकरन अभियान में हेसातु, नावाडीह, बुटकुइया, बरियातू, बधार समेत अन्य जंगली क्षेत्रों में लगाए गए लगभग पच्चास एकड़ पोस्ता खेती नष्ट किया जा चुका है। अभियान में एसआई मोतीराम देवगन, ऐएसआई मदन सिंग आदि के साथ वनकर्मी शामिल थे।

11वीं कृषि गणना को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोले प्रमंडलीय आयुक्त

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। 11वीं कृषि गणना 2021-22 के तहत आज समाहरणालय सभागार में अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षकों व कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमंडलीय आयुक्त जटा शंकर चौधरी, उपायुक्त भोर सिंह यादव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुक्त ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हैं। 2021-22 की कृषि जनगणना कृषि के संरचनात्मक पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने का कार्य करेगी। यह जनगणना चरणबद्ध तरीके से पूरी की जानी है और इसमें तीन चरण शामिल हैं। योजना का पहला चरण पूर्ण गणना अध्ययन पर आधारित है, जबकि अन्य दो चरण सर्वेक्षण अध्ययन पर आधारित हैं। प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारियों को ध्यान पूर्वक सुनने एवं अपनी सभी प्रकार की दुविधाओं को दूर कर लेने की बात कही गई। आगे उन्होंने कहा कि डेटा संग्रह में नवीनतम तकनीक का उपयोग है। उन्होंने कहा कि डेटा संग्रह प्रक्रिया सटीक और कुशल होनी चाहिए, क्योंकि यह सभी गांवों (100% कवरेज) में पूर्ण गणना के आधार पर कृषि जनगणना करने में भी सक्षम होगी। उन्होंने समय पर जनगणना पूरी करने के महत्व पर भी जोर दिया।

कृषि गणना की विस्तृत जानकारियां दी गई

प्रशिक्षण के दौरान सभी को कृषि गणना 2021-22 के तहत भारत सरकार के आधिकारिक कृषि वेबसाइट एवं वेब एप्लीकेशन के माध्यम से किए जाने वाले कार्य को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर सभी को यूजर आईडी क्रिएशन, अंचल अधिकारी, सुपरवाइजर व राजस्व उप निरीक्षकों द्वारा उनके क्षेत्र के प्रत्येक गांव में कृषि गणना हेतु संबंधित वेबसाइट अथवा एंड्राइड एप्लीकेशन पर अंकित किए जाने वाले जानकारियों की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी। इस दौरान उप विकास आयुक्त श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा, अपर समाहर्ता श्री आलोक शिकारी कच्छप, अनुमंडल पदाधिकारी श्री शेखर कुमार, जिला योजना पदाधिकारी श्री संतोष भगत, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री बंधन लांग, अंचल अधिकारियों, अंचल निरीक्षकों,राजस्व उपनिरीक्षकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों सहित अन्य उपस्थित थे।

मौके पर उपायुक्त ने उपस्थित सभी अंचल अधिकारियों एवं राजस्व निरीक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान दी जा रही जानकारियों को ध्यान पूर्वक सुनने की बात कही एवं कृषि गणना के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सभी अपने-अपने क्षेत्र में कृषि गणना का कार्य पूरी जिम्मेवारी व ईमानदारी के साथ करना सुनिश्चित करें।

प्रतापपुर स्वास्थ्य केंद्र में निर्मित टेंट का कमांडेंट ने किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

प्रतापपुर(चतरा)। शुक्रवार को प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में दर्जनों मरीजों को बेहतर सेवा को लेकर डब्ल्यूएचओ के सौजन्य से बनाए गए टेन्ट का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सीआरपीएफ 190 बटालियन के कमांडेड मनीष कुमार, डब्लू एचओ हजारीबाग के एसएमओ डॉ.दीपक कुमार एवं प्रभारी डॉ. संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर एसएमओ व कमांडेड ने बताया कि इस तरह के टेंट बोर्डर पर सैनिको के स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बनाये जाते हैं। यह टेंट एयरकंडिसनर है और लगभग 20 वेड लगाने की क्षमता है। इससे मरीजों को बेहतर सेवा दी जा सकेगा। नये भवन बनाने का काम किया जा रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मी इस टेन्ट में विभाग का काम कर सकते हैं। टेन्ट को सीआरपीएफ 190वीं बटालियन के द्वारा तैयार किया गया। इस अवसर पर रामेश्वर राम, बीपीओ जयन्त कुमार, स्वास्थय कर्मी प्रभात कुमार, राहुल कुमार, संजय कुमार, अनिता एक्का, संजु कुमारी, धर्मेन्द्र सिंह, मोहन राम सहित कई अन्य शामिल थे।

चंदवा में वन विभाग की टीम ने अवैध कोयला लदा ट्रैक्टर को किया जब्त

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। रेंजर के निर्देश पर रात्रि गस्ती पर निकली वन विभाग की टीम ने थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 99 रांची-चतरा पथ के समीप से गुरुवार देर रात अवैध कोयला लोड एक ट्रैक्टर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। टीम के द्वारा पकड़े गए वाहन को जब्त कर वन विभाग के कार्यालय ले आई।मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम रात्रि गस्ती पर निकली हुई थी टीम ने देखा कि एक ट्रैक्टर महुआमिलान-दामोदर सड़क से एनएच 99 की तरफ आ रही है। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर को रुकने का इशारा किया टीम को देखते ही वाहन चालक गाड़ी खड़ी कर भागने में सफल रहा कोयला कहां से लाया जा रहा था और कहा ले जाया रहा था। इसकी जांच की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब्त ट्रैक्टर को छुड़ाने के लिए तस्कर सुबह से ही परेशान रहे।वहीं वन

विभाग कागजी प्रक्रिया कर अग्रेतर कार्रवाई में जुट गई थी।बताते चलें कि इन दिनों रेलवे सिग्नल पर खड़ी कोयला लोड मालगाड़ी से कोयला उतार कर उसे संग्रहित करके ट्रैक्टर में लोड कर ईंट भट्ठे को सप्लाई करने का गोरखधंधा जोरों से चल रहा है। इधर लातेहार उपायुक्त के निर्देश पर प्रखंड में अवैध खनन-भंडारण व परिवन की रोकथाम को लेकर पुलिस व वन विभाग की टीम लगातार प्रयासरत दिख रही है। गस्ती दल में अनुराग पांडेय, विश्वास देव पांडेय, सतीश कुमार, देवनाथ भगत आदि शामिल थे।

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन, बोले जनप्रतिनिधि

शारीरिक विकास के लिए खेलकूद जरूरी

नवीन मेल संवाददाता

बालुमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्लस टू हाई स्कूल मैदान मे प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता 2022 -23 का उदघाटन प्रखंड प्रमुख ममता देवी, राजद प्रखंड अध्यक्ष प्रीतलाल यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा,एस सी जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार, बीडियो ललिता बाखला सहित कई जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। जिसमें सभी पंचायत क्षेत्र के विद्यालय से बालक टीम के 13 और बालिका टीम के 5 कुल 18 फुटबॉल टीमो ने भाग लिया। पहली मैच बालू पंचायत बनाम भगिया पंचायत के बीच खेला गया । मौके पर जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए कहा कि खेल शारीरिक मानसिक विकास के लिए बहुत ही अच्छा है। राज्य सरकार माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खेल में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को भी अपना फ्यूचर बनाने का मौका दिया है। जिसके लिए प्रतिभागी अपना कला का प्रदर्शन अच्छे तरीके से करें। ताकि आने वाला दिन में राज्य स्तर से लेकर देश स्तर तक खेल अपना राज्य देश का नाम रोशन कर सकें। मौके पर जिला फुटबॉल टीम के संयुक्त सचिव प्रेम प्रसाद गुप्ता ने कहा कि अच्छे खेल प्रदर्शन करने वाली टीम को आगे जिला स्तरीय फिर राज्य स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा। वही कार्यक्रम का संचालन जेएसएलपीएस प्रखंड कोर्डिनेटर आलोक कुमार ने किए। मौके पर उपरोक्त लोगों के अलावे शेरेगड़ा पंचायत की मुखिया नीलिमा तिर्की ,बालूमाथ मुखिया नरेश लोहरा, बालू मुखिया संध्या देवी, रजवार मुखिया उर्मिला देवी, मरंगलोइया मुखिया सोनामनी देवी,भगिया मुखिया रोहाणी देवी, बसिया मुखिया विमला देवी, झावर मुखिया सिलो देवी, मुरपा मुखिया अजय भगत, धाधु मुखिया भगवती कुंवर, पंचायत सेवक ब्रह्मदेव राम, गोपालनाथ सिंह, सुमित सिन्हा पूर्व मुखिया सुरेंद्र उरांव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

विद्युत विभाग की टीम ने प्रतापपुर में बिजली कनेक्शन का लिया जायजा

प्रतापपुर(चतरा)। शुक्रवार को विद्युत विभाग की टीम ने प्रतापपुर प्रखंड के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर बिजली कनेक्शन का जायजा लिया। इस दौरान मीटर, सही कनेक्शन, बिल की जांच, डीस 1 व डीएस 2 कनेक्शन की जांच कर सत्यापन किया गया। साथ ही उपभोक्ताओं को कई आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए ससमय बिजली बिल का भुगतान करने तथा घर के कनेक्शन पर दूकानो में भी बिजली नही उपयोग करने की हिदायत दी। टीम में एई रामानन्द पासवान, जेई अशोक कुमार, हंटरगंज जेई नित्यानन्द कुमार, सिमरिया जेई बीरेन्द्र उरांव, विजय मिस्त्री, निवास मिस्त्री सहित अन्य कर्मी शामिल थे।

पीएम आवास कार्य का बीडीओ ने किया निरीक्षण, कहा

पीएम आवास का अग्रिम राशि लेकर निर्माण नहीं करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड(चतरा)। शुक्रवार को जिले के मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत बेलखोरी एवं एकतारा में पीएम आवास अग्रिम भुगतान की राशि 40 हजार लेने के बाद भी आवास निर्माण नहीं करने वाले लाभुकों कार्य स्थल की जांच बीडीओ साकेत कुमार सिन्हा ने किया। इस दौरान निर्माण स्थल पर लाभुकों से बात कर सख्त निर्देश दिया की सरकार द्वारा लाभुकों के खाता में राशि भेजी गई है। लेकिन निर्माण कार्य शत-प्रतिशत प्रगति पर नही देखा जा रहा है। आवास बनाएं या सरकारी रकम वापस करें नही तो प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। बेलखोरी के लाभुक बिरेंद्र सिंह वित्तीय वर्ष 2020-21 में आवास निर्माण के लिए 40 हजार रुपया वापस

करने की बात कही। वहीं वित्तीय वर्ष 2017-2018 में संगिता देवी को भी अग्रीम भुगतान के बावजूद आवास अधूरा पाया गया। इसके अलावा एकतारा के चमेली देवी, कोसमी देवी, बबिता देवी, बिरंजवा देवी, बासुदेव भुईयां, पुतुल देवी, मंजू देवी, आरती देवी, करमी देवी, बेबी देवी दुसरी किस्त की राशि मिलने के बावजूद कार्य अधूरा पाया गया। सभी को एक सप्ताह के अंदर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। कार्य पूर्ण नहीं करने पर उचित कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश पीएमजी आवास के प्रखंड समन्वयक शिव कुमार यादव को दिया। मौके पर पीएसएस सुरेंद्र गुप्ता समेत पुलिस कर्मी शामिल थे।

एक किग्रा अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, भेजे गये जेल

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय चंदाबांध के समीप से दो अफीम तस्करों को एक किलो अफीम के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अंचल अधिकारी जयशंकर पाठक के नेतृत्व में गठीत टीम के द्वारा की गई। टीम चंदाबांध स्कूल के समीप वाहन चेकिंग के क्रम में एक मोटरसाइकिल पर सवार ब्रह्मपुर से आते दो युवक पुलिस को देख फरार होने की कोशिश करने लगे। इतना ही में दोनों को पकड़कर जांच किया गया तो दोने के पैर में लगे इंकलेट से 500-500 ग्राम अफीम बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक प्रखंड मुख्यालय के टुकन भुईयां

का पुत्र जीतन भुइयां व सीताराम दांगी का पुत्र कैलाश कुमार है। दोनों के विरुद्ध एनडीपीएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत करने के उपरांत जेल भेज दिया गया। छापेमारी में थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल, पुलिस अवर निरीक्षक टिकवानंद भगत, सुनील कुमार साव, बल्लू अंसारी सहित अन्य शामिल थे।

वृद्धा पेंशनधारियों का किया गया सोशल ऑडिट

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर प्रखंड के विभिन्न पंचायत सचिवालय में शुक्रवार को वृद्धा पेंशनधारियों का सोशल ऑडिट किया गया। इस क्रम में मृतक लाभुकों का नाम चिन्हित किया गया। जबकि अन्य लाभुकों का ऑन द स्पॉट वेरिफिकेशन किया गया। सोशल ऑडिट बीडीओ संजीत कुमार सिंह के निर्देश पर पंचायत भवन में आयोजित की गई। सामाजिक अंकेक्षण प्रतिनियुक्ति नोडल पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। मौके पर बरिसाखी मुखिया सुमिरा कुमारी, द्वारी मुखिया जगदीश यादव, बारियातु मुखिया डेगन गंझू, पहरा मुखिया बेबी देवी, मंझगांवा मुखिया सरिता देवी, राजस्व कर्मचारी शिव कुमार मंडल आदि उपस्थित थे।

बीडीओ ने छात्रों को मतदाता बनने के लिए किया प्रेरित

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड(चतरा)। शुक्रवार को मयूरहंड प्रखंड मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद प्लस टू विद्यालय में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाया गया। इस दौरान अठारह वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं को मतदाता बनने के लिए बीडीओ साकेत कुमार सिन्हा ने प्रेरित किया और वोटर की महत्ता बताते हुए कहा कि लोकतंत्र को सशक्त प्रदान करने में एक-एक मत की बड़ी अहमियत है। इसलिए अहतापूर्ण छात्र अवश्य वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए अपने नजदीकी बीएलओ को संपर्क कर फॉर्म जमा करें। उन्होंने विद्यार्थियों को मतदाता बनने के लिए ह्वोटर हेल्पलाइनह्व एप तथा साईट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने की जानकारी दी। बताया कि आठ दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम दर्ज किया जाएगा, जिसके लिए सभी बुथों पर बीलओ कार्य कर रहे हैं। इस दौरान बीपीआरओ सतीश कुमार मिश्रा, शिक्षक राकेश रंजन सिंह, प्रबंधन समिति अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

मढारी रोड से ओरसा पाठ छत्तीसगढ़ बॉर्डर तक की पथ निर्माण की स्वीकृति

65.5 करोड़ की लागत से होगा पथ का निर्माण

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला के महुआडांड़ प्रखंड अंतर्गत स्थित ग्राम मेढारी पथ से ओरसापाठ कुसमी छत्तीसगढ़ सीमा तक पथ (कुल लंबाई 13.466 कि.मी.) ग्रामीण कार्य विभाग के पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए पुनर्निर्माण कार्य (पूलों के निर्माण एवं भू अर्जन सहित) हेतु 65 करोड़ 45 हजार 71 हजार 4 सौ रुपए का प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने की स्वीकृति दी गई। इस पथ निर्माण की स्वीकृति मिलने को लेकर ओरसा पंचायत के लोगों में काफी खुशी का माहौल बनी हुई है। इसे लेकर ओरसा ग्राम के समाजसेवी, सत्येंद्र कुमार जयसवाल, पंचायत के नवनिर्मित मुखिया, अमृता देवी व प्रखंड क्षेत्र वासियों के द्वारा झारखंड सरकार के हेमंत सोरेन, भूमि सुधार विभाग के सचिव कमल किशोर सोन, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद इस्तेखार अहमद व अजीत पाल कुजूर को इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद दिया गया। लोगों का कहना था कि ग्राम मेढारी से ओरसा पाठ का रोड काफी दिनों से जर्जर स्थिति में था जो कि लोगों को आने जाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता था।लोगों के द्वारा इस रोड के लिए काफी संघर्ष भी किया गया था यह रोड छत्तीसगढ़ से जुड़ता है। मौके पर संदीप प्रसाद, सलमान अहमद, अयुब अहमद, नरेंद्र नगेसिया, विनोद सिंह, अशोक सिंह संजीव बडाईक, शंकर यादव, सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने धन्यवाद दिया है।

महुआडांड़ में न्योसिल एडेसिव प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने एक दिवसीय सेमिनार का किया आयोजन

महुआडांड़। प्रखंड अंतर्गत स्थित कार्मेल हॉस्पिटल के समीप बाला जी के नए शोरूम में संदीप हार्डवेयर एंड ममता फर्नीचर व न्योसिल एडेसिव प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा दिन शुक्रवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें पाईप सॉल्वेंट से संबंधित जानकारी विक्रेता व इससे संबंधित पलंबर मिस्त्री को दिया गया। विक्रेताओं को सॉल्वेंट के बिक्री को लेकर कई दिशा-निर्देश भी दी गई। मौके पर टी एस एम राजू कुमार, एसी राजीव कुमार ने कहा कि एक न्योसिल ऐसा कंपनी है। जिसमें घर का सभी तरह की पाइप संबंधित सुलेशन एंड वॉटर पुरफिंग उपलब्ध है। और सभी के घर में 13 साल से लगाते आ रहे हैं। इस से काफी खुश हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से न्योसिल विक्रेता, डीलर सतीश कुमार गुप्ता, सरबेश, बिजय, पवन, अमान खान, अंजर, समीर टोप्पो, असरफ, इरसाद अहमद समेत दर्जन मिस्त्री गण मौजूद थे।

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर सीएस ने किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। प्रखंड में चल रहे फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत डोर टू डोर दवा खिलाए जाने के कार्यक्रम को सीएस ने बरवाडीह पहुंचे कर किया निरीक्षण. जानकारी के अनुसार एक पखवारा तक चलने वाले मलरिया उन्मूलन कार्यक्रम को निरीक्षण करने शुक्रवार को जिला मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डा0 दिनेश कुमार अपने अन्य चिकित्सा टीम के साथ बरवाडीह पहुंचे। इस दौरान युवराज विक्रम सिंह के नेतृत्व में चला जा चलाए जा रहे कार्यक्रम का निरीक्षण किया। सीएस ने प्रखंड के आदर्श नगर, बाजार, गढ़वाटांड के कई घरों का डोर टू डोर निरीक्षण किया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों, स्वास्थय सहिया द्वारा दिए जा रहे दवाओं की जांच किया. उन्होंने अपने कार्यक्रम के दौरान हाइट (ऊंचाई) के अनुसार दिए जाने

वाली तीसरी दवा इवरमेक्टीन की जानकारी प्राप्त किया। जिसे सभी स्वास्थ्य कर्मी द्वारा ठीक से दिया जा रहा था। सीएस ने इस दौरान सभी घरों में दवा खिलाने का मार्का भी लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने भाई जी स्वामी सहित कई विदेशी स्वामी से भी मुलाकात कर उनसे दवा खिलाने के बारे में जानकारी ली कार्यक्रम में बरवाडीह पंचायत के सुपरवाइजर विक्रम सिंह, प्रभारी डॉ आशीष रंजन, डा0 रुद्रा, बीपीएम ओम प्रकाश गुप्ता, रविकांत सिंह समेत स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे।

न्यूज गैलरी

सीओ विजय कुमार ने प्रज्ञा केंद्र संचालकों के साथ की बैठक

सेन्हा-लोहरदगा। अंचलाधिकारी विजय कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रज्ञा केन्द्र संचालको के साथ समीक्षा बैठक कर दिया दिशा निर्देश। अंचलाधिकारी विजय कुमार ने प्रज्ञा केन्द्र संचालको के साथ समीक्षा बैठक कर मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना व छात्र-छात्रों का जाति प्रमाण पत्र बनाने के बारे में जानकारी लेते हुए सभी प्रज्ञा केन्द्र संचालको को निर्देश देते हुए कहा कि जिन-जिन छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र नही बना है। वैसे वंचित छात्र-छात्राओं के लिये जाति प्रमाण पत्र यथाशीघ्र बनाने का कार्य करें। छात्र-छात्राओं का किसी भी कार्य मे विभागीय परेशानी नही होगा। साथ ही कहा कि पोर्टल नही चलने से नये किसानों को मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना का रजिस्ट्रेशन कराने में परेशानी हो रही है। जिस पर राज्य सरकार के निर्देश पर इस समस्या का समाधान किया जायेगा। मौके पर अंचल निरीक्षक चन्द्रप्रकाश मेहता के अलावे प्रज्ञा केन्द्र संचालक विनय कुमार साहु, महिमा कुमारी, उज्ज्वल शुक्ला, संतोष साहू, नित्यानंद महतो मौजूद थे।

महिला आयोग गठन की मांग को लेकर अगुस्टीना सोरेंग ने मंत्री से की मुलाकात

सिमडेगा। झारखंड में महिला आयोग का गठन कर चालू कराने को लेकर शुक्रवार को सखुआ की एडिटर मोनिका मरांडी एवं अगुस्टीना सोरेंग ने महिला एव बाल विकास मंत्री जोबा मांझी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञात हो कि नेशनल क्राईम रिकोर्ड ब्यूरो के अनुसार पूरे झारखंड में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की संख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जिसमें यौन हिंसा, डायन हत्या, किडनैपिंग, कार्यस्थल पर होने वाली हिंसाएं शामिल है और महिला आयोग नहीं होने से महिलाओं को बहुत बार न्याय मिलने में कठिनाईयां आती है। साथ ही कोलेबिरा काल्हाटोली की अनीता डुंगडुंग और उसके पति जिन्हें दो वर्षो से गांव वाले डायन कहकर प्रताड़ित कर रहे हैं को सुरक्षा प्रदान करने तथा मुआवजा दिलाने की मांग भी रखी गई है।

समसेरा डेराटोली में व्यक्ति ने पंखे में झूलकर की आत्महत्या

बोलबा। बोलबा थाना क्षेत्र अंतर्गत समसेरा मिशन के पास डेराटोली में गुरुवार देर शाम एक व्यक्ति ने अपने ही घर के पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया मृतक की पहचान सिप्रियन गंधा उर्फ लेंगी के रूप में हुई। बताया गया कि बृहस्पतिवार को अपने ही घर के पंखे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया घटना की सूचना उसके घर वालों ने ग्रामीणों को दिया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दिया। तत्काल ही बोलबा पुलिस घटनास्थल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया इसके बाद घटना के बारे में छान बीन कर रही। इधर आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है मौके पर कार्यवाहक थाना प्रभारी अभय मिंज, एएसआई भोला प्रसाद सिंह एवं पुलिस बल मौजूद थे। वहीं शुक्रवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

बानो। बानो थाना क्षेत्र बानो कुरकुरा रांची मार्ग में सोय के पास अपराध नियंत्रण को लेकर बानो पुलिस के द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान आने जाने वाले दो पहिया चार पहिया वाहनों की सघनता से जांच किया गया साथ ही वाहन में सवार व्यक्तियों की मोटरसाइकिल के डिक्की, झोला आदि की भी जांच किया गया, साथ ही बानो के एसआई कामेश्वर उरांव ने आम नागरिकों से कहा कि यह चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। इसलिए सभी व्यक्ति अपने वाहनों की आवश्यक कागजात एवं हेलमेट लेकर ही घर से बाहर निकले। साथ ही कहा की वाहन तेजी से नही चलाएं क्योंकि अक्सर आये दिन वाहन दुर्घटना की जानकारी मिलते रहती है साथ ही कहा की शराब का सेवन कर वाहन बिलकुल नहीं चलाएं पकड़े जाने पर आवश्यक करवाई करने की बात कहते हुए चालकों को कड़ी हिदायत दिया गया। मौके पर थाना के पुलिस बल मौजूद थे।

नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए आर्मी रिटायर्ड सह समाजसेवी डॉ.टी साहू ने दिया 21 हजार

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के हटिया गार्डेन में नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन किया गया। जिसमें विधि विधान पूर्वक पुरोहितों के द्वारा भूमि पूजन संपन्न कराई गई। मौके पर भव्य भंडारे का प्रसाद लोगो ने खाया और मंदिर निर्माण के लिए हर संभव मदद करने की बात कही। इस मौके पर शहरी क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी आर्मी रिटायर्ड डॉ टी साहू ने मंदिर निर्माण के लिए 21 हजार रुपये देने की घोषणा की। कहा कि मंदिर निर्माण जैसे पुण्य कार्य में सहयोग देना गौरव की बात है। मैं माँ काली का भक्त हूं। माँ काली की प्रेरणा और उनके आशीर्वाद से मंदिर निर्माण में हर संभव सहयोग करूंगा। इससे पहले भी निंगनी के काली मंदिर निर्माण के लिए उन्होंने 151000 रुपये का सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि जहां कही भी मंदिर निर्माण जैसे पुनीत कार्य होगा वहां हम मा काली के आशीर्वाद से हर संभव मदद करूंगा। सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

मंत्री रामेश्वर के प्रयास से लगा भंडरा में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर

भंडरा/लोहरदगा। राज्य के वित्त मंत्री सह- लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव के सौजन्य से ग्राम भंडरा मेन रोड में 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। भंडरा मुखिया इंद्रदेव उरांव के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। बता दे कि पिछले 15 दिनो से मेन रोड का ट्रांसफार्मर खराब था। इस मौके पर मुख्य रुप से 20 सूत्री सदस्य, अब्दुल कुदुस, वार्ड सदस्य संतोष पांडा, अकास यादव, लक्ष्मी नारायण प्रजापति, बबन साहू, इसराइल अंसारी, राहुल गुप्ता, आकाश सिंह, बिंदेश्वर साहू आदि लोग उपस्थित थे।

महिला हिंसा और उत्पीड़न रोकना पहली प्राथमिकता : किरण पंडित

लोहरदगा। लोहरदगा महिला थाना मे शुक्रवार को नए थानेदार के रूप में किरण पंडित ने पदभार ग्रहण किया। उन्हें तत्कालीन थाना प्रभारी नविता महतों ने पदभार दिया। नए थाना प्रभारी किरण पंडित ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लोहरदगा में महिला उत्पीड़न को रोकना सबसे पहले प्राथमिकता होगी। लोहरदगा में महिला उत्पीड़न का मामला अधिक होता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जनता व पुलिस के बीच समन्वय बनाकर शांति व्यवस्था स्थापित करना हमारा कर्तव्य होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को कोई समस्या हो तो वे सीधे पुलिस से मिले ना कि बिचौलियों और दलालों के चंगुल में फंसकर अपना समय और पैसा दोनों बर्बाद करें। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बहाल करने, मनचलों पर लगाम लगाने के लिए गंभीरता से काम किया जाएगा।

मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने की बैठक, कहा

17+ आयु के नये वोटर्स का नाम जोड़ा जायेगा व अन्य मतदाता सूची से संबंधित कार्य किया जाएगा

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा आर. रॉनीटा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के अन्तर्गत सभी मान्यता प्राप्त राजनितिक दलों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक दल के जिला अध्यक्ष और सचिव शामिल हुए। उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को 9 नवम्बर 2022 से 8 दिसम्बर 2022 तक मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2022-23 के तहत इलेक्टोरल वेरिफिकेशन किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 दिसम्बर 2022 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य, शुद्धिकरण, नया एड्रेस परिवर्तन करने व मृत व्यक्ति का मतदाता सूची से नाम हटाने का कार्य किया जाएगा। 05 जनवरी 2023 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त कार्यक्रम के अनुसार बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर इलेक्टोरल वेरिफिकेशन कार्य किया जा रहा है। साथ ही 17+ वर्ष के नए वोटर्स का नाम जोड़ा जाएगा एवं अन्य मतदाता सूची से संबंधित कार्य किए जाएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील किया कि वह लोगों को जागरूक करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। लोगों को वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने या सुधार हेतु सहयोग एवं जागरूक करें। साथ ही अपने स्तर से विभिन्न राजनीतिक दलों को बूथ लेवल पर बीएलओ से मिलकर संबंधित त्रुटि का निराकण करने का भी कहा गया। पुनरीक्षण अवधि के दौरान प्राप्त दावा आपत्तियों (प्रपत्र 9, 10, 11, 11ए) की सूची सप्ताहिक रूप से सभी राजनीतिक दलों को बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है या नहीं इसकी जानकारी ली। ईआरओ एवं एईआरओ द्वारा कहां गया कि आप सभी अपने संबंधित क्षेत्रों में भ्रमण कर वोटर हेल्पलाइन मोबाइल ऐप के माध्यम से लोगों मतदाता सूची से संबंधित मौके पर ही समस्याओं का निराकरण करने को कहा गया। बैठक में मुख्य रूप से विभिन्न राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्ष, अपर समाहर्ता अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी महेन्द्र कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर व अन्य उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता रथ को उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उपायुक्त आर. रॉनीटा ने शुक्रवार को समाहरणालय परिषर से मतदाता जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के तहत दिनांक 9 नवम्बर 2022 से 8 दिसम्बर 2022 तक चलाया जा रहा। यह रथ ग्रामीण इलाकों में नए वोटरों को जागरूक करने तथा सुधार, स्थानान्तरण एवं नाम विलोपन करने के प्रति गांवों व पंचायतों के लोगों को जागरूक करेगा। मौके पर उप विकास आयुक्त अरूण वाल्टर सांगा, परियोजना निदेशक सलन भुईयां, अपर समाहर्ता अमरेन्द्र कुमार सिन्हा, समाज कल्याण पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी महेन्द्र कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर, जिला योजना पदाधिकारी मुकेश कुमार, जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी पंकज कुमार भगत व अन्य उपस्थित थे।

बंधु तिर्की ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर सिमडेगा की समीक्षा की

भाजपा नेता लुइस कुजूर व अन्य ने थामा कांग्रेस पार्टी का दामन

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कांग्रेस कमिटी की बैठक सिमडेगा परिषदन भवन में जिला अध्यक्ष अनूप केशरी की अध्यक्षता में सम्पन हुई इस कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह सिमडेगा प्रभारी पूर्व मंत्री बंधु तिर्की मुख्य रूप से उपस्थित रहे जहां पर पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके पर उन्होंने बताया आगामी 6 दिसम्बर 2022 को सिमडेगा जिला में होने वाला भारत जोड़ो कार्यक्रम को लेकर समीक्षा की। बैठक कर भारत जोड़ो अभियान को जिला से प्रखंड होते हुए हर बूथ तक करने का दिए निर्देश दिया। मौके पर बंधु तिर्की ने कहा देश मे बढ़ती मंहगाई के खिलाफ, बढ़ती बेरोजगारी, अमीरी गरीबी के बीच बढ़ते फासले, एक दूसरे से नफरत के खिलाफ भारत जोड़ो यात्रा का मूल उद्देश्य देश मे एकता कायम रखना रखना है। इस भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ग्रामीणों के बीच संवाद कार्यक्रम कर उनकी परेशानी को जानना एवं उस परेशानी का निराकरण भी इस यात्रा के माध्यम से करना है भारत जोड़ो यात्रा को सफलतापूर्वक संचालन को लेकर जिला कमिटी प्रखंड, सभी प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष को इसके सफलता का कार्यभार दिया गया। साथ ही उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सिमडेगा के खूंटी टोली चौक से शुरू होकर टुकुपानी चौक तक जाएगी जिसमें हजारों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा प्रखंड स्तर पर गांव गांव भी भारत जोड़ो यात्रा की जाएगी इस यात्रा को झारखंड में उप यात्रा का नाम दिया गया है। बैठक में सिमडेगा विधानसभा के विधायक भूषम बाड़ा, जॉनसन मिंज, प्रदेश डेलीगेट सदस्य प्रदीप केशरी, समी आलम, जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिमा सोरेंग, जिला बीससूत्री उपाध्यक्ष मनोज जैसवाल, जीप सदस्य जोसीमा खाखा शांतिबाला केरकेट्टा, सामरोम पॉल टोपनो एवं कौशल किशोर रोहिल्ला, नॉमिता बा, विशाल तिर्की,नवीन वीरेन तिर्की, तुलसी पारंगत खलखो, अरमान खान, शिशिर मिंज, मनीषा मिंज, प्रतिमा कुजूर, के अलावे अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

भाजपा नेता ने थामा कांग्रेस पार्टी का दामन : कार्यक्रम के उपरांत बीजेपी नेता लुइस कुजूर ने देश मे राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रभावित होकर पूर्व जिला परिषद सदस्य अनिता तिर्की एवम अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की इस दौरान बंधु तिर्की के द्वारा एवं विधायक भूषण बड़ा के द्वारा माला पहनाकर सभी नए कार्यकर्ताओं का कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया एवं सभी लोगों को कांग्रेस पार्टी का नीति सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही ताकि आने वाले दिनों में पार्टी और भी मजबूत हो।

सीएम के संभावित आगमन को लेकर डीडीसी ने की अधिकारियों संग बैठक, दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संभावित लोहरदगा जिला भ्रमण को लेकर शुक्रवार को उप विकास आयुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता मे समाहरणालय सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य रूप से सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, केसीसी, झारखंड राज्य फसल राहत योजना, मुख्यमंत्री ऋण माफी योजना, मनरेगा, छात्रवृत्ति योजनाएं और पर्यटन एवं खेलकूद योजनाओं में जिला के उपलब्धि की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को निदेश दिया गया कि आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना अंतर्गत जो भी आवेदन प्राप्त हुए हैं उनकी समीक्षा कर उसका निष्पादन कराया जाय। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि

महिला पर्यवेक्षिका और बीआरसी के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का भी निष्पादन जल्द कराया जाय। कोई भी आवेदन लंबित ना रहे। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन में प्राप्त आवेदनों का निष्पादन जल्द कराने का निदेश दिया गया। परियोजना निदेशक आइटीडीए, लोहरदगा द्वारा बताया गया कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों में आवेदनों की स्क्रीनिंग प्रारंभ हो चुकी है जो 6 दिसंबर 2022 तक चलेगी। जिन आवदनों में दस्तावेजों की कमी है वैसे आवेदकों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना व गव्य विकास योजना में जिला पशुपालन पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों के लिए ग्रामसभा करा लें। जिला कल्याण पदाधिकारी को भी निदेश दिया गया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से संबंधित आवेदनों की समीक्षा कर उसका निष्पादन कराएं। परियोजना पदाधिकारी, मनरेगा को निदेश दिया गया कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना से संबंधित पशु शेड के लिए जितने आवेदन प्राप्त हैं उसका निष्पादन कराएं। पूर्व से जो पशु शेड लंबित है उसका निष्पादन कराएं। केसीसी से संबंधित प्राप्त आवेदनों को समीक्षा की गई और आवेदनों का निष्पादन कराने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी और एलडीएम, लोहरदगा को निदेश दिया गया। बैठक में आइटीडीए परियोजना निदेशक अरविंद कुमार लाल, समाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक अलमल इंदु उरांव, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ अनुप कुमार, समेत अन्य उपस्थित थे।

भारतीय जीवन दर्शन ही हमारा प्रमुख आधार व उद्देश्य : ब्रह्म राव

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा के समिति कक्ष में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्मा राव की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित हुई। जिसमें विद्यालय प्रबंध कारिणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, सचिव अजय प्रसाद, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, राजेश जी, शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडेय, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास एवं इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य उत्तम मुखर्जी उपस्थित थे। मौके पर ब्रह्मा राव ने कहा कि प्रबंधकारिणी समिति को संगठन के अनुकूल होना अच्छी बात है। टीम के द्वारा ही कोई भी कार्य संभव होता है। टीम वर्क ही संगठन का प्राण है। एक दूसरे से मिलजुल कर कार्य करने के बाद ही कार्यकर्ता का विकास होता है। विद्यालयों में विद्या भारती के जो 4 आयाम हैं, उनके विकास से ही विद्यालय का विकास संभव है। आधारभूत

विषयों का क्रियान्वयन सही प्रकार से यदि होता है, तो बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा एवं मॉडल स्कूल विकसित करना है, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। समाज का नेतृत्व करने वाला विद्यार्थियों का निर्माण, स्वावलंबी एवं कौशल विकास की दृष्टि से ही बच्चों का निर्माण किया जाए, यह हमारा उद्देश्य होना चाहिए। हर भारतीय का जीवन दर्शन एवं विकास सर्वांगीण विकास से ही यह उद्देश्य पूर्ण हो सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान काल में भाषाई की दृष्टि से संकट काल चल रहा है। एक अखबार का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जब 2014 में अपनी सरकार गठित हुई, तो इंग्लैंड के एक अखबार ने यह लिखा था कि आज भारत से पूर्ण रूप से अंग्रेज चले गए। हमारे एकात्मता स्त्रोत में वर्णित इतिहासकारों, वैज्ञानिकों, महापुरुषों का स्मरण भैया - बहनों को कराना तथा भारतीय जीवन दर्शन ही हमारा प्रमुख आधार है। हमारी जीवन पद्धति भारतीय हो, हम सभी गणित, विज्ञान तथा ज्ञान के क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करें। अपनी मातृभाषा के प्रति स्वाभिमान जागृत करें। इस अवसर पर विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास ने विद्यालय के क्रमिक विकास की एक झलक प्रस्तुत की। अखिल भारतीय मंत्री के द्वारा शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर के प्रार्थना सभा कक्ष, प्रधानाचार्य कक्ष, कार्यालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला सहित कक्षा का निरीक्षण किया। सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर तथा मनोहर लाल अग्रवाल इंटर महाविद्यालय महाविद्यालय का सभी लोगों ने विविध गतिविधियों का निरीक्षण किया।

हक-अधिकार प्राप्ति के लिए जेएसएलपीएस ने ग्राम स्तरीय समन्वय समिति को दिया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। प्रखंड के जेएसएलपीएस कार्यालय में शुक्रवार को ग्राम स्तरीय समन्वय समिति का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुरूआत किया गया। प्रशिक्षण एसआरपी आरती बड़ाइक एवं ब्रिजीट कंडुलना के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में जलडेगा तथा पतिअम्बा पंचायत के सभी वार्ड सदस्य, पंचायत के मुखिया तथा सभी ग्राम संगठन के अध्यक्ष, सचिव तथा कोषाध्यक्ष शामिल रहे। प्रशिक्षण में सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए ग्राम स्तर पर समन्वय बनाकर अपने हक और अधिकार की योजनाओं को अधिक से अधिक प्राप्त करने की

जानकारी दी गई। वही जेएसएलपीएस के सीसी मुंगेश्वर साहू एवं बेलमती बोदरा ने उपस्थित लोगों को बताया कि वर्तमान में जेएसएलपीएस द्वारा ग्राम गरीबी उन्मूलन परियोजना (भीपीआरपी) ऐप के माध्यम से गांव स्तर पर हकदारी योजना, लाइवलीहुड योजना, सामुदायिक योजना एवं सामाजिक विकास के लिए भी योजनाओं का चयन तथा उसका प्राथमिकीकरण किया जा रहा है इसके लिए ग्राम स्तर के लिए चयनित सीआरपी, वार्ड और मुखिया समन्वय बनाकर जनकल्याण के लिए अधिक से अधिक योजना को देने के लिए प्रयास करें ताकि गांव के गरीब से गरीब लोगों को भी सरकारी योजना को लाभ मिल सके।मौके पर जेएसएलपीएस के बीपीएम मुकुल खाखा, सीसी मुंगेश्वर साहू, बेलमती बोदरा, ललिता हेम्बरोम, आरती बड़ाइक, ब्रिजेट कंडुलना, संगीता कुमारी सहित वार्ड सदस्य और समूह की दीदी उपस्थित थी।

हटिया गार्डन में भव्य नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

- भूमि पूजन में शामिल हुए एसपी, मंदिर निर्माण के लिए नींव रखी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 अंतर्गत हटिया गार्डन में भव्य नव दुर्गा मंदिर निर्माण को लेकर विधि-विधान पूर्वक भूमि पूजन की गई। पंडित रामसेवक पाठक, जयशंकर मिश्र एवं परमानंद मिश्रा समेत अन्य पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन संपन्न कराई गई। यजमान के रूप में नवल किशोर अग्रवाल उनकी धर्मपत्नी रीता अग्रवाल, विश्वविजय अग्रवाल उनकी धर्मपत्नी अनु अग्रवाल, दुर्गा सोनी उनकी धर्मपत्नी शकुंतला देवी, विजय महतो उर्फ विक्की व उनकी धर्मपत्नी संगीता महतो एवं सुमन महतो व उनकी धर्मपत्नी पूजा कुमारी के द्वारा विधि विधान पूर्वक भूमि पूजन की गई। बताया गया कि नवदुर्गा मंदिर में माँ के सभी नौ रूपो की प्रतिमा स्थापित होगी। वही देश के प्रसिद्ध कारीगरों के द्वारा मंदिर निर्माण कराया जाएगा। इधर भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से लोहरदगा पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने पहुचंकर भूमि पूजन कार्यक्रम मे हिस्सा लिया। पुरोहितों से आशीर्वाद लेकर भूमि पूजन के बाद खुद से कुदाल चलाकर नींव के लिए ईंट बिछाया। इसके बाद माँ दुर्गा की आरती में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया । इस मौके पर एसपी आर रामकुमार ने कहा कि मंदिर निर्माण जैसे पवित्र कार्य में शामिल होना अपने आप मे गौरव

की बात है। कहा कि माँ दुर्गा की कृपा से आज यहाँ नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन हुआ है। कहा कि नवदुर्गा मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम यहाँ के भूमि दाताओं और मंदिर निर्माण कमिटी के सदस्यों का सामूहिक प्रयास से यह संभव हुआ है। मंदिर निर्माण कार्य में हमारे तरफ से हर संभव मदद किया जाएगा। मंदिर निर्माण के लिए जो भी सहयोग होगा हम जरूर करेंगे। मौके पर सदर थाना प्रभारी पंकज शर्मा, राजेंद्र खत्री, ओम सिंह, सूरज अग्रवाल, विमलकांत सिंह, आर्मी रिटायर्ड सह समाजसेवी डॉ टी साहू, अशोक महतो, धनंजय कास्यकार, राजेश महतो, जगदीप भगत, उमेश कास्यकार, राजीव रंजन, चंद्रशेखर मेहता, विजय खत्री, सुमित खत्री, सीताराम महतो, अविनाश कुमार सहित मंदिर निर्माण समिति के सभी संरक्षक पदाधिकारी के साथ हटिया गार्डन विकास मंच के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भाग लिया। भूमि पूजा के बाद भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमे हजारों महिला पुरुषों ने भंडारा का प्रसाद ग्रहण कर मंदिर निर्माण में हर संभव सहयोग करने की बात कही। इस मौके पर सभी ने अपनी क्षमता अनुसार मंदिर निर्माण में सहयोग करने की बात कही।

एमएलए सविमं इंटर कॉलेज में वार्षिक खेलकूद समारोह का समारोह पूर्वक हुआ शुभारंभ

अनुशासन का सबक सिखाता है खेल : सांसद सुदर्शन भगत

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय लोहरदगा में वार्षिक खेलकूद समारोह सप्ताह का समारोह पूर्वक शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद सुदर्शन भगत और विशिष्ट अतिथि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री ब्रह्माजी राव सहित अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर मुख्य अतिथि सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि खेलकूद जीवन में अनुशासन का सबक सिखाता है। विशिष्ट अतिथि ब्रह्माजी राव ने कहा कि विद्यार्थियों को खेल में कठोर परिश्रम से सफलता का मार्ग प्रशस्त करना सीखना चाहिए। उद्घाटन समारोह में महाविद्यालय के भैया बहनों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर इसे यादगार बनाया। विशिष्ट अतिथि ने खेल ध्वज फहराया और मार्च पास्ट की सलामी ली। मसाल भी प्रज्ज्वलित किया। विद्या मंदिर घोष दल द्वारा अतिथियों

का स्वागत हुआ। प्राचार्य उत्तम मुखर्जी ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया। खेल प्रमुख यशोदा कुमारी ने खेल वृत्त प्रस्तुत किया' संचालन प्रीति कुमारी गुप्ता और धन्यवाद ज्ञापन नीतू कुमारी ने किया। मंच से राष्ट्रीय स्तर पर 3000 मीटर तेज चाल में पदक जीतने वाली पूनम कुमारी और राष्ट्रीय स्तर पर ऊंची कूद में सहभागिता निभाने वाले सुजल बाखला को सम्मानित किया गया। सांसद सुदर्शन भगत ने महाविद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए सांसद मद से लगभग 11 लाख की राशि से चहारदीवारी निर्माण का शिलान्यास किया। पहले दिन संपन्न स्पर्धाओं में 100 मीटर की दौड़ जीतकर नीलिमा लकड़ा महाविद्यालय की सबसे तेज धाविका बनी। नीलिमा ने 200 मीटर की दौड़ में भी गोल्ड मेडल जीता। 100 मीटर दौड़ में सुषमा अभिषेक लकड़ा ने सिल्वर और मंजू टोप्पो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 200 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल मंजू टोप्पो और ब्रोंज मेडल पूर्णिमा भगत ने जीता। बालक वर्ग के घड़ा दौड़ में रोहित कुमार साहू ने गोल्ड, सुभाष उरांव ने सिल्वर और आकाश भगत में ब्रोंज मेडल जीता। तीन पैर की दौड़ में सतीश टोप्पो एवं शिव शंकर उरांव की जोड़ी ने गोल्ड, चरणजीत उरांव और आदित्य उरांव की जोड़ी ने सिल्वर तथा पवन लकड़ा एवं शशि तिग्गा की जोड़ी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। स्लो साइकिल रेस में चरणजीत उरांव ने गोल्ड और अमन उरांव ने सिल्वर मेडल जीता। समारोह की अध्यक्षता शशिधर लाल अग्रवाल ने की। मौके पर विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, प्रांतीय घोष प्रमुख राजेश प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि चंद्रशेखर अग्रवाल, श्याम बिहारी यादव, आशुतोष मिश्रा, अजय प्रसाद, अनिल अग्रवाल, डॉ शशि गुप्ता, पुष्कर महतो, शोभा देवी, विद्या नंदन शर्मा, बिपिन कुमार दास, सुरेश चंद्र पांडे, जीतराम बड़ाईक, सचिन किसलय, दीपक कुमार, सचित सिंह, हिमांशु केसरी, शिव शंकर सिंह, सीमा केसरी सहित अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स ने डिजिटल करंसी का किया स्वागत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कंफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा देश में डिजिटल रुपये का चलन शुरू किए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि वह व्यापारियों के बीच डिजिटल रुपये को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करेगा। रिजर्व बैंक ने पहले घोषित योजना के अनुसार गुरुवार से चुनिंदा शहरों में सीमित संख्या में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और ग्राहकों के बीच डिजिट-रुपये के माध्यम से लेन-देन का परीक्षण शुरू कराया है। कैट ने कहा है, खुदरा स्तर पर डिजिटल मुद्रा शुरू करने का भारतीय रिजर्व बैंक का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है और कैट जल्द ही व्यापार में भुगतान के तरीके के रूप में डिजिटल रुपये को अपनाने और स्वीकार करने के लिए देश भर के व्यापारिक समुदाय के बीच जागरुकता अभियान शुरू करेगा। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, डिजिटल रुपया भारत में व्यापार और वाणिज्य में भुगतान परिदृश्य को बदल देगा। हमारे देश में खुदरा बाजार का सटीक आकार रिकॉर्ड किए गए लेन-देन से प्रमाणित होगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को जमीनी स्तर से बढ़ावा देगा। कैट के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत बड़ी है लेकिन खुदरा स्तर पर नकद मुद्रा के उपयोग के कारण व्यापार नकद करेंसी का एक बड़ा हिस्सा है जो बेहिसाब रह जाता है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No-10/RCD/Daltonganj/2022-23/1015
Dated:-01.12.2022

1.	Name of Work	**IRQP work of Daltonganj - Chainpur Road MDR-119 (Length- 2.64 km) for the year 2022-23.**
2.	Estimated Cost	**Rs. 2,37,54,000.00 (Rupees Two Crore Thirty Seven Lacs Fifty Four Thousand) Only.**
3.	Bid Security (Amount)	**Rs. 2,37,600.00 (Rupees Two Lacs Thirty Seven Thousand Six Hundred) Only.**
4.	Time of Completion	**02 Months**
5.	Date of Publication of Tender on Website	**10.12.2022, 10:30 AM**
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	**26.12.2022, 12:00 Noon**
7.	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	**28.12.2022, 15:00 PM**
8.	Date and Time of Bid opening	**30.12.2022, 12:30 PM**
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	**Office of the Chief Engineer (Com.) -Cum- Nodal officer, e-Procurement Cell, Road Const. Dept. 1st Floor, Engineering Hostel, No.-2, Dhurwa, Ranchi.834004.**
10.	Name & address of officer Inviting tender	**Executive Engineer, R.CD., Road Division, Daltonganj.**06562–225019
11.	E-mail Id	**eercdmedini-jhr@nic.in**
12.	Helpline number of e-Procurement cell	**0651-2401010**

Note : Estimated amount may be very.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj

PR 284052 Road (22-23)_D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No-8/ RCD/Daltonganj/2022-23/ 1017 Dated:-01.12.2022

1.	Name of Work	Re-construction Missing link Work of Padma Chak Via Manatu Road (Length- 1.828 K.m) for the year 2022-23.
2.	Estimated Cost	Rs. 7,73,41,000.00 (Rupees Seven Crore Seventy Three Lacs Forty One Thousand) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 7,73,500.00 (Rupees Seven Lacs Seventy Three Thousand Five Hundred) Only.
4.	Time of Completion	03 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	10.12.2022, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	26.12.2022, 12:00 Noon
7.	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	28.12.2022, 15:00 PM
8.	Date and Time of Bid opening	30.12.2022, 12:30 PM
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Office of the Chairman , e-Procurement Cell, Room No. 330A, 3rd floor, Road Construction Department, Jharkhand Mantralaya ,Dhurwa , Ranchi.
10.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.CD., Road Division, Daltonganj. 06562–225019
11.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
12.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may be very.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 284042 Road(22-23)#D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No-7/ RCD/Daltonganj/2022-23/ 1016 Dated:- 01.12.2022

1.	Name of Work	**IRQP work of Daltonganj-Chhamuhan to Zila School, Head Post Office, Tinkoniya Garrage Via Town Hall Road (Length-1.80 km) (ODR) for the year 2022-23.**
2.	Estimated Cost	**Rs. 1,34,07,700.00 (Rupees One Crore Thirty Four Lacs Seven Thousand Seven Hundred) Only.**
3.	Bid Security (Amount)	**Rs. 1,35,000.00 (Rupees One Lacs Thirty Five Hundred) Only.**
4.	Time of Completion	**02 Months**
5.	Date of Publication of Tender on Website	**09.12.2022, 10:30 AM**
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	**23.12.2022, 12:00 Noon**
7.	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	**26.12.2022, 15:00 PM**
8.	Date and Time of Bid opening	**28.12.2022, 12:30 PM**
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	**Office of the Chief Engineer (Com.)-Cum- Nodal officer, e-Procurement Cell, Road Const. Dept. 1stFloor, Engineering Hostel,No.-2, Dhurwa, Ranchi. 834004.**
10.	Name & address of officer Inviting tender	**Executive Engineer, R.CD., Road Division, Daltonganj.**06562–225019
11.	E-mail Id	**eercdmedini-jhr@nic.in**
12.	Helpline number of e-Procurement cell	**0651-2401010**

Note : Estimated amount may be very.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 284049 (Road) 22-23 (D)

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, पलामू
(समाज कल्याण शाखा)
Email ID - dswopalamau@gmail.com

(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)

वित्तीय वर्ष 2022–23 में पलामू जिला अन्तर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 3–6 वर्ष तक के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (स्वेटर) का क्रय/आपूर्ति हेतु जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, पलामू के पत्रांक 1445/दिनांक 26.11.2022 के द्वारा अति अल्पकालीन निविदा तथा पत्रांक 1475/दिनांक 29.11.2022 के द्वारा निविदा की शुद्धि–पत्र निकाली गई है, जिसे जिले के अधिकारिक वेबसाईट www.palamu.nic.in पर अथवा जिला समाज कल्याण कार्यालय, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
पलामू

PR 284031 Social Welfare,Women and Child Development(22-23)#D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER & SANITATION DIVISION, MEDININAGAR

E-Procurement Notice (1th Call)
Short E-Tender Notice Reference no.
DWSD/SVS/CLUSTER/MED-21/2022-23 Dated : 01-12-2022

1	Name of the Department	**Drinking Water and Sanitation Department, Jharkhand, Ranchi**
2	Date of publication of Tender on Web site	**20.12.2022 / 12.30 P.M.**
3	Date of Pre-bid Meeting	**27.12.2022 / 12.30 P.M.** Office of the Engineer-In-Chief, D.W.S.D, Nepal House, Ranchi
4	Last date / Time for receipt of Bid	**06.01.2023 / 05.00 P.M.**
5	Last date / Time for receipt of EMD Cost & BOQ Cost. (in Hard Copy)	**09.01.2023 / 05.00 P.M.** 1. Office of the Regional Chief Engineer, Ranchi Zone Ranchi, D.W.S.D, Doranda, Ranchi 2. Office of the Superintending Engineer, DW&S Circle, Medininagar 3. Office of the Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
6	Date & time of Opening of Tender	**10.01.2023 / 04.00 P.M.**
7	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
8	Name & Address of Tender Opening officer	Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
9	Contact No. of Procurement office	9835068475
10	Help No. of e-Procurement Cell	0651-2490920
11	**Detailed survey, designing and drawing, construction of 26946 nos. FHTC in different block of Palamau District comprising of suitable R.C.C/Frame Structure ESR, Distribution Line, Source (as required) & 5 years Operation and Maintenance all complete job "On Turnkey Basis" under DW&S Division, Medininagar for the year 2022-23.**	

SL. No.	Group No.	No. of Panchayat	No. of Village	No. of Scheme	Estimated Cost (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Cost of BOQ (In Rs.)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	SVS/CLUSTER-14	2	7	73	702.39293	7.03	10000.00	9 Months
2	SVS/CLUSTER-15	2	11	89	938.80649	9.39	10000.00	9 Months
3	SVS/CLUSTER-16	2	12	97	962.19678	9.63	10000.00	9 Months
4	SVS/CLUSTER-17	1	7	88	840.96299	8.41	10000.00	9 Months
5	SVS/CLUSTER-18	1	8	69	672.53707	6.73	10000.00	9 Months
6	SVS/CLUSTER-22	1	22	84	751.87320	7.52	10000.00	9 Months
7	SVS/CLUSTER-23	1	10	58	570.92570	5.71	10000.00	9 Months
8	SVS/CLUSTER-24	2	20	96	963.14692	9.64	10000.00	9 Months
9	SVS/CLUSTER-26	2	3	74	829.69158	8.30	10000.00	9 Months
10	SVS/CLUSTER-28	2	8	87	951.29407	9.52	10000.00	9 Months
11	SVS/CLUSTER-30	2	18	101	916.69725	9.17	10000.00	9 Months
12	SVS/CLUSTER-78	1	13	67	592.49071	5.93	10000.00	9 Months

- **Estimated Cost & EMD Cost may vary.**
- **Further details can be seen on website** http://jharkhandtenders.gov.in

SAVE WATER FOR COMING GENERATIONS

Executive Engineer
DW&S Division,
Medininagar

PR 284027 (Drinking Water and Sanitation)22-23*D

कार्यालय जिला परिषद,पलामू
E-mail-zilaparishad.palamu@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.11.2022 को संपन्न जिला परिषद बोर्ड की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में विभिन्न प्रखण्डो में स्थित जिला परिषदीय बहुद्देशीय भवन/डाक बंगला की बंदोबस्ती 5 वर्ष के लिए खुली डाक के द्वारा निम्नांकित तिथि को उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के डी0आर0डी0ए0 स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में की जायेगी।

क्र0	प्रखण्ड	सैरात का नाम	बन्दोबस्ती की अवधि	एक वर्ष के लिए डाक की न्यूनतम राशि	अग्रधन की राशि 25%	डाक की तिथि	समय
1	2	3	4	5	6	7	8
1	हरिहरगंज	हरिहरगंज व्यसायिक ईकाई (2 बहुद्देशीय भवन एवं 2 डाक बंगला सहित संपूर्ण परिसर)।	5 वर्ष	432000.00	108000.00	13-12-2022	अपराह्न 1:00 बजे
2	छतरपुर	छतरपुर व्यसायिक ईकाई (1 डाक बंगला एवं 1 बहुद्देशीय भवन सहित संपूर्ण परिसर)।	5 वर्ष	200000.00	50000.00		
3	विश्रामपुर	विश्रामपुर व्यसायिक ईकाई (1 बहुद्देशीय भवन एवं 2 डाक बंगला)।	5 वर्ष	336000.00	84000.00		
4	सदर मेदिनीनगर	पुराना प्रखण्ड कार्यालय, मेदिनीनगर के बगल में जिला परिषदीय भवन (वर्तमान में NPU संचालित)।	5 वर्ष	900000.00	225000.00		

उपरोक्त सैरात के बंदोबस्ती हेतु खुली डाक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को दिनांक 12.12.2022 तक कॉलम संख्या–6 में निर्धारित अग्रधन राशि बैंक ड्राफ्ट द्वारा जो **सचिव, जिला परिषद, पलामू** के पदनाम से भुगतेय होगा, कार्यालय जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। बैंक ड्राफ्ट के साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो, वैध चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, पहचान पत्र एवं पैन कार्ड का छायाप्रति जमा करना आवश्यक होगा। सैरात की बंदोबस्ती की अवधि 5 वर्षो की होगी। सर्वोच्च डाक वक्ता को डाक समाप्ति के पश्चात् तत्काल सम्पूर्ण डाक राशि का 50% नकद राशि के रूप में नजारत जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। एक डाक से दूसरे डाक के बीच की अन्तर राशि न्यूनतम 10000.00 (दस हजार) रूपये की होगी। क्रमांक 4 पर अंकित जिला परिषदीय भवन में वर्तमान में NPU संचालित है। NPU द्वारा जिला परिषद को भवन हस्तगस्त करने के पश्चात् आवटन की तिथि अनुमान्य होगी।

उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू को बिना कारण बताये डाक स्थगित करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी प्रकार के वाद–विवाद का निपटारा स्थानीय न्यायालय में किया जायेगा।

नोट :– उपरोक्त सैरात के आवंटन में सरकारी/अर्द्ध सरकारी निकायों को प्राथमिकता दी जायेगी।

ह0/–
उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू

PR 284079 District(22-23).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा
e-mail ID : eedwsd.lohardaga@gmail.com

ई–प्रोक्योरमेंट अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 11/2021–22
(PR No. – 257279 का नवम् आमंत्रण)

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड़।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा।
3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 06.12.2022 के अपराह्न 3.30 बजे से
4. बीड प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 15.12.2022 को अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य (हार्ड कॉपी में) जमा करने की तिथि, समय एवं स्थान :– 16.12.2022 को अपराह्न 3.30 बजे तक, 1. कार्यपालक अभियन्ता, लोहरदगा के कार्यालय में। 2. अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, गुमला के कार्यालय में।
6. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 17.12.2022 को पूर्वाह्न 11.30 बजे से।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा।
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0 :– 9431516030
9. कार्य की विवरणी :– Construction of Cluster wise Single Village Water Supply Scheme on Solar Energy based Mini Water Supply Scheme in different blocks of Lohardaga District which are not included in MVS/Other Schemes to supply water and house connection with 05 years Operation and maintenance works on "Turn-key basis" under D.W.& S.Division, Lohardaga for the year 2021-22 under JJM.

क्र0	प्रखण्ड	ग्रामों की संख्या	टोलों की संख्या	योजना की संख्या	FHTC की संख्या	ग्रुप संख्या	प्राक्कलित राशि लगभग (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Kisko	09	69	81	1350	Loh/SVS/ Cluster-01B	6,29,79,000.00	6,30,000.00	10,000.00	09 months

नोट : 1. निविदा की नियम एवं शर्ते आदि कार्यालय सूचना पट्ट एवं झारखण्ड सरकार के वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर उपलब्ध है।
2. परिमाण विपत्र की राशि बैंक ड्राफ्ट के रूप में प्राथमिकता के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक का देय होगा।
3. संवेदकों का UCAN निबंधन अनिवार्य है।
4. प्राक्कलित राशि घट या बढ़ सकती है, तदनुसार ही अग्रधन की राशि देय होगी।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, लोहरदगा

PR 284081 (Lohardaga) 22-23 (D)

झारखण्ड सरकार, ग्रामीण कार्य विभाग
मुख्य अभियंता का कार्यालय
102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी रोड, राँची

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा संख्या:- 143/2022-23/RWD/DALTONGANJ दिनांक :- 02.12.2022

मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि
1.	RWD/ DALTONGANJ/ 07/2022-23	पंचायत कंचनपुर से गरीघाट होते हुए मध्य विद्यालय बसनाराज तक पथ निर्माण कार्य (लं– 3.150 कि0मी0)	2,99,93,500.00	दो करोड़ निनानवे लाख तेरानवे हजार पाँच सौ रू0 मात्र	15 माह
2.	RWD/ DALTONGANJ/ 08/2022-23	मुरूमदाग पंचायत भवन से मंझौली मुख्य सड़क तक पथ निर्माण कार्य (लं– 2.900 कि0मी0)	2,48,13,400.00	दो करोड़ अड़तालीस लाख तेरह हजार चार सौ रू0 मात्र	12 माह
3.	RWD/ DALTONGANJ/ 09/2022-23	पी0डब्लू0डी0 मेन रोड से रेवाडीह अमवाडीह भाया खेखही स्कूल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (लं– 2.300 कि0मी0)	1,10,90,100.00	एक करोड़ दस लाख नब्बे हजार एक सौ रू0 मात्र	09 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि:– 14.12.2022
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय:– 26.12.2022 अपराह्न 5.00 बजे।
4. (क) मुख्य अभियंता कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग, अभियंत्रण भवन, कचहरी, राँची अथवा (ख) जिला नियंत्रण कक्ष, राँची अथवा (ग) जिला नियंत्रण कक्ष, डालटनगंज में से किसी भी कार्यालय में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:– 27.12.2022 पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 3.30 बजे तक।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 28.12.2022 पूर्वाह्न 11.30 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता:– मुख्य अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, 102, द्वितीय तल्ला, अभियंत्रण भवन, कचहरी चौक, राँची, झारखण्ड, पिन– 834001
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2207818
8. निविदा शुल्क झारखण्ड राज्य में अवस्थित भारतीय स्टेट बैंक/अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निविदाकार के नाम/अकाउंट से ही निर्गत बैंक ड्राफ्ट के रूप में कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, डालटनगंज के पक्ष में एवं डालटनगंज में भुगतेय होगा जो लौटाया नहीं जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

नोडल पदाधिकारी
ई–प्रोक्युर्मन्ट सेल

PR 284109 Rural Work Department (22-23)_D

GOVERNMENT OF JHARKHAND
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER & SANITATION DIVISION, MEDININAGAR

E-Procurement Notice (1th Call)
Short E-Tender Notice Reference no. DWSD/SVS/CLUSTER/MED-22/2022-23 Dated : 02-12-2022

1	Name of the Department	**Drinking Water and Sanitation Department, Jharkhand, Ranchi**
2	Date of publication of Tender on Web site	**28.12.2022 / 12.30 P.M.**
3	Date of Pre-bid Meeting	**04.01.2023 / 12.30 P.M.** Office of the Engineer-In-Chief, D.W.S.D, Nepal House, Ranchi
4	Last date / Time for receipt of Bid	**16.01.2023 / 05.00 P.M.**
5	Last date / Time for receipt of EMD Cost & BOQ Cost. (in Hard Copy)	**17.01.2023 / 05.00 P.M.** 1. Office of the Regional Chief Engineer, Ranchi Zone Ranchi, D.W.S.D, Doranda, Ranchi 2. Office of the Superintending Engineer, DW&S Circle, Medininagar 3. Office of the Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
6	Date & time of Opening of Tender	**18.01.2023 / 04.00 P.M.**
7	Name & Address of Office inviting tender	Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
8	Name & Address of Tender Opening officer	Executive Engineer, DW&S Division, Medininagar
9	Contact No. of Procurement office	9835068475
10	Help No. of e-Procurement Cell	0651-2490920
11	**Detailed survey, designing and drawing, construction of 13515 nos. FHTC in different block of Palamau District comprising of suitable R.C.C/Frame Structure ESR, Distribution Line, Source (as required) & 5 years Operation and Maintenance all complete job "On Turnkey Basis" under DW&S Division, Medininagar for the year 2022-23.**	

SL. No.	Group No.	No. of Panchayat	No. of Village	No. of Scheme	Estimated Cost (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Cost of BOQ (In Rs.)	Time of Completion
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	SVS/CLUSTER-13	2	10	61	588.84980	5.89	10000.00	9 Months
2	SVS/CLUSTER-19	2	14	79	782.47685	7.83	10000.00	9 Months
3	SVS/CLUSTER-25	2	19	91	903.91726	9.04	10000.00	9 Months
4	SVS/CLUSTER-41	1	7	61	634.40035	6.35	10000.00	9 Months
5	SVS/CLUSTER-42	1	9	52	516.51601	5.17	10000.00	9 Months
6	SVS/CLUSTER-79	1	12	55	556.18048	5.57	10000.00	9 Months
7	SVS/CLUSTER-80	1	9	59	545.58998	5.46	10000.00	9 Months
8	SVS/CLUSTER-86	1	15	57	531.59199	5.32	10000.00	9 Months

- **Estimated Cost & EMD Cost may vary.**
- **Further details can be seen on website** http://jharkhandtenders.gov.in

SAVE WATER FOR COMING GENERATIONS

Executive Engineer
DW&S Division, Medininagar

PR 284102 Drinking Water and Sanitation (22-23)_D

सम्पादक की कलम से...

बिजली कटौती से उद्योग प्रभावित

झारखंड के उद्योगों की निर्भरता बिजली पर अधिक है। लेकिन राज्य में बिजली संकट थमने का नाम नहीं ले रही है। इससे राज्य के उद्योगों और आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कटौती के कारण उद्योगों की स्थिति भी बदतर हो चली है। जहां डीवीसी कमांड एरिया में साल भर उद्यमी बिजली समस्या से परेशान रहते है। वहीं, अब अन्य जिलों में भी बिजली संकट गहराता जा रहा है। रांची, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो जैसे औद्योगिक शहरों में छह से दस घंटे तक की बिजली कटौती हो रही है। औद्योगिक संगठनों की मानें तो हजारों उद्योग इस संकट से परेशान हैं। उद्योगों में प्रोडक्शन में कमी के कारण नुकसान का सामना भी करना पड़ रहा है। कुछ उद्योगों में जेनरेटर का इस्तेमाल बढ़ने से उत्पादन लागत दो से तीन गुणी बढ़ गयी है। तुपूदाना, नामकुम, इरबा इलाके के उद्योगों की बात करें तो उत्पादन लागत जेनरेटर के इस्तेमाल से बढ़ा है। इसके साथ ही उद्योगों को मिलनेवाले डिमांड या ऑर्डर में काफी अंतर आ गया है। बिजली की कमी के कारण लोग ऑर्डर पूरा नहीं कर पा रहे हैं। नतीजा यह है कि लोग अब झारखंड के बजाय दूसरे राज्यों से उत्पाद खरीद रहे हैं। सिर्फ रांची में ही कोकर, नामकुम, तुपुदाना, नगड़ी, ओरमांझी सहित अन्य जगहों के दो हजार से अधिक छोटे-बड़े उद्योगों में काम जारी रखना अब मुश्किल हो रहा है।

यहां आयरन स्पंज, आयरन ऑर, स्टील फर्नेस, टेक्सटाइल समेत अन्य उद्योग स्थापित है, जो पूरी तरह से बिजली पर निर्भर है। लेकिन पिछले दो महीने से जारी बिजली संकट के दौरान अब उद्योगों को चलना मुश्किल हो गया है। वहीं, कामगारों के सामने भी रोजगार की समस्या आने लगी है। कुछ उद्योग संचालकों की मानें तो बार-बार की बिजली कटौती से तकनीकी समस्या अधिक है। एक उद्योग में अचानक बिजली कट जाने से दुबारा मशीन शुरू करने में 45 मिनट से एक घंटे का समय लगता है। ऐसे में कंपनियों को नुकसान हो रहा है। वहीं, प्लास्टिक जैसे उद्योग में बार-बार ऐसा होने से कच्चा माल भी खराब हो जाता है। राज्य में फिलहाल पांच सौ मेगावाट तक बिजली की कमी है। यह कमी सेंट्रल पुल से की जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि जब तक राज्य सरकार बकाया भुगतान नहीं करती है, तब तक सामान्य बिजली नहीं मिलेगी। वहीं, जेबीवीएनएल को पिछले कुछ समय से राजस्व वसूली में नुकसान हो रहा है। जिसके कारण ये स्थिति हुई है। डीवीसी की ओर से भी दस फीसदी बिजली कटौती की जा रही है। बात अगर राजधानी रांची की करें तो यहां अलग-अलग इलाकों में छह घंटे तक की बिजली कटौती की जा रही है। राजधानी रांची में प्रतिदिन लगभग 300 मेगावाट तक बिजली की जरूरत होती है। पिछले कुछ समय से राजधानी में 260 मेगावाट तक बिजली मिल रही है जिससे राजधानी में यह समस्या हो रही है। पीक ऑवर में सुबह 6 बजे से 10 बजे और शाम को 6 बजे से रात 11 बजे तक लोड शेडिंग की जा रही है।

आज का इतिहास

1996 : राजनेता एवं अभिनेता एन टी रामाराव का निधन।
1997 : 'नफीसा जोसेफ' मिस इंडिया बनीं।
2001 : लारेंट काविला की हत्या के बाद उसके पुत्र ने कांगों की सत्ता सम्भाली।
2002 : अमेरिका भारत को अत्याधुनिक हथियार देने को राजी।
2002 : पश्चिम अफ्रीकी देश सियरा लियोन में गृह युद्ध समाप्त।
2003 : हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन का निधन।
1866 : 'वेसले कॉलेज' की मेलबर्न में स्थापना की गयी।
1896 : 'एक्सरे मशीन' का पहला प्रदर्शन किया गया।
1919 : 'बेंटले मोटर्स लिमिटेड' की स्थापना।
1930 : रवीन्द्रनाथ टैगोर ने साबरमती आश्रम की यात्रा की।
1945 : सोवियत संघ की सेना पोलैंड के शहर कराकोव पहुंची और जर्मनी को वहां से पीछे हटने पर मजबूर किया।
1951 : नीदरलैंड में झूठ पकड़ने वाली मशीन का पहली बार इस्तेमाल।
1952 : मिस्र में ब्रिटेन विरोधी दंगे भड़के।
1959 : महात्मा गांधी की सहयोगी मीरा बेन (मैडलिन स्लैड) ने भारत छोड़ा।
1960 : अमेरिका तथा जापान ने संयुक्त रक्षा समझौता किया।
1962 : अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1963 : फ्रांस ने यूरोपीय साझा बाजार से ब्रिटेन को अलग करने की वकालत की।
1968 : अमेरिका और तत्कालीन सोवियत रूस परमाणु हथियारों पर नियंत्रण के लिए एक संधि के प्रारूप पर सहमत हुए।
1968 : तत्कालीन सोवियत रूस ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया।
1976 : फ्रांस ने जासूसी के आरोप में 40 सोवियत अधिकारियों को देश से निष्कासित किया।
1989 : चेकोस्लोवाकिया में लाखों लोगों ने आजादी और मानवाधिकार के समर्थन में प्रदर्शन किया।
2006 : अमेरिका में इच्छा मृत्यु पर सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगायी।

अमेरिकी समाज में नस्लवाद की जड़ें

> अमेरिका में आजादी की प्रतिमा (स्टैचू आफ लिबर्टी) आजादी के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थी और वहां रंगभेद तथा नस्लभेद मिटाने के लिए न केवल कानून बनाये गये। बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अभियान भी चले। अमेरिकी समाज एक खुले आजाद और सहनशील समाज के रूप में स्थापित हुआ था, जहां कोई दूसरे के भीतर तांक-झांक नहीं करता था। वहां की संपन्नता और सुविधायुक्त जीवन ने दुनिया को आकर्षित किया। द्वितीय विश्वयुद्ध तथा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग कर वह आर्थिक और सामरिक शक्ति के मामले में विश्व शक्ति बन गया।

ट्रंप की पार्टी का बड़ा हिस्सा इसी रणनीति पर चल रहा है। अगर धोखे से अमेरिका ईसाई राष्ट्र बनता है, तो यह समूची दुनिया में धर्मनिरपेक्षता के लिए मारक घटना होगी व शायद दुनिया के बहुत सारे देश, जो धर्मनिरपेक्ष हैं, उन्हें एक धर्म का राष्ट्र बनने की ओर धकेलेगी। दुनिया में शक्ति संतुलन का स्वरूप बदल जायेगा। अमेरिका का जन्म ही एक प्रकार से साम्राज्यवाद से हुआ है। ब्रिटिश नस्ल के लोगों ने वहां पहुंच कर न केवल अमेरिकी भू-भाग पर आधिपत्य जमाया, बल्कि वहां के स्थानीय लोगों, जो अधिकतर आदिवासी और काले रंग के थे। कुछ अंतराल के बाद इस दास प्रथा और सत्ता के विरुद्ध वहां के मूल निवासियों ने भारी विद्रोह किया। इस गृहयुद्ध के फलस्वरूप अंततः अमेरिकी सरकार ने दास प्रथा की समाप्ति की घोषणा की। अमेरिका में आजादी की प्रतिमा (स्टैचू आफ लिबर्टी) आजादी के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थी और वहां रंगभेद तथा नस्लभेद मिटाने के लिए न केवल कानून बनाये गये। बल्कि सामाजिक और राजनीतिक अभियान भी चले। अमेरिकी समाज एक खुले आजाद और सहनशील समाज के रूप में स्थापित हुआ था, जहां कोई दूसरे के भीतर तांक-झांक नहीं करता था। वहां की संपन्नता और सुविधायुक्त जीवन ने दुनिया को आकर्षित किया। द्वितीय विश्वयुद्ध तथा जापान के हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग कर वह आर्थिक और सामरिक शक्ति के मामले में विश्व शक्ति बन गया। कई दशक तक अमेरिका एकमात्र विश्व शक्ति बना रहा और लगभग दो दशक के बाद जब साम्यवादी रूस और चीन की सामरिक शक्ति बढ़ी, तो अमेरिका को कुछ चुनौती मिली और शीत युद्ध आरंभ हुआ। शीत युद्ध एक प्रकार से कूटनीति और रणनीति के कौशल का युद्ध था, जिसमें सीधे हथियारों का प्रयोग अमेरिका का सैन्य समूह नेटो और साम्यवादी देशों का सैन्य समूह सेंटो युद्ध नहीं करते थे, बल्कि ये दोनों पीछे से अपने प्यादे और मोहरों को लड़ाते थे। उन्हें शस्त्र, धन आदि की आपूर्ति करते थे। लगभग दो दशक तक यह स्थिति रही और रूस के बिखराव के बाद अमेरिका फिर से एक नई विश्व शक्ति के रूप में स्थापित हो गया। हालांकि बीसवीं सदी की समाप्ति और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के बाद चीन ने अमेरिकी आर्थिक साम्राज्यवाद और एकमात्र विश्व शक्ति होने के दर्जे को चुनौती दी और इक्कीसवीं सदी के आरंभ के कुछ समय बाद ही वैश्विक परिदृश्य में बदलाव आया। पर दुनिया के पढ़े-लिखे और अपने आप को सभ्य समझने वाले लोगों के लिए अमेरिका रहने और सुखमय जीवन जीने के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है। उन्नीसवीं सदी में अमेरिका दुनिया के लोगों की नजरों में एक लोकतांत्रिक राज्य था, जहां संपन्नता और आजादी दोनों उपलब्ध थीं। दुनिया के कला प्रेमियों के लिए फ्रांस और सुख उपभोग खोजियों के लिए अमेरिका सबसे उपयुक्त स्थान माना जाता था। हालांकि यह अमेरिका का बाहरी चेहरा था। शक्ति और संपन्नता के शीर्षकाल में भी अमेरिका सीआइए के माध्यम से समूची दुनिया के देशों में उथल-पुथल करने के बीजारोपण का केंद्र बना रहा और गैरअमेरिकी दुनिया के देशों को कैसे अस्थिर रखना है, कहां कैसे अनुकूल सरकारें बनवाना हैं या प्रतिकूल सरकारों को गिराना है, इन सब षड्यंत्रों का केंद्र भी अमेरिका रहा। हालांकि उन्नीसवीं सदी के अंत में अमेरिका में रंगभेद मिटाने के लिए कई सुनियोजित प्रयास हुए। काले और गोरों की शादियों की लोकतांत्रिक पहल भी हुई, यहां तक कि रंग परिवर्तन या नस्ल परिवर्तन के लिए तकनीकी उपाय, दवाएं और वैज्ञानिक प्रयोग भी शुरू किये गये। पर चीन की आर्थिक संपन्नता और सामरिक शक्ति के तेजी से विकास के बाद एक नये प्रकार का राष्ट्रवाद अमेरिका में शुरू हुआ है। जो अमेरिका पहले दुनिया भर के लोगों के लिए रोजगार का केंद्र था, वह अब प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बाहरी लोगों से मुक्ति पाना चाहता है। इसका पहला चरण है, आप्रवासियों को वापस भगाना, और इसके लिए अमेरिका ने 'ग्रेट रिप्लेसमेंट स्ट्रेटजीज' पर काम करना शुरू किया है। किसी न किसी बहाने से आप्रवासियों के आने को रोका जा रहा है और जो आ चुके हैं उन्हें विभिन्न कठोर नियमों के आधार पर वापस जाने को बाध्य किया जा रहा है। अमेरिका में अवैध प्रवेश का सबसे बड़ा दरवाजा मैक्सिको का बफीर्ला इलाका था। इस इलाके पर अमेरिका ने पर्याप्त अवरोध खड़े कर दिये हैं।

■ रघु ठाकुर

फिर से क्यों आई ऐंटीबायॉटिक गाइडलाइन

आईसीएमआर यानी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने नई गाइडलाइंस जारी कर डॉक्टरों को सलाह दी है कि साधारण बुखार, खांसी में ऐंटीबायॉटिक दवाएं ना प्रिस्क्राइब करें। इन गाइडलाइंस को एएमआर गाइडलाइंस कहते हैं। यह फोर्थ ईयर के एमबीबीएस छात्रों को फामाकोलॉजी के चैप्टर में पढ़ा दी जाती है। फिर से यह गाइडलाइन क्यों बनाई क्यों गई? पहले बनी गाइडलाइन का कितना पालन हो रहा है, इन पर विचार करने की जरूरत है। आईसीएमआर अभी जो गाइडलाइन लेकर आया है, उसकी वजह यह है कि 2015 में वर्ल्ड लेवल पर एक एक्शन प्लान की बात हुई थी। 2017 में इंडिया ने अपना डेटा प्रोड्यूस किया था कि हम ऐंटीबायॉटिक्स के इस्तेमाल के लिए ऐसी गाइडलाइन और नैशनल ऐक्शन प्लान बना रहे हैं। इसके लिए 2021 तक 5 साल की अवधि मांगी गई थी। इन 5 सालों में ऐंटीबायॉटिक रेजिस्टेंस प्लान पर कितना काम हुआ है, यही बताता है कि आईसीएमआर को गाइडलाइन निकालने की जरूरत क्यों पड़ी? 2022 में उन्होंने जो गाइडलाइन निकाली है, वह चेताने के लिए निकाली है। पर किनको चेताना चाहते हैं ये? ऑर्गनाइज्ड मेडिकल हेल्थ केयर सेक्टर में डॉक्टर्स पॉलिसी के मुताबिक चलते हैं। लेकिन क्या ये डॉक्टर पूरे भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं? आम तौर पर झोला छाप लोग धड़ल्ले से कोई भी ऐंटीबायॉटिक लिख रहे हैं। जिसका कोई कंट्रोल नहीं, लेखा-जोखा नहीं। सबका मिलाजुला असर यह है कि जब ऐंटीबायॉटिक कंट्रोल पॉलिसी पूरे देश में लागू नहीं है, तो आप गाइडलाइन निकाल सकते हैं दिखाने के लिए कि हो गया। आप कुछ तो कर रहे हैं, चाहे कागज पर ही सही। **समस्या की जड़ :** भारत में ऐंटीबायॉटिक्स के साथ अगर समस्या समस्या आई है तो उसकी जड़ यहां है- जब कोरोना आया था, तब उसमें एजिथ्रोमाइसिन, हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन जैसी दवाओं का दुरुपयोग हुआ। बाद में कई मेडिकल रिपोर्टें आईं, जिनमें बताया गया कि इसका चलाना जरूरी नहीं था, यहां तक कि अभी भी हानिकारक है। हिंदुस्तान में पहले से ही अनगिनत ऐंटीबायॉटिक, ऐंटीफंगल दवाइयां चल रही हैं। कॉमन फ्लू में भी ऐंटीबायॉटिक दे दी जाती है। फिर हिंदुस्तान में हर इंसान अपने को डॉक्टर समझता है। वह गूगल पर पढ़ता है, दो डोज खाता है। आम तौर पर वायरल फ्लू दो दिन में खत्म हो जाता है। वह ऐंटीबायॉटिक वहीं बंद कर देता है। कल्पना करिये कि उसे वायरल फ्लू था, लेकिन साथ में कुछ बैक्टीरिया भी थे। ऐसे बैक्टीरिया दो दिन के ऐंटीबायॉटिक के बाद रेजिस्टेंट हो जायेंगे। फिर जब वे किसी और को इन्फेक्ट करेंगे, तो वहां उसी ग्रुप की ऐंटीबायॉटिक काम नहीं करेगी। दूसरी वजह है किसी को भी दवा मिल जाना। ओवर द काउंटर परचेजिंग। लोगों को बगैर डॉक्टरी नुस्खे के दवा मिल जाती है। और तीसरी वजह हैं झोला छाप डॉक्टर या कंपाउंडर। धरती पर बहुत कम ही देश ऐसे हैं, जहां इस तरह से बिना किसी पॉलिसी के ऐंटीबायॉटिक इस्तेमाल की जाती है। मगर आईसीएमआर ने गाइडलाइन निकाली है ऑर्गनाइज्ड सेक्टर के लिए, जिसके डॉक्टर आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं। **दिशा तो दें पहले :** इसी गाइडलाइन में है कि कम्यूनिटी एक्वायर्ड निमोनिया के लिए 5 दिन और अस्पताल से हुए निमोनिया के इंफेक्शन के लिए 8 दिन की ऐंटीबायॉटिक दें। कम्युनिटी एक्वायर्ड निमोनिया, मतलब ऐसे बैक्टीरिया जिनको ऐंटीबायॉटिक का एक्स्पोजर कम मिला हो। हॉस्पिटल एक्वायर्ड निमोनिया मतलब अस्पताल में रहते हुए निमोनिया हुआ।

■ डॉ. अंशुमान कुमार

क्या होगा मुनीर का भारत को लेकर रूख

डेढ़ सौ से अधिक परमाणु बमों से लैस दुनिया की छठी सबसे बड़ी सेना के प्रमुख के तौर पर जनरल सईद असीम मुनीर ने 29 नवंबर को पदभार संभाल लिया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख की अंगुली तो परमाणु बमों के बटन पर रहती ही है, नागरिक सरकार की कुंजी भी उन्हीं की जेब में होती है। इसीलिए हर तीन साल पर जब पाकिस्तान में नये सेना प्रमुख की नियुक्ति का वक्त आता है तो न केवल वहां के सामरिक हलकों में बल्कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भी अटकलों का दौर शुरू हो जाता है। हालांकि सेना प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री की सिफारिश पर ही की जाती है, लेकिन एक बार नियुक्ति हो जाने के बाद प्रधानमंत्री को ही सेना प्रमुख की दया पर निर्भर रहना पड़ता है। **सेना की छवि :** पहले के सेना प्रमुखों के नक्शेकदम पर चलते हुए जनरल कमर जावेद बाजवा ने भी ऐसी ही भूमिका निभाई। इमरान खान उन्हीं की मदद की बदौलत पीएम पद पर पहुंचे थे और जब उनसे खटपट हो गई तो लाख कोशिश करके भी पद पर बने नहीं रह सके। अपनी असलियत छुपाने के लिए जनरल बाजवा ने रिटायर होने के ठीक पहले सेना को राजनीति से दूर रहने की सलाह दी है। विडंबना यह है कि खुद पाकिस्तान के नेता ही पाक सेना के दरवाजे पर देर रात जाते हैं और अपने राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने के लिए मदद मांगते हैं। ऐसे हालात में जो भी जनरल सेना प्रमुख बनता है, उसे देश चलाने का भी नशा हो ही जाता है। इसलिए चाहे-अनचाहे वह राजनीति में भी दखल देने लगता है। हालांकि अहसास वह राजनीति से दूर रहने का ही देता है। रिटायर होने के पहले उसे भारत से रिश्ते बेहतर करने की जरूरत भी महसूस होती है। इसी जरूरत के तहत करगिल करवाने वाले जनरल परवेज मुशर्रफ ने भारत के साथ दोस्ती की मीठी बातें कीं। जनरल बाजवा ने भी कई बार कहा कि भारत के साथ रिश्ते सामान्य करने के लिए व्यापारिक आदान-प्रदान शुरू किया जाना चाहिए। मुल्ला जनरल के नाम से विख्यात जनरल असीम मुनीर ने ऐसे वक्त सेना की कमान संभाली है, जब पाकिस्तान कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से जूझ रहा है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट में है और यदि उसे जल्द नहीं उबारा गया तो आम लोगों के बीच असंतोष काफी बढ़ सकता है, जिसका फायदा जिहादी ताकतें उठायेंगी। लेकिन क्या पाकिस्तान की नागरिक सरकार इन चुनौतियों से निपट पायेगी? अगर नहीं तो देश में हालात और खराब होंगे। हालात को काबू में करने के लिए सेना को दखल देना होगा। जनरल असीम मुनीर क्या उस स्थिति में अपने को तटस्थ रख सकेंगे? **परदे के पीछे से :** अयूब खान, जनरल याहया खान, जनरल जिया उल हक और जनरल परवेज मुशर्रफ की तरह पाकिस्तान की सत्ता हाथ में लेने वाले जनरलों के कटु अनुभवों से सबक लेते हुए आज के पाकिस्तानी जनरल पर्दे के पीछे रह कर ही सरकार चलाना बेहतर समझते हैं। जनरल मुशर्रफ के बाद जनरल परवेज कयानी और फिर जनरल बाजवा ने नेपथ्य से सरकार चलाना ही बेहतर समझा क्योंकि तब वह न केवल अंतरराष्ट्रीय निंदा का शिकार होने से बच सकते हैं बल्कि देश को कामयाब प्रशासन देने की नैतिक जिम्मेदारी से भी बचे रहते हैं। जनरल कयानी के बाद जनरल बाजवा ने तीन साल का दो कार्यकाल हासिल कर ही इसीलिए संतोष किया। हालांकि जनरल बाजवा के रिटायर होने के काफी पहले से अटकलें लगनी शुरू हो गई थीं कि वह देश के ताजा हालात के मद्देनजर मार्शल लॉ लगाने का ऐलान कर सत्ता अपने हाथ में ले सकते हैं। लेकिन जनरल बाजवा ने ऐसा नहीं किया। अपनी पसंद के जनरल को सेना प्रमुख बनवाने में जरूर सफल रहे। रोचक बात यह है कि हाल के पाक सैन्य जनरलों की रुचि अपने कार्यकाल में अकूत संपत्ति जमा करने में अधिक रहने लगी है।

■ रंजीत कुमार

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

उन्हें आज्ञा देकर कालकेतुने अपने निकट बैठी हुई अत्यन्त विवश तथा दुःखित एकावलीसे विनम्रता-पूर्वक पूछा-'हे तन्वंगि! तुम्हें लेनेके लिये सेनासहित यह कौन आ रहा है? ये तुम्हारे पिता हैं अथवा अन्य पुरुष ? हे कृशोदरि । सच-सच बताओ। यदि विरहसे व्यथित होकर तुम्हारे पिता तुम्हें लेनेके लिये आ रहे हों, तो यह जानकर कि ये तुम्हारे पिता हैं. मैं इनके साथ युद्ध नहीं करूँगा, अपितु उन्हें घर` लाकर उनकी पूजा करूँगा तथा बहुमूल्य रत्न, वस्त्र` तथा अश्व भेंट करके घरमें आये हुए उनका विधिवत् आतिथ्य करूंगा। यदि कोई अन्य व्यक्ति आया होगा ` तो मैं अपने तीक्ष्ण बाणोंसे उसे मार डालूंगा। निश्चित ही महान् कालने उसे मरनेके लिये यहाँ ला दिया है। अंतरव हे विशाल नयनोंवाली मुझ अपराजेय` कालरूप तथा अपार बलसम्पन्नके विषयमें न जानकर यह कौन मन्दमति चला आ रहा है? यह तुम मुझे बताओ' ॥ 31-36 ॥

एकावली बोली हे महाभाग। मैं यह नहीं -` जानती कि इतनी तेजीसे यह कौन आ रहा है ?` आपके बन्धनमें पड़ी हुई मैं नहीं जानती कि यह कौन है ? ये न तो मेरे पिता हैं और न मेरे भाई ही। यह` दूसरा ही कोई महान् पराक्रमी पुरुष है, यह किसलिये यहाँ आ रहा है, यह भी मैं निश्चितरूपसे नहीं जानती ॥ 37-38 ॥

दैत्य बोला- ये दूत तो कह रहे हैं कि तुम्हारी सखी यशोवती ही प्रयत्नपूर्वक उस वीरको साथमें` लेकर आयी है। हे कान्ते! कार्य सिद्ध करनेमें अत्यन्त चतुर तुम्हारी वह सखी कहाँ गयी ? कोई अन्य मेरा शत्रु भी नहीं है, जो मेरा विरोधी हो॥ 39-40 ॥

व्यासजी बोले- इसी बीच दूसरे दूत वहाँ आ गये। भयभीत उन दूतोंने महलमें बैठे कालकेतुसे तुरंत कहा- हे महाराज! आप निश्चिन्त क्यों हैं? शत्रुसेना समीप आ पहुँची है। आप एक विशाल सेनाके साथ शीघ्र ही नगरसे बाहर निकलिये।` उनकी यह बात सुनकर महान् बलशाली कालकेतु शीघ्र ही रथपर चढ़कर अपने नगरसे बाहर निकल` गया ॥ 41-43 ॥

कामिनी एकावलीके विरहसे व्याकुल प्रतापी एकवीर भी भोड़ेपर आरूढ़ होकर अचानक वहाँपर आ गया। उन दोनोंका वृत्रासुर तथा इन्द्रको भाँति युद्ध होने लगा। उस युद्धमें छोड़े गये विविध अस्त्र- शस्त्रोंसे दिशाएँ प्रकाशित हो उठीं ॥ 44-45 ॥

भीरुजनोंको भयभीत कर देनेवाले उस युद्धमें लक्ष्मीपुत्र एकवीरने दानव कालकेतुपर अपनी गदासे प्रहार किया। गदाप्रहारसे वह कालकेतु वज्रसे आहत पर्वतको भाँति प्राणहीन होकर पृथ्वीपर गिर पड़ा। तब भयभीत होकर अन्य सभी राक्षस भाग गये ॥ 46-47 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

आधुनिकता का दुष्प्रभाव

पहले शहर से लेकर गांवों में कुआं व नदी घाट पर लोग नहाने-धोने का काम किया जाता था। आधुनिक जीवन शैली ने लोगों के कमरे में बंद होकर स्नान व कपड़ा धोने को मजबूर कर दिया है। आज लगभग सभी पक्के मकानों में पानी टंकी छत पर दिखाई देती है। इससे लोगों को तो सुविधा मिली, लेकिन हर दिन लाखों लीटर पानी उस टंकी में चढ़ा दिया जाता है। इसका असर धीरे-धीरे ऐसा हुआ कि आज जल स्तर काफी नीचे चला गया है। कुंओं को शहरों में अनुपयोगी मानकर उसे ढक दिया गया है। साथ ही वहां पर दुकानें बना दी गई है। बुनियादी रूप से हम अपनी समस्याओं के खुद ही पैदा करने वाले हैं। ऐसे में हमें वापस उन्हीं दौर में लौटना होगा जब एक कुएं व चापानल से लगभग पूरा मुहल्ला स्नान कर लेता था और घर के काम के लिए एक या दो बाल्टी पानी ढोकर अपने घर ले जाया करता था। आधुनिकता के लाभ ने हमें इन सब के बारे में विचार करने का मौका ही नहीं दिया। आज हालत हैं कि लोग पानी संकट से जूझ रहे हैं। साथ ही प्राकृतिक प्रदत्त सुविधाएं कम होती जा रही हैं। पेड़-पौधों को काटकर हम कूलर व एयर कंडीशन की हवा खा रहे हैं। सच बात यह है कि गांव के पीपल की छांव में बैठकर जो शांति व सकून मिलता था वह एक कमरे में बैठकर कूलर एयरकंडीशन में नहीं मिलती है।

■ मुकेश कुमार , मेदिनीनगर।

दिल्ली एमसीडी चुनाव 2022 व पर्यावरणीय मुद्दों पर बहस

4 दिसंबर 2022 को 250 वार्डों के लिए होने जा रहे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एमसीडी चुनाव में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्रचार अभियान तेज किया चुका है। भाजपा खुद को दिल्लीवासियों का सेवक दल करार देते हुए आगे भी सेवा का अवसर मांग रही है, वहीं आम आदमी पार्टी विधान सभा चुनाव के बाद एमसीडी में भी दिल्लीवासियों का विश्वास हासिल करने में लगी हुई है। दोनों प्रमुख पार्टियों की राजनीतिक खींचतान में कांग्रेस पार्टी भी शीला दीक्षित के दिनों की दिल्ली को फिर से स्थापित करने का वायदा दिल्ली के वोटरों से करती हुई दिखाई दे रही है। चुनावी पंडितों की माने तो इस बार के चुनाव में पिछले पंद्रह साल से दिल्ली एमसीडी में सत्ता की बागडौर संभाल रही भाजपा और विपक्षी आम आदमी पार्टी के बीच जबरदस्त मुकाबला है। वहीं लगभग डेढ़ दशकों से दिल्ली की सत्ता से बाहर कांग्रस पार्टी भी पूरे दमखम से चुनाव को त्रिकोणीय बनाने के प्रयास में जुटी हुई है। इसी क्रम में भाजपा और आम आदमी पार्टी जहाँ एमसीडी चुनाव के मद्देनज? अपना लोकप्रिय थीम सांग रिलिज कर चुकी है वहीं तीनों प्रमुख दलों ने अपना चुनावी घोषणा पत्र भी जारी किया है। दिलचस्प बात यह है कि तीनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने एमसीडी चुनाव में पर्यावरणीय मुद्दों को विशेष तरजीह दिया है। सत्ताधारी भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को वचन-पत्र करार देते हुए इसमें बारह बिंदुओं को रेखांकित किया है जिसमें दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण और दिल्ली को एक संपोषित राज्य बनाना, कूड़ा से बिजली पैदा करना और दिल्ली की झुग्गी झोपड़ी, अनिधिकृत कॉलोनियों में पानी जैसे आधारभूत जरुरतों की चीजों को उपलब्ध करना प्रमुख रुप से शामिल है। दिल्ली की गद्दी में विराजमान और एमसीडी में चुनावी फतह पाने के लिए आतुर आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली को सर्वोत्तम ग्लोबल सिटी बनाने के वायदे के साथ दस गारंटी प्रस्तुत किया है जिसमें दिल्ली की स्वच्छता, कूड़े के पहाड को हटाना, पार्कों की साफ-सफाई आदि पर्यावरणीय मुद्दों को विशेष तरजीह दिया गया है। दिल्ली एमसीडी में में लंबे समय तक काबिज रही कांग्रेस पार्टी ने भी मेरी दिल्ली चमकती दिल्ली के नारों के साथ एमसीडी चुनाव में अपनी ग्यारह प्राथमिकताओं को रेखांकित किया जिसमें वायु गुवत्ता और यमुना का प्रदूषण प्रमुख मुद्दा है। प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा एमसीडी चुनाव में उठाये जा रहे पर्यावरणीय मुद्दों के संदर्भ में क्या ऐसा कहा जा सकता है कि दिल्ली सहित शहरी गवर्नेंस का प्रारुप बुजुर्वा पर्यावरणविद् के प्रतिमान से क्या सचमुच आगे निकलते हुए आम फहम, गरीब गुरबों के पर्यावरणीय मुद्दों की तरफ उन्मुख हो रहा है? प्रख्यात पर्यावरणविद् अमिता वाभिष्कर ने इस शब्दावली का प्रयोग शहरी व्यवस्था के संदर्भ में कुलीन अमीर वर्ग के अनावश्यक हस्तक्षेप और मानसिकता को प्रस्तुत करते हुए किया था। अमिता वाभिष्कर कहती हैं कि प्रकृति मूल रुप से जंगल के रुप में हैं, परंतु बुजुर्वा और अमीर दौलतिया वर्ग प्राकृतिक जंगल के संरक्षण को पर्यावरण का संरक्षण नहीं मानते, बल्कि उनकी दृष्टि में पर्यावरण व प्रकृति का संरक्षण फूलों की क्यारियों, सजावटी पौधों और हरे-भरे लॉन तक ही सीमित है। अपनी बातों को एक उदाहरण से स्पष्ट करती हुई वाभिष्कर कहती हैं कि दिल्ली मॉस्टर प्लॉन के तहत हरे लॉनों की श्रेणी में जंगल को शामिल नहीं किया गया था, उनके लिए जंगल प्रकृति नहीं है बल्कि बगीचा है। आज जबकि हमारे राजनीतिक कुलीन नेताओं के द्वारा अपने धोषणा पत्रों में दिल्ली के कूड़ा पहाड़ों, वायु प्रदूषण और यमुना नदी के प्रदूषण का बहुत मुश्तैदी से उठाया जा रहा है। ऐसे में क्या ऐसा नहीं कहा जा सकता है कि दिल्ली की एमसीडी चुनाव के बहाने राजनीति का झुकाव आम फहम के पर्यावरणवादी मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमने लगा है। **तीन बड़े कूड़े पहाड़ की राजनीति :** इस बार के नगर निगम चुनाव में दोनों प्रमुख दल एक दूसरे को तीन बड़े कूड़े के मुद्दे पर घेरने में लगी हुई है।

■ डॉ. पंकज कुमार झा

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. की ओर से इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पब्लिकेशन डिवीजन रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, स्थानीय संपादक : ओम प्रकाश अमरेन्द्र*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 07759972937, 06562-240042/ 222539, फैक्स नम्बर : 06562-241176/231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-83001, फोन नं.- 0651-2283384/ फैक्स : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25-एलएफ, तानसेन मार्ग, नयी दिल्ली-1, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लातेहार कार्यालय : रमेश सेनेटरी, मेन रोड, लातेहार -829206, फोन : 9128656020, 7763034341, लोहरदगा कार्यालय : रिलायंस पेट्रोल पंप के बगल में, आशा कॉम्प्लेक्स लोहरदगा- फोन : 7903891779, 8271983099, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

यदि आपका घर भी है पूर्वमुखी तो आजमाएं वास्तु के ये नियम, होगा लाभ

वास्तु के हिसाब से सभी दिशाएं अच्छी होती हैं लेकिन घर बनाते समय इस बात का खास ख्याल रखा जाता है कि घर का मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा में ही हो। मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा की ओर हो तो वह उसमे रहने वालो के लिए किस्मत चमकाने वाला माना जाता है। यदि आपके घर का भी मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा की ओर है तो ऐसा घर पूर्वमुखी है। वास्तु के हिसाब से सभी दिशाएं अच्छी होती हैं लेकिन घर बनाते समय इस बात का खास ख्याल रखा जाता है कि घर का मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा में ही हो। मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा की ओर हो तो वह उसमे रहने वालो के लिए किस्मत चमकाने वाला माना जाता है। यदि आपके घर का भी मुख्य दरवाजा पूर्व दिशा की ओर है तो ऐसा घर पूर्वमुखी है।

उत्तर पूर्व में ना बनायें बाथरूम : अगर आपका घर भी पूर्वमुखी है तो उत्तर-पूर्व दिशा में बाथरूम और शौचालय बनाने से बचें। आप इसे घर के उत्तर-पश्चिम में बना सकते हैं। यदि आप किसी कारण से उत्तर पश्चिम में बाथरूम और शौचालय नहीं बना सकते हैं तो दक्षिण-पूर्व में बना सकते हैं। लेकिन उत्तर पूर्व दिशा में शौचालय या बाथरूम नहीं बनाना चाहिए। इससे घर के सदस्य बीमारियों की चपेट में आते रहेंगे।

घर का किचन ना हों उत्तर-पूर्व में : अगर आपका घर भी पूर्वमुखी है तो आपको भूल कर भी उत्तर-पूर्व में किचन नहीं बनाना चाहिए। वास्तु के अनुसार आपका किचन घर के आग्नेय यानी दक्षिण-पूर्व में होना चाहिए। अगर घर का किचन उत्तर पूर्व में होगा तो घर में रहने वाले हमेशा परेशान रहेंगे और उनका स्वास्थ्य भी खराब रहेगा।

पूजा का कमरा हो ईशान में : अगर आपका घर पूर्वमुखी है तो आपको पूजा का कमरा घर के ईशान में बनाना चाहिए। घर चाहे किसी भी दिशा में हो लेकिन पूजा का कमरा ईशान में ही बनाना चाहिए।

उत्तर-पूर्व की ओर हो लिविंग रूम : घर का लिविंग रूम उत्तर-पूर्व में होना चाहिए। इससे घर में समृद्धि आती है। घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इस कमरे की सजावट ऐसी हो कि बैठने वाले का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर हो।

डाइनिंग रूम पूर्व-पश्चिम में हो : घर का डाइनिंग रूम या डाइनिंग टेबल इस तरह से होना चाहिए की उसका मुंह मुख्य दरवाजे की तरफ ना हो। बैठने वालों की दिशा पूर्व, उत्तर या पश्चिम हो।

घर का बेडरूम : पूर्वमुखी घर का मास्टर बेडरूम दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम में होना चाहिए। यह घर का नैऋत्य है। घर के मुखिया का बेडरूम इस दिशा में होना चाहिए। यह कमरा अन्य सभी कमरों से बड़ा होना चाहिए।

किस दिशा में हो स्टडी का कमरा : अगर आपका घर भी पूर्वमुखी है तो आपको पढ़ने का कमरा घर की पूर्व या पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। अगर आप किसी कारणवश इस दिशा में पढ़ने का कमरा नहीं बना पा रहे हैं तो उत्तर दिशा भी आपके लिए उचित रहेगी।

पूर्वमुखी घर में लगाएं तुलसी का पौधा : यदि आपका घर भी पूर्वमुखी है तो आप घर के उत्तर पूर्व में एक तुलसी का पौधा अवश्य लगायें। इससे आपके घर में निगेटिव एनर्जी नहीं रहेगी।

असली व नकली अदरक में जानें फर्क, नहीं तो खराब हो सकती है सेहत

क्या आपको पता है जिस अदरक को सेहत के लिए फायदेमंद समझ कर इस्तेमाल कर रहे हैं कही वह आपके लिए घातक तो नहीं है। बाजार में नकली अदरक की भरमार है। असली अदरक की पहचान ना होने से अक्सर हम नकली अदरक खरीद लेते हैं और बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। अदरक का उपयोग एक सामान्य औषधि के रूप में किया जाता है। सर्दियां आते ही अदरक वाली चाय की डिमांड बढ़ जाती है। एक कप अदरक वाली चाय आपको आपको सुकून का अहसास कराती है। अदरक सर्दी जुकाम और गले की खराश जैसी परेशानियों को दूर करने का काम करता है। इसको मसाले के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। बहुत सी बीमारियों के उपचार में अदरक औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। अदरक में बहुत से पोषक तत्व जैसे विटामिन बी-6, आयरन, पोटैशियम पाया जाता है। लेकिन क्या आपको पता है जिस अदरक को सेहत के लिए फायदेमंद समझ कर इस्तेमाल कर रहे हैं कही वह आपके लिए घातक तो नहीं है। बाजार में नकली अदरक की भरमार है। असली अदरक की पहचान ना होने से अक्सर हम नकली अदरक खरीद लेते हैं और बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

छिलके से करें नकली अदरक की पहचान : अगर अदरक का छिलका आसानी से नहीं उतरता है तो यह नकली है क्योंकि असली

अदरक का छिलका हल्का सा खुरचने पर बाहर आ जाता है। अगर छिलका बहुत कठोर है तो भी यह नकली हो सकता है। असली अदरक का छिलका सॉफ्ट और बहुत पतला होता है।

सुगंध से करें पहचान : असली अदरक की पहचान उसकी सुगंध होती है। असली अदरक की सुगंध तीखी होती है और बहुत देर तक बनी रहती है। नकली अदरक की गंध तीखी नहीं होती है। यह ज्यादा देर तक नहीं बनी रहती है। ऐसे आप सिर्फ गंध से असली और नकली अदरक की पहचान कर पाएंगे।

रेशों से करें असली अदरक की पहचान : अदरक खरीदते समय उसको तोड़कर देख लें अगर अदरक में रेशे दिखाई देते हैं तो अदरक असली है। बिना रेशों वाला अदरक नकली होता है।

साफ और चमकीले अदरक ना खरीदें : अदरक के नाम पर बाजार में तहड़ बिक रही है यह एक पहाड़ी पेड़ की जड़ होती है और सूखने के बाद एकदम अदरक जैसी दिखती है। असली अदरक का छिलका चमकीला नहीं होता है यह पौधे की जड़ वाला हिस्सा होता है। अदरक के छिलके को चमकीला बनाने के लिए उसको एसिड से साफ किया जाता है। यह सेहत के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है।

नकली अदरक को नहीं कर सकते स्टोर : असली अदरक को आप बहुत दिनों तक स्टोर करके रख सकते हैं। नकली अदरक के साथ ऐसा नहीं है यह बहुत दिनों तक सुरक्षित नहीं रह सकता यह जल्दी खराब हो जाता है।

चखकर करें पहचान : इसके अलावा आप चखकर भी असली और नकली अदरक की पहचान कर सकते हैं। नकली अदरक केस एवं से बहुत सी बीमारियां हो सकती है। इससे आपको एलर्जी और अल्सर जैसी दिक्कते हो सकती हैं।

पाचन शक्ति को बढ़ाने, हड्डियों को मजबूत करने और वजन घटाने के साथ ये जबरदस्त फायदे देता है अखरोट!

हम हर छोटी-बड़ी परेशानी के लिए डॉक्टर या दवाइयों पर निरभर रहते हैं, लेकिन अगर डाइट सही और आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में पता हो जा स्वास्थ्य के लिए रामबाण मानी जाती हैं तो आप कई बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। ऐसा ही एक सुपरफूड है अखरोट। यह न सिर्फ बेहतर पाचन के लिए जाना जाता है बल्कि डायबिटीज रोगियों के लिए हेल्दी ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने, तनाव को दूर करने के साथ कई जबरदस्त स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सभी नट्स के अपने अलग फायदे हैं, लेकिन भीगे हुए अखरोट के फायदे जानना काफी ज्यादा जरूरी है।

भीगे हुए अखरोट खाने से मिलते हैं ये फायदे

पाचन को करता है बेहतर : आजकल सबसे ज्यादा परेशानी खराब डायजेशन के कारण होती है। पेट की कई परेशानियों के कारण शरीर कई तरह की और समस्याओं से घिर जाता है। अखरोट में काफी मात्रा में फाइबर पाया जाता है। जो आपके पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मददगार माना जाता है। पेट में कब्ज, एसिडिटी और अपच की समस्या का समाधान करता है अखरोट। रोजाना भीगे हुए अखरोट खाने से पाचन हेल्दी रहताा है।

हड्डियों को देता है मजबूती : सुबह खाली पेट भीगे हुए अखरोट खाने से हड्डियों को मजबूत करने में मदद मिल सकते हैं। अखरोट में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं जो हड्डियों और दांतों के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। अखरोट में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत करने में मददगार माना जाता है। इसके साथ ही अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड शरीर से सूजन को भी दूर कर सकता है।

डायबिटीज में है रामबाण : हाई ब्लड शुगर रोगियों के लिए अखरोट किसी रामबाण से कम नहीं है। डायबिटीज रोगी अगर रोजाना सुबह खाली पेट भीगे हुए अखरोट का सेवन करते हैं, तो ब्लड शुगर लेवल को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अखरोट का सेवन करने से टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट भी रोजाना भीगे हुए अखरोट खाने की सलाह देते हैं।

वजन घटाने में भी फायदेमंद : अखरोट में काफी मात्रा में फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है जो वजन घटाने में काफी मदद कर सकता है। फाइबर लंबे समय तक पेट को भरा रखता है और तृप्ति की भावना को जगाता है। ऐसे में रोजाना अखरोट का सेवन कर मोटापे को कम करने में मदद मिल सकती है। वही अखरोट का सेवन कर मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

तनाव दूर करने के लिए कारगर : रोजाना सुबह खाली पेट अखरोट का सेवन तनाव से राहत दिला सकता है। अखरोट में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो तनाव वाले हार्मोन को रिलीज होने से रोक सकते हैं। हेल्दी खाने से अच्छी नींद लेने में भी मदद मिल सकती है। अखरोट में मेलाटोनिन होता है, जो अच्छी नींद लेने में मदद करता है। वहीं, ओमेगा-3 फैटी एसिड बीपी को नॉर्मल रखता है और इससे मानसिक शांति का अभास हो सकता है।

अस्वीकरण : सलाह सहित यह सामग्री केवल सामान्य जानकारी प्रदान करती है। यह किसी भी तरह से योग्य चिकित्सा राय का विकल्प नहीं है। अधिक जानकारी के लिए हमेशा किसी विशेषज्ञ या अपने चिकित्सक से परामर्श करें। एनडीटीवी इस जानकारी के लिए ज़िम्मेदारी का दावा नहीं करता है।

मुन्नार हिल स्टेशन दक्षिण भारत का स्वर्ग है

मुन्नार तीन नदियों के मिलन बिंदु पर स्थित है, जिनके नाम मुधिरापुझा, नल्लथननी और कुंडली नदी हैं। यह न केवल पहाड़ी श्रृंखलाओं के लिए प्रसिद्ध है, जो आपको मुन्नार में 5200 फीट की ऊंचाई पर देखने को मिलती हैं। मुन्नार दक्षिण-पश्चिमी भारतीय राज्य केरल के इडुक्की जिले में स्थित एक शहर और हिल स्टेशन है। मुन्नार पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला में औसत समुद्र तल से लगभग 1,600 मीटर (5,200 फीट) ऊपर स्थित है। मुन्नार को 'दक्षिण भारत का कश्मीर' भी कहा जाता है और यह एक लोकप्रिय हनीमून गंतव्य है।

मुन्नार तीन नदियों के मिलन बिंदु पर स्थित है, जिनके नाम मुधिरापुझा, नल्लथननी और कुंडली नदी हैं। यह न केवल पहाड़ी श्रृंखलाओं के लिए प्रसिद्ध है, जो आपको मुन्नार में 5200 फीट की ऊंचाई पर देखने को मिलती हैं, बल्कि चाय और कॉफी बागान की हरियाली की परतें, जो विस्मयकारी परिदृश्य को आकार देती हैं, उसके लिए भी प्रसिद्ध है। इस इलाके में वन्य जीवन, अटूटक्कड़ झरने, भव्य चाय के बागानों, जैसे कि मुलतानीपानी एस्टेट और कोलुक्कुमलाई टी एस्टेट इत्यादि हैं। आस-पास के स्थान जैसे मट्टुपेट्टी, पल्लीवासल, अनयिरंगल, टॉप स्टेशन, चिनकनकाल आदि हैं, जिनमें पर्यटकों के लिए कुछ न कुछ दर्शनीय छटा अवश्य ही निहित है। कई प्रसिद्ध झरनें, वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यान, प्राचीन मंदिर, भव्य किले सब कुछ समाहित है केरल के इस शहर में।

मुन्नार कैसे पहुंचें : मुन्नार का प्रमुख पर्यटन स्थल हरे-भरे और लुभावने पर्यटन स्थलों से समृद्ध है, जिसमें बहुत सी चीजें हैं। और यहां तक पहुँचना कोई मुश्किल काम नहीं है, हवाई, रेल और सड़क मार्ग से सभी कोच्चि जाने वाली आरामदायक सेवाओं के साथ, आप कुछ समय में मुन्नार तक पहुंच सकते हैं।

हवाईजहाज से : निकटतम हवाई अड्डा, कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो मुन्नार से लगभग 125 किमी दूर है। हवाई अड्डे से मुन्नार के लिए नियमित टैक्सी सेवाएं लगातार उपलब्ध रहती हैं।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेशन कोच्चि या एनार्कुलम में स्थित है। यह दिल्ली, बैंगलोर, मुंबई, कोलकाता, मैंगलोर आदि सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से आने वाली ट्रेनों का एक प्रमुख जंक्शन है, जबकि अलुवा रेलवे स्टेशन मुन्नार से करीब 120 किमी की दूरी पर स्थित है।

सड़क मार्ग द्वारा : जब आप कोच्चि, अलुवा या एनार्कुलम में उतरते हैं, तो आप कैब किराए पर ले सकते हैं या मुन्नार के लिए बस ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (KSRTC) की वेबसाइट पर अपने टिकट बुक कर सकते हैं या अलुवा रेलवे स्टेशन के बगल में स्थित बस टर्मिनल के काउंटर से भी टिकट प्राप्त कर सकते हैं।

मुन्नार के कुछ खूबसूरत दर्शनीय स्थल

भारत के सभी प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। हवाई अड्डे से मुन्नार के लिए नियमित टैक्सी सेवाएं लगातार उपलब्ध रहती हैं।

रेल द्वारा : निकटतम रेलवे स्टेशन कोच्चि या एनार्कुलम में स्थित है। यह दिल्ली, बैंगलोर, मुंबई, कोलकाता, मैंगलोर आदि सहित भारत के विभिन्न हिस्सों से आने वाली ट्रेनों का एक प्रमुख जंक्शन है, जबकि अलुवा रेलवे स्टेशन मुन्नार से करीब 120 किमी की दूरी पर स्थित है।

सड़क मार्ग द्वारा : जब आप कोच्चि, अलुवा या एनार्कुलम में उतरते हैं, तो आप कैब किराए पर ले सकते हैं या मुन्नार के लिए बस ले सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप केरल राज्य सड़क

- इको पॉइंट
- फोटो पॉइंट
- एतुक्कड़ झरने
- टॉप स्टेशन
- पोथामेडु व्यू प्वाइंट
- टाटा टी संग्रहालय
- एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान
- वंडर वैली एडवेंचर और मनोरंजन पार्क
- कुंडला बांध और झील
- चिनार वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी
- चिन्नाकनाल जलप्रपात
- चोकरमुडी पीक
- मट्टुपेट्टी डैम
- रोज गार्डन
- ब्लॉसम पार्क
- लक्कोम वाटरफॉल्स
- अनामुडी पीक
- सीएसआई क्राइस्ट चर्च
- सेवनमल्ले टी एस्टेट
- ट्री हाउसेस

मुन्नार में करने के लिए चीजें : मुन्नार में चार प्रमुख दिशाएँ हैं; मट्टुपेट्टी डायरेक्शन, थेक्डीडी डायरेक्शन, एडिमली डायरेक्शन और कोयंबटूर डायरेक्शन। मुन्नार में पर्यटन के लिए जलवायु और चाय बागान मुख्य कारण हैं। पर्यटक यहां आलीशान ग्रीन कारपेट को देखने के लिए आते हैं जो चारों ओर बिखरा हुआ है। देश भर में गर्मी की छुट्टियां शुरू होने पर अप्रैल-मई के महीनों के दौरान पर्यटकों की संख्या हर साल एक बड़ी संख्या के साथ बढ़ती है।

मट्टुपट्टी दिशा

- सुब्रमण्यम मंदिर, मुन्नार
- गुलाब का बगीचा
- कार्मेलगिरी हाथी पार्क
- मट्टुपेट्टी डैम
- चरवाहा पार्क
- कुंडला डैम
- शीर्ष स्टेशन

थेक्डीडी दिशा

- सिग्नल व्यू प्वाइंट
- इडली हिल व्यू पॉइंट
- देवीकुलम श्री अय्यप्पन मंदिर
- लॉकहार्ट चाय संग्रहालय
- लॉकहार्ट टी पार्क
- थनकैया गुफा
- लॉकहार्ट गैप व्यू पॉइंट
- पेरियाकनाल जल प्रपात
- अनयिरंगल डैम / बोटिंग

एडिमली दिशा

- पोथामेडु व्यू प्वाइंट
- मसाला बागान
- चेयपारा जल प्रपात
- चेंगुलम बांध

कोयम्बटूर दिशा

- एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान
- अनमुदी पीक
- मरयूर सैंडल वन
- लक्कण जल प्रपात
- मुनियारा

मुन्नार का खाना : मुन्नार का व्यंजन वह है जहां आपको पारंपरिक केरल भोजन की सभी लोकप्रिय चीजें मिलेंगी। इडली, वड़ा, सांभर से लेकर केले के चिप्स तक यहाँ के प्रधान व्यंजन हैं। इसके अलावा कई स्थानों पर विभिन्न व्यंजनों के मेनू और बड़ी संख्या में विकल्प भी मौजूद रहते हैं।

मुन्नार की यात्रा करने का सबसे अच्छा समय क्या है? : मुन्नार की यात्रा का सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च के बीच का होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम काफी सुखद और सुहावना होता है। ग्रीष्मकाल (अप्रैल-जून) थोड़ा गर्म होता है, लेकिन इस मौसम में भी आप मुन्नार की यात्रा कर सकते हैं।

❖ जे. पी. शुक्ला

दवाओं का शरीर पर होता है ऐसा असर

यह सच है कि हर दवा का कुछ ना कुछ साइड इफेक्ट होता है। हालांकि हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि साइड इफेक्ट्स केवल तब पॉप अप हो सकते हैं जब कुछ दवाओं को कुछ अन्य चीजों के साथ मिलाया जाता है। इन्हें ड्रग इंटरैक्शन भी माना जा सकता है। बाजार में मिलने वाली हर तरह की दवा फिर चाहे वह एस्पिरिन हो या अन्य कोई परिष्कृत दवा, सभी किसी ना किसी तरह के साइड इफेक्ट के साथ आती हैं। वैसे तो दवाओं का इस्तेमाल शारीरिक समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है। लेकिन फिर भी इसके कुछ साइड इफेक्ट होते हैं। लगभग किसी भी दवा से मतली या परेशान पेट हो सकता है। वहीं, बाहरी रूप से उपयोग की जाने वाली दवाओं के लिए, त्वचा में जलन एक आम शिकायत है।

एलर्जी होना : हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि एलर्जी की प्रतिक्रिया किसी भी दवा के साथ हो सकती है। इससे आपको खुजली और दाने से लेकर जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली प्रतिक्रिया तक हो सकती है।

साइड इफेक्ट्स को कर सकते हैं ट्रिगर : हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि कुछ दवाएं ऐसी भी होती हैं, जो उनकी रासायनिक संरचना के कारण साइड इफेक्ट्स को ट्रिगर कर सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, आम एलर्जी दवा डिपेनहाइड्रामाइन (जिसे ब्रांड बेनाड्रिल भी कहा जाता है) है। यद्यपि यह एलर्जी के लक्षणों को कम करता है, लेकिन यह शरीर के रासायनिक एसिटाइलकोलाइन की गतिविधि को भी दबा देता है, जिससे उनींदापन और शुष्क मुंह सहित अन्य दुष्प्रभावों का सामना आपको करना पड़ सकता है।

तब होता है साइड इफेक्ट्स : यह सच है कि हर दवा का कुछ ना कुछ साइड इफेक्ट होता है। हालांकि हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि साइड इफेक्ट्स केवल तब पॉप अप हो सकते हैं जब कुछ दवाओं को कुछ अन्य चीजों के साथ मिलाया जाता है। इन्हें ड्रग इंटरैक्शन भी माना जा सकता है। मसलन, अगर नारकोटिक पेन किलर्स के साथ अल्कोहल का सेवन किया जाए तो इससे व्यक्ति को सांस लेने में परेशानी हो सकती है।

जरूर करें बात : हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि दवा के दुष्प्रभावों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, उनके बारे में जानकारी ओवर-द-काउंटर दवा उत्पादों के लेबल पर उपलब्ध होती है। इससे जरूर पढ़ें। इसके अलावा, यदि आप किसी दवा के दुष्प्रभाव के बारे में कोई प्रश्न पूछना चाहते हैं, तो आप अपने फार्मासिस्ट या डॉक्टर से बात कर सकते हैं।

❖ मिताली जैन

आज का राशिफल

मेष राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरूआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी।

वृष राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा।

कर्क राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धनलाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी-छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है।

सिंह राशि : आज का मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बन रहे हैं।

कन्या राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह-नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य-वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

तुला राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी और छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी।

धनु राशि : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

मकर राशि : आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे।

कुंभ राशि : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा।

मीन राशि : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

आंध्र प्रदेश में दो लॉरी की भिडंत में चार लोग जिंदा जले

काकीनाडा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में काकीनाडा जिले के प्रतिपादु मंडल के राष्ट्रीय राजमार्ग पर धर्मवरम के पास शुक्रवार तड़के दो लॉरियों की भिडंत के बाद वाहनों में आग लगने से चार लोगों की जिंदा जल गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि एक लॉरी राजमुंदरी में बालू पहुंचाकर वापस लौट रही थी और तभी अचानक से लॉरी अनियंत्रित हो गई और सड़क के डिवाइडर को पार करने के बाद विपरीत दिशा से आ रही कंटेनर लॉरी से उसकी भिडंत हो गयी। दोनों वाहनों की भिडंत इतनी जबरदस्त थी की टकराने के बाद में उनमें आग लग गयी। इस हादसे में दोनों वाहनों के चालक और क्लीनर सहित चार लोग जिंदा जल गए। अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना मिलते ही विभाग की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों के केबिन में चारों शव जले हुए थे केवल उनके अवशेष मिले हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को नहीं मिली जमानत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अनिल देशमुख को झटका लगा है। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को देशमुख की जमानत याचिका पर सुनवाई फिर से टाल दी है। इससे लंबे समय से जेल में बंद एनसीपी नेता के आज रिहा होने की उम्मीद खत्म हो गई है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनसीपी नेता अनिल देशमुख द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई 6 दिसम्बर तक के लिए टाल दी। वहीं, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो कोर्ट (सीबीआई) ने भ्रष्टाचार के मामले में अनिल देशमुख की न्यायिक हिरासत मांगी है और उनकी जमानत याचिका का विरोध किया है। हाल ही में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिली है। सीबीआई का कहना है कि ईडी के मामले में देशमुख को जमानत मिलना उसके द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में जमानत का आधार नहीं हो सकता है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और आपराधिक साजिश के गंभीर आरोप हैं और मामले में जांच चल रही है।

लोकतंत्र पर हमें कोई ज्ञान न दे : भारत

यूएनएससी में भारत का दो टूक जवाब, कहा – भारत में लोकतंत्र की जड़े 2500 साल पुरानी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत को लोकतंत्र के मसले पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इस पर किसी से ज्ञान लेने की जरूरत नहीं है। यूएन में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने यह तीखी टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के मंच पर की है। भारत को दिसम्बर महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता सौंपी गई है। हर महीने

■ यूएन में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने की तीखी टिप्पणी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता बदलती है और अगस्त 2021 के बाद यह दूसरा मौका है, जब भारत को यह जिम्मेदारी दी गई है। भारत फिलहाल दो साल के लिए इस परिषद का अस्थायी सदस्य भी चुना गया है, जिसकी अवधि इसी महीने के अंत में समाप्त होनेवाली है। भारत की अध्यक्षता के पहले ही दिन रुचिरा कंबोज ने कहा, 'परिषद की सदस्यता के बीते दो सालों में हम यह भरोसे के साथ कह सकते हैं कि सभी जिम्मेदारियों को सही ढंग से निभाय है। सुरक्षा परिषद में सभी आवाजों के बीच एक सेतु बनने का काम किया है। अलग-अलग मुद्दों पर लोग एक स्वर में बात करें, यह भी प्रयास हुआ है। हम अपनी अध्यक्षता के दौरान भी इस कोशिश को जारी रखेंगे।' भारत में लोकतंत्र और मीडिया के एक सवाल पर रुचिरा ने कहा कि हमें किसी को यह बताने की जरूरत नहीं है कि लोकतंत्र पर हमको क्या करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग जानते हैं कि भारत दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें 2500 साल पुरानी हैं। हम हमेशा एक लोकतंत्र ही थे।

76 देशों ने किया है सुरक्षा परिषद में सुधार का समर्थन

इसमें दुनिया की विविधता को उस, तरह जगह नहीं मिली है, जैसे दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें अधिवेशन में 76 देशों ने कहा था कि सुरक्षा परिषद में सुधार होना चाहिए। इसके अलावा 73 देशों ने संयुक्त राष्ट्र में ही सुधार की बात कही है। गौरतलब है कि 14 और 15 दिसम्बर को विदेश मंत्री एस. जयशंकर सुरक्षा परिषद की मीटिंग की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान आतंकवाद से निपटने के उपायों पर भी चर्चा की जाएगी।

लोकतंत्र के सभी स्तंभ मजबूती के साथ कर रहे हैं काम

रुचिरा कंबोज ने कहा कि मौजूदा दौर की भी बात करें लोकतंत्र के सभी स्तंभ मजबूती के साथ काम कर रहे हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया की भी अपनी आवाज है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मजबूती के साथ भारत का पक्ष रखते हुए कहा, 'हम हर 5 साल पर दुनिया की सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव कराते हैं। हर कोई जो भी कहना चाहता है, उसके लिए आजाद है। यह देश तेजी से बदलाव की ओर है।' यही नहीं इस दौरान उन्होंने वैश्विक समुदाय को आईना भी दिखाया। रुचिरा ने कहा कि हम जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बात करते हैं तो इसमें दशकों से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

नाटो में शामिल होने के लिए भारत पर कोई दबाव नहीं डाल सकता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत एक बड़ा देश है, जो 'अपने दम पर खड़ा है और गौरवान्वित' है और कोई भी इस पर दबाव नहीं डाल सकता। यह बात संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने उस समय कही, जब उनसे रूस के विदेश मंत्री के इस दावे के बारे में सवाल किया गया कि पश्चिमी सैन्य समूह नाटो भारत पर मास्को और बीजिंग विरोधी गठबंधन में शामिल होने का दबाव डाल रहा है। कंबोज ने कहा, भारत की बहुआयामी स्वतंत्र नीति है। भारतीय प्रतिनिधि कंबोज ने कहा कि रूस के साथ हमारे महत्वपूर्ण संबंध हैं और जहां तक अमेरिका के साथ संबंधों की बात है, यह एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जो कभी भी इतनी मजबूत नहीं थी। भारत ने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता उस समय संभाली है, जब वीटो के अधिकार वाले रूस के यूक्रेन पर आक्रमण और उससे उपजे वैश्विक तनाव से वह असहाय हो चुका है। इस संदर्भ में पश्चिमी देशों और रूस के साथ भारत का संबंध उपयोगी हो सकता है। गुरुवार को महीने भर के लिए तयक सुरक्षा परिषद के कार्यक्रम में यूक्रेन मुद्दे को शामिल नहीं किया गया है, लेकिन कंबोज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मुद्दा सामने आयेगा।

पीएम मोदी ने पुतिन को दिया था शांति का संदेश : यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के संदर्भ में कंबोज ने कहा कि हम शुरू से ही बहुत स्पष्ट रहे हैं, हमने एक स्वर में शांति की बात की है। हम कूटनीति और संवाद के पक्षधर हैं। इसके लिये हमारे प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) और विदेश मंत्री (एस जयशंकर) दोनों पक्षों से बात कर रहे हैं। हम उन कुछ देशों में से हैं, जो दोनों से बात कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था, 'यह युद्ध का युग नहीं है' और कहा कि इसे वैश्विक स्वीकृति मिली है। जी-20 की हालिया घोषणा में भी इसे शामिल किया गया है। प्रमुख औद्योगिक और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के समूह जी-20 ने पिछले महीने बाली में अपने शिखर सम्मेलन में आम सहमति की बात कही थी।

भारत ने यूक्रेन में बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की

उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने यूक्रेन में बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की है। कंबोज ने बताया कि भारत यूक्रेन को 12 मेडिकल कंसाइनमेंट और शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। एक रिपोर्टर द्वारा चीन में जारी विरोध प्रदर्शन और उसकी सरकार की कोविड नीति के बारे में पूछे जाने पर कंबोज ने कहा, 'हम अन्य देशों के आंतरिक और घरेलू मामलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं, इस पर टिप्पणी करना हमारा काम नहीं है।'

इसरो जासूसी केस में सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस अफसरों की अग्रिम जमानत रद्द

नयी दिल्ली (एजेंसी)। साइंटिस्ट नंबी नारायणन को कथित रूप से 1994 इसरो जासूसी मामले में फंसाने वाले चार आरोपी पुलिस अफसरों की अग्रिम जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी है। मामले में केरल हाईकोर्ट ने आरोपियों की अग्रिम जमानत का आदेश दिया था, उसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया है। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक जस्टिस एमआर शाह की बेंच ने जमानत याचिकाओं को केरल हाईकोर्ट को वापस दे दिया है। साथ ही चार हफ्ते के भीतर मामले पर नए सिरे से फैसला करने को कहा है। चार आरोपी जिन्हें केरल हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत दी थी, उनमें गुजरात के पूर्व डीजीपी आरबी श्रीकुमार, केरल के पूर्व डीजीपी सिबी मैथ्यूज समेत दो पूर्व पुलिस अधिकारी एस विजयन और थम्पी एस शामिल हैं।

मामले में सीबीआई ने केरल हाईकोर्ट के अग्रिम जमानत के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सीबीआई ने कहा था कि जमानत देने से मामले की जांच पटरी से उतर सकती है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 28 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। 1994 इसरो जासूसी मामले में नंबी नारायणन को पुलिस अधिकारियों ने कथित रूप से फंसाया था। उनके साथ भारत के अन्य पांच लोगों समेत मालदीव की दो महिला और दो वैज्ञानिकों पर स्पेस प्रोग्राम के सीक्रेट डॉक्यूमेंट को विदेशों में ट्रांसफर करने का आरोप लगा था।

पंजाब में फिर मिला पाकिस्तानी ड्रोन, पांच किलो हेरोइन भी बरामद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान की ड्रग्स भेजने की नापाक कोशिश को एक बार फिर विफल कर दिया है। बीएसएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में तरनतारन की भारत-पाकिस्तान सीमा के पास खेतों से एक ड्रोन बरामद किया गया है। वहीं, इसमें लायी गयी पांच किलोग्राम हेरोइन भी बरामद की गयी है। ड्रोन उच्च तकनीक से लैस बताया जा रहा है। पंजाब पुलिस और बीएसएफ ने बताया कि शुक्रवार सुबह बीएसएफ और पुलिस के संयुक्त तलाशी अभियान में जवानों ने तरनतारन जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक क्रेश हेक्साकॉप्टर ड्रोन बरामद किया है। इसी ड्रोन से लायी गयी पांच किलो हेरोइन के पैकेट भी बरामद किये गये हैं। हालांकि, ड्रोन कैसे गिरा इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिल पायी है।

समुद्री जहाज से लटककर तय किया 3200 किमी. का सफर

लागोस (एजेंसी)। तीन लोगों ने समुद्री जहाज के पतवार से लटककर करीब 3200 किमी का लंबा सफर तय किया है। इन लोगों ने नाइजीरिया के लागोस से कैनरी द्वीप का सफर जिस तरह से तय किया है, उसे जानने के बाद हरकोई हैरान रह गया है। 11वें दिन जब कैनरी द्वीप पहुंचे तो इन तीनों लोगों की हालात काफी बिगड़ गई थी। लंबी यात्रा की वजह से तीनों ही लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया से ग्रस्त हो गए। बता दें कि, कोस्ट गार्ड द्वारा अवैध रूप से स्पेनिश देश में घुसने के आरोप में तीनों लोगों को पकड़ा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों ने एक ऑइल टैंकर वाले जहाज

एलिथिनी-टू के पतवार पर बैठकर सफर किया। यह हिस्सा जगह के पिछले हिस्से में नीचे की ओर होता है, जो पानी से बेहद करीब होता है। ये तीनों जहाज के जिस पतवार पर बैठे हुए थे, इनकी फोटो देखने के बाद हरकोई हैरान रह गया। वायरल फोटो में इन लोगों के पैर समुद्र की लहरों से महज कुछ इंच की दूरी पर दिख रहे हैं। लोग यह सोचकर दंग रह गए कि ग्यारह दिनों तक भूखे प्यासे कैसे जीवित रहे।

तीनों लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया के हुए शिकार : अधिकारियों ने बताया कि खतरनाक सफर को भूखे-प्यासे तय करने की वजह से तीनों लोग डिहाइड्रेशन और हाइपोथर्मिया के शिकार हो गए। माइग्रेशन एडवाइजर सेमा सांटाना के मुताबिक, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, लेकिन हर बार बेटिकट सफर करने वालों का किस्मत हर वक्त ऐसा साथ नहीं देती है।

असद मजीद खान को पाकिस्तान का नया विदेश सचिव नियुक्त किया गया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शुक्रवार को अनुभवी राजनयिक असद मजीद खान को नया विदेश सचिव नियुक्त किया, जिनका नाम विदेशी साजिश विवाद में सामने आया था। खान की नियुक्ति के साथ इस महत्वपूर्ण पद को लेकर कुछ सप्ताह से जारी अनिश्चितता खत्म हो गई। विदेश कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि खान वर्तमान में बेल्जियम, यूरोपीय संघ (ईयू) और लक्जमबर्ग में पाकिस्तान के राजदूत के रूप में तैनात हैं। एस्टैबलिशमेंट डिवीजन ने नियुक्ति की अधिसूचना जारी की। इस साल सितम्बर में सोहेल महमूद के सेवानिवृत्त होने के बाद यह पद खाली हो गया था और एक स्थायी विदेश सचिव नियुक्त करने के बजाय, वरिष्ठ राजनयिक जौहर सलीम को पद पर औपचारिक नियुक्ति तक विदेश सचिव के कार्यालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया था। उस समय यह अनुमान लगाया गया था कि मजीद खान ही इस पद के लिए नियुक्त होनेवाले थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया क्योंकि देश में राजनीतिक तनाव चरम पर था। कथित साजिश वाशिंगटन से मजीद खान द्वारा भेजे गये एक केबल पर आधारित थी, जो पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिति के बारे में अमेरिकी विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डोनाल्ड लू के साथ उनकी बैठक पर आधारित थी।

बकिंघम पैलेस में नस्लभेद, शाही परिवार की सदस्य ने दिया इस्तीफा

■ प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन ने भी लगाये थे नस्लभेद के आरोप

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के बकिंघम पैलेस की एक अहम सदस्य को नस्लीय कमेंट करने के कारण इस्तीफा देना पड़ा है। माना जा रहा है कि कमेंट करनेवाली प्रिंस विलियम की गॉड मदर हैं। दरअसल, उन पर आरोप है कि उन्होंने एक अश्वेत महिला से पूछा कि वो अफ्रीका के किस हिस्से से आई है, जबकि महिला पहले ही कई बार यह बता चुकी थी कि वो ब्रिटेन की ही नागरिक है। इस बात को महल की सदस्य ने नहीं माना और बार-बार उस पर दबाव बनाते हुए पूछा, नहीं ये बताइए अफ्रीका में कहां से हैं? दरअसल, ये घटना ब्रिटेन की महारानी कैमिला के कार्यक्रम में हुई, जो घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को लेकर किया जा रहा था। वहीं, जिस महिला नगोजी फुलानी पर नस्लीय कमेंट किया गया वो घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए चैरिटी का काम करती हैं। इनका जन्म ब्रिटेन में ही हुआ था।

महल ने जताया अफसोस : बकिंघम पैलेस के सदस्य की टिप्पणी पर महल के प्रवक्ता ने बयान जारी किया है। इसमें मामले की जांच होने की बात कही गई है। प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह के मामलों को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया, जिसने नस्लीय कमेंट किया था, लेकिन यह जरूर बताया है कि उस सदस्य ने माफी मांगने की इच्छा जाहिर की है और उन्हें इस बात पर अफसोस है कि उनकी कमेंट से किसी को तकलीफ हुई है।

नस्लभेदी कमेंट करनेवाली प्रिंस विलियम की गॉड मदर!

हालांकि, ना तो नगोजी फुलानी और ना ही महल के प्रवक्ता ने नस्लीय कमेंट करनेवाले सदस्य का नाम बताया है, लेकिन ब्रिटेन के मीडिया के मुताबिक यह कमेंट 83 साल की प्रिंस विलियम की गॉड मदर लेडी सुजैन हुस्से ने किया था। इस पूरी घटना पर किंग चार्ल्स के बेटे प्रिंस विलियम के प्रवक्ता ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो घटना के दौरान वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन किसी भी हालत में इस तरह के कमेंट स्वीकार्य नहीं हैं।

मेगन मर्केल ने भी लगाये थे नस्लभेद के आरोप

बकिंघम महल में नस्लभेद का यह कोई पहला मामला नहीं है। किंग चार्ल्स के छोटे बेटे प्रिंस हैरी की पत्नी मेगन मर्केल ने भी आरोप लगाया था कि महल में उन पर नस्लभेदी टिप्पणी की गई थी। मेगन ने कहा था कि उनके प्रेगनेंट होने के दौरान महल के लिए काम करने वाले सदस्य ने उनके बच्चे के रंग को लेकर सवाल किए थे।

न्यूज गैलरी

सीबीएसई क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में 52 मॉडल की हुई प्रस्तुति

रांची। सीबीएसई की ओर से क्षेत्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन जेवीएम श्यामली की मेजबानी में शुक्रवार को शुरू हुआ। दो दिवसीय प्रदर्शनी में झारखंड के विभिन्न जिलों से कुल 52 मॉडल विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए। प्रौद्योगिकी एवं खिलौने के तहत सात उप विषयों में मॉडल तैयार किए गए थे। जेवीएम श्यामली के प्राचार्य समरजीत जाना ने बताया कि प्रदर्शनी की रिपोर्ट बोर्ड को भेजी जाएगी। बोर्ड की ओर से मूल्यांकन के बाद विजेताओं की घोषणा की जाएगी। विजेताओं को दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने का मौका मिलेगा। आयोजन में डीपीएस रांची के प्राचार्य डॉ राम सिंह सहित विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य मौजूद थे।

सांसद आदित्य साहू ने ग्रामीण सड़क के निर्माण की रखी मांग

रांची। राज्यसभा के सदस्य आदित्य साहू ने शुक्रवार को झारखंड सरकार के पथ निर्माण सचिव सुनील कुमार से मिलकर रांची जिले की ग्रामीण सड़कों के निर्माण की मांग की है। उन्होंने कांके व ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत इन सड़कों के निर्माण की मांग की है। एनएच-33 के ओरमांझी से उलातू महाकालेश्वर शिवधाम सड़क, मोरहाबादी-ओरमांझी मुख्य सड़क कुच्चू से कुम्हारिया वाया चंद्रा, मायापुर होते हुए बीआईटी पिठोरिया मुख्य सड़क कुम्हरिया तक 14 किमी का निर्माण कराने का आग्रह किया है। सांसद ने कहा कि पूर्ववर्ती रघुवर दास की सरकार ने रांची के कांटाटोली चौक से चंदवे, कुच्चू होते हुए ओरमांझी तक फोरलेन सड़क की स्वीकृति दी थी। इस क्रम में हुंटूर, गोबरहप्पा समेत कई गांवों में भूमि अधिगृहित कर मुआवजा भी दिया जा चुका है। लेकिन यह काम पिछले तीन साल से लंबित है।

केंद्र की नीतियों के खिलाफ मजदूरों-कर्मचारियों ने निकाला संयुक्त जूलूस

रांची। झारखंड के औद्योगिक क्षेत्रों और कई जिला मुख्यालयों पर मजदूरों-कर्मचारियों ने संयुक्त जुलूस और धरना आयोजित कर अधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित 31 सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में केंद्र सरकार की नीतियों को मजदूर विरोधी बताया गया है। इसके खिलाफ ट्रेड यूनियनों ने देशव्यापी विरोध दिवस आयोजित किया। राजधानी रांची में संयुक्त ट्रेड यूनियन के बैनर तले शहीद चौक स्थित जिला स्कूल से राजभवन तक मजदूरों का मार्च आयोजित किया गया और राजभवन को राष्ट्रपति के नाम स्मार-पत्र सौंपा गया। इस कार्यक्रम में कोयला, निर्माण, परिवहन, सेल्स प्रमोशन इम्पलाइज, गिग वर्कर, बैंक और अराजपत्रित कर्मचारियों की हिस्सेदारी हुई। राजभवन के समक्ष हुई सभा की अध्यक्षता पीके गांगुली ने की। सभा को सीटू के प्रकाश विप्लव, अनिर्वाण बोस, एटक के लालदेव सिंह, अशोक यादव, इंटक के संजीव सिंह, एक्टू के भुवनेश्वर केवट, बेफी के एमएल सिंह एआइयुटीयूसी के मिंटू पासवान, गिग वर्कर्स युनियन के प्रतीक, निर्माण युनियन से अमर उरांव, वेनी साहू और कोयला यूनियन से सतीश केशरी समेत विभिन्न श्रमिक नेताओं ने संबोधित किया।

ट्राइबल एडवाइजरी कमिटी (टीएसी) का गठन असंवैधानिक

कमिटी में राज्यपाल की भूमिका महत्वपूर्ण : दीपक प्रकाश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने आज राज्य के ट्राइबल एडवाइजरी कमिटी पर छिड़े विवाद पर राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी कमिटी का गठन ही असंवैधानिक है। बिना राजभवन की सहमति के गठित यह समिति पूरी तरह से अमान्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी इसे पॉकेट की संस्था बनाना चाहते हैं जिसे भारतीय जनता पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि इस कमिटी में राज्यपाल की भूमिका महत्वपूर्ण है। दीपक प्रकाश ने कहा कि भारत की संवैधानिक व्यवस्था में राज्यपाल कोई व्यक्ति नहीं बल्कि संस्था है। राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रमुख हैं। इसलिए राज्यहित में बड़े नीतिगत फैसले पर राज्यपाल की

सहमति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करना चाहिए।

ओरमांझी प्रखंड की प्रमुख अनुपमा देवी भाजपा में शामिल : भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज ओरमांझी प्रखंड की प्रमुख अनुपमा देवी भाजपा में शामिल हुई। प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने अंगवस्त्र और पार्टी का पटका देकर विधिवत रूप से उन्हें पार्टी में शामिल कराया। इस मौके पर दीपक प्रकाश ने कहा कि ओरमांझी की प्रमुख हमारी बहन अनुपमा देवी का भाजपा में शामिल होना यह बता रहा कि प्रतिदिन गांव की सरकार का भरोसा भाजपा पर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से राज्य की हेमन्त सोरेन सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है, खनिज सम्पदाओं की लूट मची हुई है, कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर

> राज्य में आज कोई सुरक्षित नही है ,छोटी छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी जघन्य घटनाएं घटित हो रही है।

बना दी गयी है। राज्य में आज कोई सुरक्षित नही है ,छोटी छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी जघन्य घटनाएं घटित हो रही है। जिस उम्मीद के साथ राज्य की जनता ने हेमन्त सोरेन को सत्ता सौपी थी हेमन्त सरकार उस उम्मीद को पूरा करने में पूरी तरह से फेल हो चुके है। उन्होंने कहा कि अनुपमा देवी के भाजपा में आने के बाद भाजपा को और मजबूती मिलेगी। वहीं प्रमुख अनुपमा देवी ने कहा कि मैं भाजपा की नीति सिद्धान्त और राष्ट्रवादी विचारधारा से प्रभावित होकर आज भाजपा परिवार में शामिल हो रही हूं।

सीएए की फुटबॉल टीम घोषित आज होगा गुमला से मुकाबला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतर जिला फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन, (सीएए) रांची ने अपनी टीम की घोषणा कर दी। सीएए के महासचिव आसिफ नईम ने बताया कि टीम की कमान एजी झारखंड के राष्ट्रीय प्लेयर सोमरा मुंडा को सौंपा गया है। वहीं, उपकप्तान पवन नायक को बनाया गया। रांची का पहला मैच 3 दिसंबर शनिवार को गुमला के साथ खेला जाएगा। यह मैच लोहरदगा के नदिया स्कूल में खेला जाएगा। जीतने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के लिए प्रवेश कर जाएगी।

टीम इस प्रकार हैः सोमरा मुंडा (कप्तान), पवन नायक (उप कप्तान), रेमंड, जीवन मुंडा, बिमल केरकट्टा, रोनी, सुशील कच्छप, नितेश कुमार, विवेक कुजूर, दिनेश, आशीष कुमार, उपेंद्र हजाम, अश्विन पूर्ती, रोहन कच्छप, पारस, कृतिमय, डेविड, रोहित तिग्गा, अगमलाल मुंडा, शंकर उरांव, बबलू कच्छप, अंकित होरो, अब्दुल मुकसीद, दिली उरांव, अमित नायक। कोचः आरके सेनापति, मैनेजरः लाल आरएनए शहदेव।

सांसद संजय सेठ के प्रतिनिधि ने कहा- रिम्स को देखनेवाला कोई नहीं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रिम्स में चारों ओर अराजकता का माहौल है। जिससे समझा जा सकता है कि रिम्स को देखने या इसको नियंत्रित करनेवाला कोई भी नहीं है। हॉस्पिटल को दलालों ने अपने कब्जे में कर रखा है। डॉक्टर से लेकर कर्मचारी, स्टाफ, नर्स में कुछ लोगों को छोड़ दिया जाये तो सभी अपने काम के प्रति लापरवाह हैं। इसी से समझा जा सकता है कि रिम्स और यहां के कर्मचारियों पर प्रशासन का अपना कोई कंट्रोल ही नहीं है। 20 सालों के इतिहास में रिम्स की ऐसी स्थिति नहीं थी जैसी वर्तमान समय में है। ये बातें सांसद संजय सेठ के रिम्स प्रतिनिधि सह जीबी सदस्य राजकिशोर ने कही। उन्होंने कहा कि रिम्स में वर्तमान में मरीजों का इलाज सही ढंग से नहीं हो रहा है। जब कोई वीआइपी या मंत्री का विजिट होता है तो रिम्स प्रशासन होश-हवास में रहता है। बाकी के दिन अधिकारी अपने-अपने ऑफिस में कुंडली मार कर सो जाते हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी सिर्फ और सिर्फ अपना समय काट रहे हैं। रिम्स की स्थिति को सुधारने को लेकर किसी के पास सोचने का भी टाइम नहीं है। अचानक से कोई घटना, दुर्घटना हो जाये या हाइकोर्ट किसी मामले में संज्ञान ले ले तो प्रबंधन की नींद खुलती है। इसके बाद अधिकारी जांच के बाद उचित कार्रवाई की बात कह कर इतिश्री कर लेते हैं। इसके बाद छोटे कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों पर गाज गिरती है। टेंडर का खेल यहां सालों भर चलता रहता है। टेंडर निकालो फिर रद्द कर दो ताकि पहले से काम कर रही एजेंसी ही काम करती रहे। इसी टेंडर के चक्कर में हॉस्पिटल में ना तो कागज है, न रूई, न बैटरी, हैंडवॉश, न सिरिंज, न रीएजेंट, न केमिकल। उन्होंने कहा कि रिम्स जीबी की बैठक भी सिर्फ खानापूर्ति के लिए होती है। जिसमें बिल्डर, ठेकेदार के बिल पास किये जाते हैं।

प्राइवेट लैब को फायदा पहुंचा रहे

उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों की कई तरह की जांच, पैथोलॉजी, सीटी स्कैन, एमआरआइ बंद है। जिसका फायदा प्राइवेट लैबवाले उठा रहे हैं। रिम्स कैंपस में ही दो-दो प्राइवेट एजेंसी चल रही है। उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए रिम्स में षड्यंत्र कर मरीजों को वहां भेजा जा रहा है। इतना ही नहीं प्राइवेट लैब के दलाल भी हॉस्पिटल में बेखौफ घूम रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यहां के कुछ कर्मचारी हैं। कमीशन के चक्कर में दलालों को बुला रहे हैं।

बालिका उच्च विद्यालय बरियातू में बालिका श्रेणी में फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार को जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के अंतर्गत बालिका उच्च विद्यालय बरियातू रांची के मैदान में वर्ग 6 से 8 के लिए बालिका श्रेणी में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया प्रतियोगिताके दौरान जिले के दौरान कुल 18 प्रखंडों की टीम ने भाग लिया जिसमें कांके प्रखंड की टीम विजेता रही जबकि लापुंग प्रखंड के टीम उपविजेता रहे। विजेता टीम को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित नरेंद्र सिंह सैनी ने विजेता ट्रॉफी वितरण किए । इसी प्रकार बालक की श्रेणी का मैच संत जॉन उच्च विद्यालय इंग्लिश मीडियम रांची के मैदान में आयोजित किया गया प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया जिसके फाइनल में नगरी एवम मांडर के बीच मुकाबला हुआ। अंत में नगरी की टीम विजेता रही जबकि मांडर की टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान श्री विनय बंधु कच्छप, प्रताप कुमार, पंकज तिर्की, ओम प्रकाश उपाध्याय, शांति कुमारी, करुणा पूर्ति एवम सुश्री कृपा के साथ फिजिकल टीचर जफर इमाम, मुदरस्सर एवं अन्य उपस्थित थे।

मेगा स्वास्थ्य शिविर की झारखंड वापसी, अबुआ बुगिन स्वास्थ्य की क्षेत्र में गूंज

जनजातीय समुदाय के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने हमारे जनजातीय समुदायों के उनके अपने पारंपरिक तरीकों को सुरक्षित व प्रोत्साहित करते हुए उनके स्वास्थ्य के अधिकार को सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। इस क्रम में झारखंड के सरायकेला-खरसवां में एक मेगा स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था की जा रही है। इस शिविर का लक्ष्य है अपने जनजातीय भाइयों और बहनों को उनके अपने स्वास्थ्य की स्थिति तय करने में सक्रिय रूप से संलग्न करना। साथ ही चिकित्सा करने के उनके पारंपरिक तरीकों को इसमें शामिल किया गया है तथा खुद को स्वस्थ रखने के उनके उपायों को कायम रखना भी इसके दायरे में है। जनजातीय भाइयों-बहनों को बेहतरीन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समान अधिकार भी देने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शानदार नेतृत्व में, मंत्रालय ने बेहतर भविष्य के लिये बेहतर स्वास्थ्य का आह्वान किया है। मेगा स्वास्थ्य शिविर प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की धरती झारखंड के सरायकेला-खरसवां में स्थित काशी शाहू कॉलेज (केएससी) में चार दिसंबर को आयोजित किया जायेगा।

रांची रेलवे स्टेशन से दो नाबालिग को बरामद

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से दो नाबालिगों को बचाया है। आरपीएफ रांची की मेरी सहेली टीम और नन्हे फरिस्ते टीम शुक्रवार को स्टेशन राउंड चेकिंग पर थी। इसी दौरान टीम ने देखा कि दो नाबालिग स्टेशन पर बिना किसी सामान के घूम रहे हैं। उनसे पूछने पर दोनों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।दोनों नाबालिग हजारीबाग के रहने वाले थे। दोनों ने अपने परिजनों का मोबाइल नंबर दिया। टीम ने मोबाइल नंबर पर कॉल किया। यह पता चला कि दोनों नाबालिग चचेरे भाई हैं और 28 नवम्बर को घर से भाग गए थे। इस संबंध में हजारीबाग कोरह पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज है।

पृष्ठ एक के शेष

किसानों के लंबे दावे का...

बताया कि किसानों को भुगतान पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा और लापरवाही बरतनेवाली कंपनी के ऊपर पैनाल्टी लगाने का प्रावधान भी किया गया है। यह भी तय किया गया कि सभी इंश्योरेंस कंपनियां राज्य सरकार को शपथ-पत्र देंगी। केंद्रांश और राज्यांश की राशि मिलने के सात दिनों के अंदर सभी किसानों के क्लैम का भुगतान उनके बैंक अकाउंट में कर दिया जायेगा। बैठक में मुख्य रूप से कृषि सचिव अबूबकर सिद्दिकी, सहकारिता निबंधक मृत्युंजय वर्णवाल, संयुक्त सचिव गोपालजी तिवारी, विशेष सचिव प्रदीप हजारे, केंद्र सरकार की ओर से असिस्टेंट कमिश्नर सुनील कुमार सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

वन संरक्षण नियम-2022 में बदलाव लाने...

के लिए वन भूमि का उपयोग करने से पहले ग्राम सभा की सहमति प्राप्त करने की अनिवार्य आवश्यकताओं को समाप्त कर दिया है।

कानून समावेशी होने चाहिए, आदिवासियों की आवाज न दबे : मुख्यमंत्री ने कहा है कि 2022 की नयी अधिसूचना में ग्राम सभा की सहमति की शर्त को आश्चर्यजनक रूप से पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। अब ऐसी स्थिति बन गयी है कि एक बार फॉरेस्ट क्लीयरेंस मिलने के बाद बाकी सब बातें औपचारिकता बनकर रह जायेंगी। राज्य सरकारों पर वन भूमि के डायवर्जन में तेजी लाने के लिए केंद्र का और भी अधिक दबाव होगा। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया है कि प्रधानमंत्री इस पर निर्णय लें, ताकि विकास की आड़ में सरल और सौम्य आदिवासी और वनों पर निर्भर रहनेवाले लोगों की आवाज ना दबे। सरकार के कानून समावेशी होने चाहिए। ऐसे में वन संरक्षण नियम-2022 में बदलाव लाना चाहिए, जिससे देश में आदिवासियों और वन समुदायों के अधिकारों की रक्षा करनेवाली व्यवस्था और प्रक्रियाएं स्थापित होंगी।

साइबर अपराध पर नियंत्रण की दिशा में...

बारे में कैसे जागरूक हों, आरबीआई को इस दिशा में भी ध्यान देने की आवश्यकता है। ग्राहकों को खाता खुलवाने के समय ही रिजर्व बैंक द्वारा जागरूकता संबंधी पत्रक दिये जायें, साथ ही हर बैंक में प्रवेश करते ये पत्रक उपलब्ध हों। ग्रामीण क्षेत्रों एवं इंटरनेट पर भी ग्राहकों को उनके उपभोक्ता संबंधी अधिकार की जानकारी मौजूद हों। लोगों को समझाया जाना चाहिए कि रिजर्व बैंक लोकपाल का कार्यालय वित्तीय सेवाओं के उपयोगकर्ताओं की शिकायतों का निवारण एक सस्ती, शीघ्र, निष्पक्ष और उचित प्रक्रिया से सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने रिजर्व बैंक को विगत माह व्यापक उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी उपभोक्ता वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी। उक्त अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी, आरबीआई के महाप्रबंधक संजीव सिन्हा, लोकपाल, आरबीआई, रांची चंदना दासगुप्ता समेत आरबीआई के विभिन्न अधिकारीगण, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

महंगे वकीलों पर सरकारी फंड से...

हैं। जायज-नाजायज खदान बंद करा अपनी पीठ खुद थपथपाते हैं। इससे क्या होगा? पिछले दो सालों के खनन महालूट, जहाज कांड का हिसाब तो देना होगा न। एसपी और डीसी के मिलीभगत के बिना एक हजार करोड़ का खनन लूट और अपराधियों का नाच हो ही नहीं सकता। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वहां के दोनों अफसर मुख्य रूप से बराबर के दोषी हैं। इन्हें सजा दिलाये बगैर साहिबगंज महाघोटाला पर्दाफाश की कहानी पूरी नहीं सकती।

गायों की सेहत, प्रजनन, दूध...

में मदद मिलेगी। इसके अलावा गायों के आसपास के वातावरण की स्थिति को भी ट्रैक किया जायेगा। इसमें ऑक्सीजन स्तर, तापमान, हवा में नमी और मौसम की स्थिति शामिल हैं। इस स्मार्ट वाच को गायों से पहले इंसानों पर टेस्ट किया गया। जिसमें पता चला कि डिवाइस एक छोटी से चहलकदमी को भी पकड़ लेता है। इसमें तापमान व अन्य मापन तुरंत रिकॉर्ड हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसे और परिष्कृत करके इंसानों के दैनिक जीवन में भी काम आने लायक बनाने की तैयारी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No-6/ RCD/Daltonganj/2022-23/ 1013
Dated:- 01.12.2022

1.	Name of Work	IRQP Work of Daltonganj - Hariharganj Road (MDR-118) (Length-4.075 km) for the year 2022-23.
2.	Estimated Cost	Rs. 1,95,91,000.00 (Rupees One Crore Ninety Five Lacs Ninety One Thousand) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 1,96,000.00 (Rupees One Lacs Ninety Six Thousand) Only.
4.	Time of Completion	02 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	09.12.2022, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	23.12.2022, 12:00 Noon
7.	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	26.12.2022, 15:00 PM
8.	Date and Time of Bid opening	28.12.2022, 12:30 PM
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Office of the Chief Engineer (Com.) -Cum-Nodal officer, e -Procurement Cell, Road Const. Dept. 1st Floor, Engineering Hostel,No.-2, Dhurwa, Ranchi. 834004
10.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Daltonganj.06562–225019
11.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
12.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may be very.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 284059 Road (22-23)D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No-9/ RCD/Daltonganj/2022-23/ 1014
Dated:-01.12.2022

1.	Name of Work	IRQP Work of Belwatikar Chowk to NH-75 via Old Income Tax Office (ODR) (Length- 1.53 km) for the year 2022-23.
2.	Estimated Cost	Rs. 1,12,18,000.00 (Rupees One Crore Twelve Lacs Eighteen Thousand) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 1,12,200.00 (Rupees One Lacs Twelve Thousand Two Hundred Only)
4.	Time of Completion	02 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	10.12.2022, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	26.12.2022, 12:00 Noon
7.	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	28.12.2022, 15:00 PM
8.	Date and Time of Bid opening	30.12.2022, 12:30 PM
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Office of the Chief Engineer (Com.)-Cum-Nodal officer, e-Procurement Cell, Road Const. Dept. 1st Floor, Engineering Hostel,No.-2, Dhurwa, Ranchi. 834004
10.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.C.D., Road Division, Daltonganj.06562–225019
11.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
12.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may be very.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR.NO.284055 Road(22-23):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
Road Construction Department, Road Division, Daltonganj

Short Term e-Procurement Notice

e-Tender Ref No-5/ RCD/Daltonganj/2022-23/ 1012 Dated:- 01.12.2022

1.	Name of Work	IRQP Work of Bishrampur -More To Bishrampur Road km 0.00 to 3.925 for the year 2022-23.
2.	Estimated Cost	Rs. 3,22,82,000.00 (Rupees Three Crore Twenty Two Lacs Eighty Two Thousand) Only.
3.	Bid Security (Amount)	Rs. 3,22,900.00 (Rupees Three Lacs Twenty Two Thousand Nine Hundred) Only.
4.	Time of Completion	02 Months
5.	Date of Publication of Tender on Website	09.12.2022, 10:30 AM
6.	Last Date/Time of Online Bid Submission	23.12.2022, 12:00 Noon
7.	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	26.12.2022, 15:00 PM
8.	Date and Time of Bid opening	28.12.2022, 12:30 PM
9.	Bid (Tender Fee & EMD) Submission Address	Office of the Chief Engineer (Com.)-Cum- Nodal officer, e-Procurement Cell, Road Const. Dept. 1st Floor, Engineering Hostel,No.-2, Dhurwa, Ranchi. 834004
10.	Name & address of officer Inviting tender	Executive Engineer, R.CD., Road Division, Daltonganj.06562–225019
11.	E-mail Id	eercdmedini-jhr@nic.in
12.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Note : Estimated amount may be very.
For further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in.

Executive Engineer
Road Construction Department
Road Division, Daltonganj.

PR 284062 Road(22-23)#D

कार्यालय जिला परिषद, पलामू
E-mail-zilaparishad.palamu@gmail.com

आम सूचना

एतद् द्वारा सभी आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद, पलामू के नियंत्रणाधीन बहुदेशीय भवन एवं डाक बंगला की बंदोबस्ती तीन वर्षो के लिए खुली डाक के द्वारा निम्नांकित तिथि को उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के डी0आर0डी0ए0 स्थित कार्यालय प्रकोष्ट में की जायेगी।

क्र0	सैरात का नाम	प्रखण्ड	तीन वर्षो के लिए डाक की न्यूनतम राशि	अग्रधन की राशि 25%	डाक की तिथि	समय
1	2	3	4	5	6	7
1	नया डाक बंगला, पाँकी	पाँकी	288000.00	72000.00	13-12-2022	अपराह्न 1:00 बजे
2	डांक बंगला, नावाखास	पाटन	288000.00	72000.00		
3	बहुदेशीय भवन, किशुनपुर	पाटन	234000.00	58500.00		
4	बहुदेशीय भवन, मोहम्मदगंज	मोहम्मदगंज	90000.00	22500.00		
5	बहुदेशीय भवन, दुबियाखाड़	सदर मेदिनीनगर	108000.00	27000.00		
6	बहुदेशीय भवन, मनातू	मनातू	90000.00	22500.00		
7	बहुदेशीय भवन, सेमरी	पाटन	180000.00	45000.00		
8	नया डाक बंगला, पंड़वा	पंड़वा	288000.00	72000.00		
9	बस पड़ाव मोहम्मदगंज	मोहम्मदगंज	360000.00	90000.00		
10	बस पड़ाव लेस्लीगंज	लेस्लीगंज	360000.00	90000.00		

उपरोक्त सैरात के बंदोबस्ती हेतु खुली डाक में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को दिनांक 12.12.2022 तक कॉलम संख्या–5 में निर्धारित अग्रधन राशि बैंक ड्राफ्ट द्वारा जो सचिव, जिला परिषद, पलामू के पदनाम से भुगतेय होगा कार्यालय जिला परिषद, पलामू में जमा करना अनिवार्य होगा। बैंक ड्राफ्ट के साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो, वैध चरित्र प्रमाण पत्र, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, पहचान पत्र एवं पैन कार्ड का छायाप्रति जमा करना आवश्यक होगा। सैरात की बंदोबस्ती की अवधि तीन वर्षो की होगी। सर्वोच्च डाक वक्ता को डाक समाप्ति के पश्चात् तत्काल सम्पूर्ण डाक राशि का 50% नकद राशि के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। एक डाक से दूसरे डाक के बीच की अन्तर राशि न्यूनतम 10000.00 (दस हजार) रूपये की होगी।

उप विकास आयुक्त–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू को बिना कारण बताये डाक स्थगित करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा। किसी भी प्रकार के वाद–विवाद का निपटारा स्थानीय न्यायालय में किया जायेगा।

ह0/–
उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू।

PR.NO.284083 District(22-23):D

न्यूज गैलरी

फीफा वर्ल्ड कप 2022 से टीम के बाहर होने पर बेल्जियम के कोच ने दिया इस्तीफा

ब्रसेल्स (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 से ग्रुप स्टेज से बेल्जियम के बाहर होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। जिसमें बेल्जियम के कोच रोबर्टो मार्टिनेज ने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे के साथ उन्होंने कहा कि 'उनके इस फैसले का संबंध टीम के वर्ल्ड कप से बाहर होने से नहीं है। अगर बेल्जियम वर्ल्ड कप जीत भी जाती तो भी वह कोच पद से हट जाते'। बता दें कि क्रोएशिया के खिलाफ बेल्जियम का मुकाबला ड्रॉ रहा और वह वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। ऐसे में क्रोएशिया के खिलाफ मैच के बाद 49 वर्षीय रोबर्टो ने कहा, 'राष्ट्रीय टीम के लिए यह मेरा आखिरी मैच था। मैं अब यहां आगे सेवा नहीं दे सकूंगा। चाहे हम वर्ल्ड चैंपियन बन जाते या ग्रुप स्टेज से बाहर हो गए, मेरा फैसला यही होता। ग्रुप स्टेज से बाहर होने का इससे कोई संबंध नहीं है।' रोबर्टो आगे कहते है कि 'साल 2018 से ही मेरे पास कई विकल्प थे। मुझे कई फुटबॉल क्लब से ऑफर आए लेकिन मैंने बेल्जियम की राष्ट्रीय टीम से जुड़ा रहा। अब मेरा कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो रहा है।'रोबर्टो साल 2016 में बेल्जियम के कोच के पद पर नियुक्ति हुए थे। इससे पहले पिछले साल यूरो कप में भी बेल्जियम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। हालांकि इस बार टीम ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया।

22 वर्षीय फुटबॉलर की ट्रेनिंग के दौरान मौत

अर्जेंटीना (एजेंसी)। कोलम्बियाई मिडफील्डर एंड्रेस बलंता का मंगलवार को अर्जेंटीना के फर्स्ट डिवीजन क्लब एटलेटिको टुकुमन की तरफ से चल रहे प्रशिक्षण सत्र के दौरान गिरने के बाद निधन हो गया। अचानक जमीन पर गिरने के बाद 22 वर्षीय बलंता का मेडिकल टीम द्वारा तत्काल इलाज किया गया जिन्होंने उसे बचाने की कोशिश की। हालांकि यह कोशिश सफल ना हो सकी। सेंट्रो डी सालुद अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह क्लब का दूसरा प्री-सीजन प्रशिक्षण था। डिफेंसिव मिडफील्डर जुलाई 2021 में डेपोर्टिवो कैली से एटलेटिको में शामिल हुआ थे और 2019 अंडर-20 विश्व कप में कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम के लिए खेले थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में बलंता को भी इसी तरह की समस्या हुई थी जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह तब प्रशिक्षण में गिर गया था और उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। कम ग्लूकोज के कारण उन्हें मेटाबॉलिक-टाइप सिंकोप (मामूली बेहोशी) का सामना करना पड़ा था, हालांकि उस समय एमआरआई और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम ने कुछ भी असामान्य नहीं दिखाया था।

राशिद खान और पोलार्ड संभालेंगे एमआई टीम की विदेशी लीग्स में कमान

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंजाइजी मुंबई इंडियंस (एमआई) अब विदेशी लीग्स में भी अपना विस्तार कर रही है। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी अब यूएई और साउथ-अफ्रीका में शुरू होने वाली लीग्स में हिस्सा लेने जा रही है। एमआई ने यूएई लीग में एमआई अमीरात और साउथ-अफ्रीका में एमआई केपटाउन टीम के नाम से इन दोनों लीग्स में हिस्सा लेने जा रही। एमआई ने अब इन दोनों टीमों के कप्तानों की घोषणा भी कर दी है। फ्रेंचाइजी ने यूएई लीग (आईएलटी-20) में एमआई अमीरात टीम की कमान वेस्टइंडिज दिग्गज आलराउंडर किरोन पोलार्ड को सौंपी है, जबकि साउथ-अफ्रीका की लीग (एसएटी-20) में एमआई केपटाउन की कमान अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान को सौंपी है। मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी मालिक आकाश अंबानी ने कहा कि हमारे दोनों कप्तानों में प्रतिभा, अनुभव और जुनून का अद्भुत मिश्रण है। मुझे विश्वास है कि पोलार्ड और राशिद क्रिकेट के एमआई ब्रांड को आगे बढ़ाएंगे।

आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले ड्वेन ब्रावो ने लिया संन्यास

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग-2023 के लिए ड्वेन ब्रावो को गेंदबाजी कोच बनाया है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली फ्रेंचाइजी ने उन्हें आईपीएल 2023 से पहले होने वाले मिनी ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया था। इसके बाद दाएं हाथे के ऑलराउंडर ने नीलामी के लिए अपना नाम नहीं दिया था। अब उन्होंने आईपीएल से संन्यास ले लिया है और वह नयी भूमिका में दिखाई देंगे। ड्वेन ब्रावो से पहले उनके साथी क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड ने रिलीज होने के बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया था और आईपीएल 2023 के लिए मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच बन गए थे। चेन्नई सुपरकिंग्स ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपना नए गेंदबाजी कोच बनाने की घोषणा की। इस दौरान यह भी बताया कि लक्ष्मीपति बालाजी को एक साल के लिए ब्रेक दिया गया है। ड्वेन ब्रावो ने आईपीएल से संन्यास और चेन्नई सुपर किंग्स में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद कहा कि मैं इस नए सफर का इंतजार कर रहा हूं। यह ऐसा काम है जिसे मैं संन्यास के बाद करना चाहता हूं। मुझे गेंदबाजों के साथ काम करने में मजा आता है और मैं इस भूमिका को लेकर उत्साहित हूं। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ी से कोच बनने के बाद मुझे नहीं लगता कि मुझे ज्यादा एडजस्ट करने की जरूरत है, जब मैं खेल रहा होता हूं, तो मैं हमेशा गेंदबाजों के साथ काम करता हूं और बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहने के लिए योजना बनाने की कोशिश करता हूं। ब्रावो ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज बनूंगा। मैं आईपीएल का हिस्सा बनकर खुश हूं! ड्वेन ब्रावो ने इंडियन प्रीमियर लीग के 161 मैचों में 183 विकेट लिए हैं और लगभग 130 के स्ट्राइक रेट से 1560 रन भी बनाए हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। 2011, 2018 और 2021 में सीएसके की आईपीएल खिताबी जीत और 2014 में चैंपियंस लीग टी-20 जीत में हिस्सा रहे। ड्वेन ब्रावो दो आईपीएल सीजन (2013 और 2015) में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी थे। ड्वेन ब्रावो ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 144 मैच खेले में 168 विकेट लिए हैं और 1556 रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा ने एयरपोर्ट पर पूछा मजेदार सवाल, जवाब सुन निकल गयी हंसी

ढाका (एजेंसी)। टीम इंडिया तीन मैचों की वनडे और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए ढाका पहुंच चुकी है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और अन्य सभी खिलाड़ी जो न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे, पहले से ही ढाका में हैं। इस बीच, न्यूजीलैंड दौरे से शिखर धवन, वाशिंगटन सुंदर और अन्य लोग ढाका में भारतीय टीम में शामिल हुए। भारत बनाम बांग्लादेश वनडे सीरीज का पहला मैच रविवार (4 दिसम्बर) को ढाका में खेला जायेगा।

बांग्लादेश के लिए रवाना होने से पर एयरपोर्ट से कप्तान रोहित शर्मा का एक मजेदार वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में रोहित शर्मा एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। इस दौरान बहुत सारे पैपराजी उनकी तस्वीरें क्लिक करते हैं और इसके साथ ही उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए शुभकामना भी देते हैं। ऐसे में रोहित शर्मा पैपराजी से पूछते हैं कि वह इतनी सारी तस्वीरों का क्या करते हैं। इस पर पैपराजी जवाब देते हैं कि यह उनकी ड्यूटी है। पैपराजी की बात सुनकर रोहित शर्मा हंसने लगते हैं। इस वायरल वीडियो को फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं और इस पर अपने कमेंट भी कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम को बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी हैं। भारत के बांग्लादेश दौरे पर वनडे सीरीज पहले खेली जायेगी, फिर टेस्ट सीरीज होगी। तीन वनडे मुकाबले चार, सात और 10 दिसम्बर को होने हैं। 14 दिसम्बर और 22 दिसम्बर को दो टेस्ट आधिकारिक रूप से शुरू होंगे। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज दोनों में टीम इंडिया की कप्तानी रोहित शर्मा कर रहे हैं। भारतीय टीम में हर बड़ा भारतीय खिलाड़ी शामिल है। वहीं, तमीम इकबाल बांग्लादेश के कप्तान हैं। घरेलू टीम ने अभी तक अपनी टेस्ट टीम का चयन नहीं किया है। वनडे और टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में भारत ने आखिरी बार न्यूजीलैंड का सामना किया था। पिछली बार बांग्लादेश ने 2022 में आईसीसी टी-20 विश्व कप खेला था, जहां वे सुपर 12 राउंड में हार गये थे और प्लेऑफ में आगे नहीं बढ़ पाये थे।

टीमें इस प्रकार है :-

भारत टेस्ट टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रीकर भरत, कुलदीप यादव, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और उमेश यादव।

भारत वनडे टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शाहबाज अहमद, केएल राहुल, ऋषभ पंत, इशान किशन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर और कुलदीप सेन।

वनडे व टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश पहुंची टीम इंडिया

ढाका (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच चार दिसम्बर से वनडे सीरीज खेली जाएगी। इसके लिए रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया बांग्लादेश पहुंच गयी है। रोहित के साथ-साथ विराट कोहली और बाकी खिलाडियों का एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया। कोहली और रोहित को छोटे बच्चों ने गुलदस्ते देकर स्वागत किया। टीम इंडिया की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए गए हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। यहां टीम इंडिया तीन वनडे और दो टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड दौरे में भारत को छह मैच खेलने थे, लेकिन बारिश की वजह से सिर्फ तीन मैच का ही नतीजा निकल पाया। एक टी-20 और दो वनडे मैच बारिश की वजह से रद्द हो गए। वहीं, एक टी-20 मैच बारिश की वजह से टाई हो गया। हालांकि, बांग्लादेश के दौरे पर बारिश की संभावना कम है और सभी मैच पूरे होने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में हार्दिक पांड्या टी-20 टीम के कप्तान थे। वहीं, शिखर धवन को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया था। रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल को इस दौरे पर आराम दिया गया था। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज में सभी सीनियर खिलाड़ी टीम का हिस्सा हैं। रोहित और विराट कोहली जैसे दिग्गज भी इस सीरीज में खेलते दिखेंगे। इस दौरान विराट कोहली अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर का 72वां शतक भी लगा सकते हैं। विराट कोहली ने अपना आखिरी टेस्ट शतक नवम्बर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। इसके बाद उनका एकमात्र शतक टी-20 फॉर्मेट में आया है। अब कोहली पुरानी लय में लौट चुके हैं और लगातार मैच जिताऊ पारियां खेल रहे हैं। ऐसे में उम्मीद की जी रही है कि कोहली अपने टेस्ट शतक का सूखा बांग्लादेश में खत्म कर सकते हैं।

- पिछली बार टीम इंडिया को मिली थी शर्मनाक हार, कल खेला जायेगा पहला वनडे मुकाबला

बांग्लादेश के खिलाफ भारत का रहा है शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया द्विपक्षीय सीरीज के अलावा अन्य टूर्नामेंट में भी बांग्लादेश के खिलाफ उसके घर में खेली है। अब तक हुए 22 वनडे मैचों में भारतीय टीम 17 जीती है और चार हारी है। एक में नतीजा नहीं निकला है। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक 36 मैच हुए हैं। इनमें भारत 30 जीता है और पांच में उसे हार मिली है। एक में नतीजा नहीं निकला।

अकरम ने 1996 विश्व कप की घटना का किया खुलासा, कहा -

हमने प्रेस को नहीं बताया, ताकि इंडिया को कॉन्फिडेंस ना मिले

नयी दिल्ली (एजेंसी)। वसीम अकरम की गिनती दुनिया के सबसे महानतम क्रिकेटर्स में होती है। इसी बीच 1996 विश्व कप को लेकर अकरम ने बड़ा खुलासा किया है। अकरम ने बताया कि कैसे जब वे 1996 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में नहीं खेल पाये थे, जिसकी वजह से आज तक आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। अब अकरम ने एक और खुलासा किया है। बता दें कि अकरम उस मैच से बाहर हो गये थे और वे पाकिस्तानी टीम के कप्तान भी थे। ऐसे में टीम को काफी निराशा हुई थी। अब उस घटना के 26 साल बाद अकरम ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि कैसे पाकिस्तानी टीम ने उनके मैच से बाहर होने की खबर प्रेस तक नहीं पहुंचने दी। बता दें पिछले महीने टी-20 विश्व कप के दौरान एक कार्यक्रम में वसीम अकरम से एक फैन ने पूछा कि आप उस महत्वपूर्ण मुकाबले में क्यों नहीं खेले थे? तब अकरम ने बताया था कि क्यों वे उस मुकाबले में नहीं खेले थे। अब एक बार फिर अकरम ने बताया है कि दरअसल मैं न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में एक छक्का लगाने की कोशिश में चोटिल हो गया था। मैंने 34 रन बनाये, लेकिन मेरी मसल पूल हो गयी और इस बात को हमने प्रेस को नहीं बताया कि इंडिया को कॉन्फिडेंस ना मिले कि इनका मेन प्लेयर नहीं खेल रहा है। ईएसपीएन क्रिकइंफो के साथ हुई बातचीत के दौरान अकरम ने इस पूरी कॉन्ट्रोवर्सी के बारे में बताया वे किस तरह से बाहर हो गये थे और कैसे उन्हें अब तक उसके लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मैंने हमेशा पाकिस्तान के लिए क्रिकेट खेला है, लेकिन अब तक लोगों की आलोचनाओं का सामना कर रहा हूं। मैं पूछता हूं बाकी के 11 प्लेयर क्या कर रहे थे वहां। ऐसा कहकर अकरम ने अपनी बात रखी।

सऊदी अरब-मैक्सिको फीफा वर्ल्ड कप से बाहर

अर्जेंटीना ने पोलैंड को 2-0 से हराया, दोनों टीमें अंतिम-16 में पहुंचीं

दोहा (एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2022 के ग्रुप सी से अर्जेंटीना और पोलैंड की टीम अंतिम-16 में पहुंच चुकी हैं। अर्जेंटीना ने अपने आखिरी ग्रुप मैच में पोलैंड को 2-0 से हराया और अपने ग्रुप की अंक तालिका में टॉप पर रहकर अगले दौर में जगह बनाई। वहीं, पोलैंड की टीम को इस विश्व कप में पहली हार मिली। इस हार के बावजूद पोलैंड की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रही और अंतिम 16 में पहुंच गई।

इस ग्रुप से सऊदी अरब और मैक्सिको की टीम का सफर ग्रुप स्टेज में ही खत्म हो गया। अर्जेंटीना और पोलैंड के मैच में मैक एलिस्टर और जूलियन अल्वारेज ने एक-एक गोल दागा। इस मुकाबले में अर्जेंटीना की टीम ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। अर्जेंटीना ने ग्रुप-स्टेज में दो जीत और एक हार के साथ कुल छह अंक हासिल किए और अंक तालिका में शीर्ष पर रहा। वहीं, पोलैंड और मैक्सिको के पास चार-चार अंक थे, लेकिन पोलैंड का गोल डिफरेंस बेहतर था और यह टीम अगले दौर में पहुंची। अर्जेंटीना ने इस मैच में आक्रामक शुरूआत की। मैच का पहला कार्नर भी हासिल किया, लेकिन पोलैंड की टीम ने इस पर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद मेसी ने शुरूआती 10 मिनट में गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन गोलकीपर ने दो बार बेहतरीन बचाव कर गोल नहीं होने दिया। इसके बाद भी अर्जेंटीना की टीम लगातार आक्रामक तरीके से खेलती रही, लेकिन गोल नहीं कर सकी। मैच के 35वें मिनट में मेसी ने जूलियन अल्वारेज के क्रॉस पर हेडर के जरिए गोल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से बाहर चली गई। बाद में पाया गया कि इस दौरान मेसी का शरीर विपक्षी खिलाड़ी के संपर्क में था और अर्जेंटीना को पेनल्टी मिली। हालांकि, पेनल्टी पर भी गोल नहीं कर सके। पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं, लेकिन अर्जेंटीना ने काफी आक्रामक खेल दिखाया और पोलैंड ने बेहतरीन बचाव किया।

मैक्सिको को जीत के बाद भी होना पड़ा बाहर

मैक्सिको की टीम ने सऊदी अरब के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीता, लेकिन इसके बावजूद यह टीम अगले दौर में नहीं पहुंच सकी। अपने आखिरी मैच में मैक्सिको ने सऊदी अरब को 2-1 के अंतर से हराया। अगर यह अंतर 2-0 होता तो मैक्सिको की टीम अगले दौर में होती, लेकिन सऊदी अरब ने गोल कर मैक्सिको को भी विश्व कप से बाहर कर दिया। इस मैच का पहला गोल हेनरी मार्टिन ने किया। उन्होंने मैच के 47वें मिनट में मैक्सिको को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 52वें मिनट में लुईस चावेज ने गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। सऊदी अरब के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में आया। सलेम अल्डावसारी ने गोल कर अपनी टीम की हार का अंतर कम किया और उनके गोल की वजह से ही मैक्सिको की टीम विश्व कप से बाहर हो गई।

शर्मनाक रिकॉर्ड : डेब्यू मैच में महमूद की जमकर कुटाई

पाकिस्तान के लिए महमूद ने डाला सबसे महंगा टेस्ट ओवर

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत रावलपिंडी में हो गई है। गुरुवार को टेस्ट मैच के पहले ही दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने विस्फोटक खेल दिखाया।

उन्होंने पाकिस्तान के गेंदबाजों की कुटाई करते हुए 500 से ज्यादा रन बना दिए। पहली बार ऐसा हुआ, जब टेस्ट के पहले दिन 500+ रन बने। दूसरे दिन भी इंग्लिश बल्लेबाजों ने वैसी ही बल्लेबाजी की। हालांकि, उनके विकेट गिरे लेकिन बल्लेबाज रुके नहीं। पाकिस्तान के लिए 34 साल के लेग स्पिनर जाहिद महमूद ने इस मैच में डेब्यू किया है। उनकी जमकर कुटाई हुई। इंग्लैंड की पारी के 83वें ओवर में तो महमूद के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया। इस ओवर में इंग्लिश बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने 27 रन जड़ दिए। यह टेस्ट इतिहास में किसी भी पाक गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर है। इससे पहले यूनिस खान और दानिश कनेरिया ने एक ओवर में 26-26 रन खर्च किये थे।

- इंग्लिश बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने की छक्के-चौकों की बरसात
- इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाये 657 रन

हैरी ब्रूक ने मारे एक ओवर में दो छक्के और तीन चौके

83वें ओवर की पहली गेंद पर हैरी ब्रूक ने स्विच हिट से छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने स्विप लगाकर चार रन बटोरे। तीसरी गेंद पर स्विच हिट और चौथी पर पुल से हैरी ने चौके लगाए। 5वीं गेंद पर हैरी ब्रूक ने सामने की तरफ छक्का लगाया। ओवर की आखिरी गेंद बल्लेबाज के बल्ले पर ठीक से नहीं आई। किनारे पर लगने के बाद यह विकेटकीपर के ऊपर से थर्ड मैन की तरफ गई। इस दौरान बल्लेबाज 3 रन भाग गए। इस तरह ओवर में 27 रन बने। यह इंग्लैंड के लिए किसी भी बल्लेबाज का एक ओवर में सबसे ज्यादा रन है। ब्रूक ने एक ही दिन में अपना रिकॉर्ड तोड़ दिया। पहले दिन उन्होंने 24 रन बनाकर रिकॉर्ड बनाया था।

153 रन बनाकर हुए ओवर : हैरी ब्रूक 116 गेंदों पर 153 रनों की तूफानी पारी खेलने के बाद आउट हुए। उनकी पारी में 19 चौके और 5 छक्के शामिल थे। मैच के पहले दिन ब्रूक ने एक ओवर की सभी गेंदों पर चौके लगाए थे। इंग्लैंड ने पहली पारी में 657 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया है।